Page 11
खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 10
देश

बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने रचा इतिहास, लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज भारतीय शतक...

महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं का चुनाव कांग्रेस नेतृत्व के नाराज है शरद पवार : उद्धव ठाकरे

शुक्ल पक्ष, शतभिषा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • गुरुवार • 25 दिसम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 24 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

अटूट विश्वास के 27 वर्ष सच्चाई की अडिग यात्रा

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,27,350	₹ 2,33,000

आज का इतिहास

2008 : भारत के द्वारा अंतरिक्ष में भेजे गये चन्द्रयान-1 के 11 में से एक पेलोडर्स ने चन्द्रमा की नई तस्वीर भेजी।

1972 : भारत के अंतिम गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी का तमिलनाडु की राजधानी मद्रास (अब चेन्नई) में निधन हुआ।

बिहार पुलिस के 268 सिपाही एएसआई में पदोन्नत

पटना (नि.सं.)। पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (पीटीसी) से उत्तीर्ण बिहार पुलिस के 278 सिपाही को एएसआई (सहायक अवर निरीक्षक) बनाया गया है। बिहार पुलिस मुख्यालय ने इन सिपाहियों के एएसआई पद पर पदभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थायी स्थानापन्न कार्यकारी प्रभार का आर्थिक लाभ देने का आदेश जारी किया है। पुलिस मुख्यालय के डीआईजी (कार्मिक) के आदेश के मुताबिक, 1999 से 2009 तक नियुक्त हुए इन सिपाहियों को पदोन्नति के साथ ही आर्थिक लाभ मिलेगा। मुख्यालय ने कहा है कि कार्यकारी प्रभार से आच्छादित किसी भी पदाधिकारी के खिलाफ कोई विभागीय कार्यवाही लंबित होने, निलंबन, सजा या निगरानी, फौजदारी और आपराधिक मामला होने की स्थिति में यह कार्यकारी प्रभार नहीं मिलेगा।

बिहार में जमीन से जुड़े दस्तावेजों की नकल प्राप्त करने की प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल

जनवरी से पूरी तरह ऑनलाइन होंगे जमीन से जुड़े दस्तावेज

• डिजिटल हस्ताक्षरित प्रति ही होगी मान्य

निज संवाददाता | पटना

बिहार में जमीन से जुड़े दस्तावेजों की नकल प्राप्त करने की प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल होने जा रही है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के आदेश के अनुसार आगामी एक जनवरी से जमीन संबंधी सभी दस्तावेज ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही ऑनलाइन प्रणाली से जारी की गई डिजिटल हस्ताक्षरित प्रति ही वैध मानी जाएगी। इस संबंध में विभाग के सचिव जय सिंह ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि आदेश की प्रति सभी संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि अब रैयतों को दस्तावेजों की नकल के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और न ही कागज पर आवेदन या चिरकुट जमा करने की आवश्यकता होगी। अब तक किसी भी भूमि दस्तावेज की अभिप्रमाणित प्रति प्राप्त करने के लिए आवेदन के साथ स्टांप शुल्क जमा करना पड़ता था और सत्यापन के बाद प्रति मिलने में सात से 14 दिनों तक का समय लग जाता था। इस दौरान आवेदकों को बार-बार कार्यालय आना-जाना पड़ता था, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी होती थी। नई व्यवस्था से यह पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो जाएगी। सचिव ने बताया कि फिलहाल भू-अभिलेख पोर्टल पर राजस्व अभिलेखों की स्कैन की गई प्रतियां उपलब्ध हैं। पोर्टल के माध्यम से कोई भी रैयत निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर आवश्यक दस्तावेजों की डिजिटल हस्ताक्षरित प्रति प्राप्त कर सकता है। कई रैयत पहले से ही इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं, लेकिन अब इसे अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी मांगे गए दस्तावेज की प्रति पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है, तो उसके लिए भी ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। ऐसे मामलों में विभाग संबंधित दस्तावेज को उपलब्ध कराकर पोर्टल पर अपलोड करेगा, ताकि आवेदक को डिजिटल माध्यम से ही प्रमाणिक प्रति मिल सके। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की इस पहल से जमीन से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, समय की बचत होगी और आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

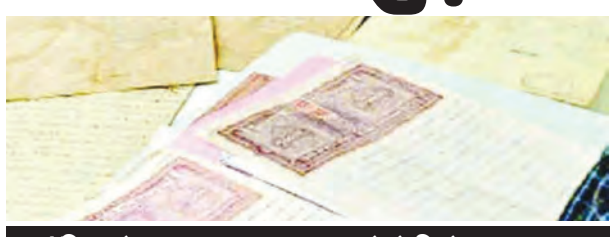

ऑफिस के बार-बार चक्कर लगाने से मिलेगा छुटकारा

नीतीश कुमार की सरकार ने प्रॉपर्टी रजिस्ट्री की प्रक्रिया को और सरल बनाने का फैसला लिया है। इसके तहत अब लोग अपने घर से ही ऑनलाइन नो-ड्यूज सर्टिफिकेट (संपत्ति अवधारणा प्रमाण पत्र) के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह सर्टिफिकेट बैंक से लोन लेने के लिए जरूरी होता है। इस नई व्यवस्था से लोगों को रजिस्ट्री ऑफिस के बार-बार चक्कर लगाने से छुटकारा मिलेगा। वे ऑनलाइन आवेदन करके सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकेंगे और सीधे बैंक को जमा कर सकेंगे। यह सुविधा अगले महीने से शुरू हो जाएगी।

जमीन खरीदने से पहले इन बातों की जांच जरूरी

हालांकि विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जमाबंदी की रसीद के आधार पर खरीद तो होगी, लेकिन खरीदार को कुछ जरूरी बातों की खुद जांच करनी होगी। सबसे पहले यह देखना जरूरी है कि जमीन की जमाबंदी ऑनलाइन है या नहीं। इसके लिए खरीदार www.biharbhumi.bihar.gov.in पोर्टल पर जाकर 'जमाबंदी देखें' विकल्प का उपयोग कर सकते हैं।

खेसरा नंबर और रकबा की जांच जरूरी

दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि ऑनलाइन जमाबंदी में जमीन का खेसरा नंबर और पूरा रकबा सही तरीके से दर्ज है या नहीं। अगर खेसरा या क्षेत्रफल में कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो भविष्य में कानूनी विवाद खड़ा हो सकता है। इसलिए खरीद से पहले इन विवरणों का मिलान जरूरी बताया गया है।

एक करोड़ नौकरी और रोजगार के लक्ष्य को पांच साल में पूरा करेगी राजग सरकार : सम्राट चौधरी

निज संवाददाता | पटना

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार राज्य में एक करोड़ नौकरी और रोजगार के लक्ष्य को अगले पांच साल में पूरा कर लेगी। श्री चौधरी ने बुधवार को नेउरा स्थित एबीसी कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से आयोजित वार्षिक कार्यक्रम 'गूंज' में युवाओं को संबोधित करते हुये कहा कि उन्होंने प्रण लिया है कि एक-एक बिहारी को बिहार में रोजगार दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार के युवा यहीं पढ़ें, यहीं रोजगार पायें, यह राजग सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राजग सरकार एक करोड़ नौकरी और रोजगार सृजित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता से किया गया वादा राजग सरकार अगले पांच वर्षों में हर हाल में पूरा करेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्य को पूरा करने के लिए अलग से एक विभाग की स्थापना की गई है।

उपमुख्यमंत्री ने बिहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान बुद्ध को ज्ञान यहीं प्राप्त हुआ था, भगवान महावीर और गुरु गोविंद सिंह जी का अवतरण इसी धरती पर हुआ।

उन्होंने कहा कि बिहार की धरती ज्ञान और कुर्बानी की धरती रही है और आज का समय उस गौरवशाली इतिहास को वापस लाने का है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बिहार के लोगों को बिहार में ही रोजगार दिलाना राजग सरकार की प्राथमिकता है। श्री चौधरी ने कानून-व्यवस्था पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि एक-एक अपराधी को जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। दानापुर से इसकी शुरुआत हो चुकी है।बिहार के लोग अच्छे हैं और सुशासन में विश्वास रखते हैं। चंद लोग अपने कर्मों से बिहार की छवि खराब करते हैं, जबकि असल पहचान सृजन करने वालों की है। उन्होंने कहा कि बिहारी देश के हर हिस्से को बसाने की क्षमता रखते हैं।चंडीगढ़ हो या दिल्ली इन्हें बसाने में बिहार का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि बिहार को बदलने की दिशा में सरकार काम कर रही है, जिससे लोगों को बाहर मजदूरी के लिए नही जाना पड़े।

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए डिजिटल तकनीक जरूरी

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री सह गृहमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कई प्रभावी कानून बनाए हैं और अब इन्हें और अधिक सशक्त व सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल तकनीक को अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि उपभोक्ताओं को किसी भी स्तर पर परेशानी न हो और उन्हें समयबद्ध व पारदर्शी न्याय मिल सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं लेशी सिंह, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री ने कहा कि हम सभी किसी न किसी रूप में उपभोक्ता हैं और हर उपभोक्ता को सम्मान, स्वेच्छा और न्याय का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में झूठे विज्ञापन, छिपे हुए शुल्क, फेक रिव्यू और भ्रामक छूट जैसे तरीके उपभोक्ताओं को गुमराह करने के नए माध्यम बन गए हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जागरूकता ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डॉ. अंशुमान ने कहा कि आधुनिक बाजार व्यवस्था में ई-कॉमर्स के तेजी से विकास के कारण उत्पादों और सेवाओं की उपलब्धता आसान हुई है, लेकिन इसके साथ नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। इन्हीं परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 लागू किया गया, ताकि उपभोक्ताओं को बदलते बाजार परिदृश्य में भी पर्याप्त कानूनी सुरक्षा मिल सके।

हस्तकरघा–रेशम और खादी ग्रामोद्योग के विकास को तेज करने का निर्देश

उद्योग विभाग में जल्द भरे जाएंगे रिक्त पद

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने उद्योग विभाग में लंबे समय से रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि विभाग में रिक्त पदों के विरुद्ध तत्काल अधियाचना भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में आ रही प्रशासनिक बाधाओं को दूर किया जा सके।

बुधवार को उद्योग मंत्री ने हस्तकरघा एवं रेशम उद्योग, खादी ग्रामोद्योग तथा उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान से जुड़ी योजनाओं की प्रगति को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय एवं भौतिक उपलब्धियों, मानव संसाधन की स्थिति और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव कुंदन कुमार, एमएसएमई निदेशक अमन समीर, हस्तकरघा एवं रेशम निदेशक विद्या नन्द सिंह, उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

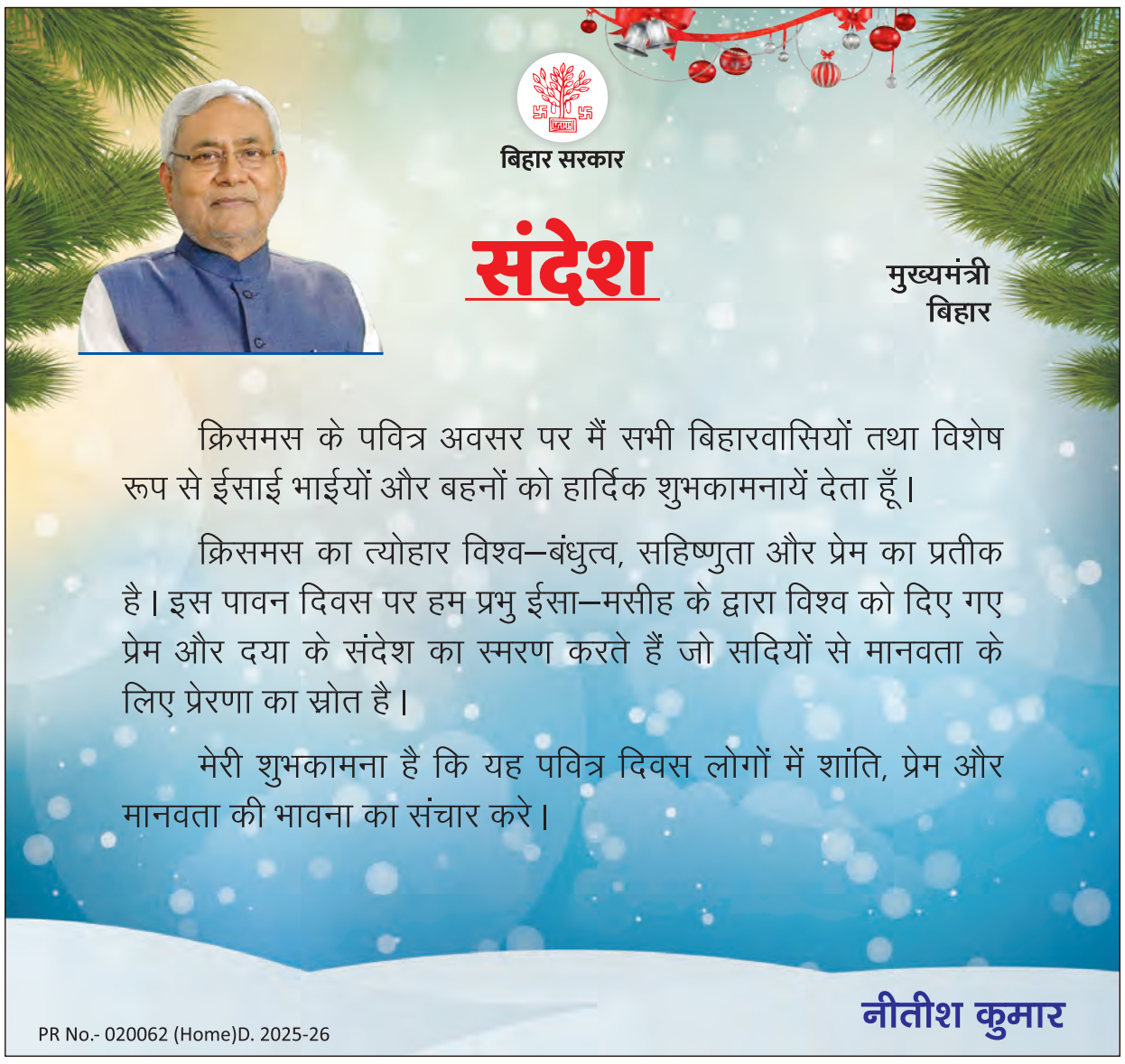

31 दिसम्बर तक पैन–आधार लिंक कराना अनिवार्य

नई दिल्ली (ए.)। पैन कार्ड धारकों के लिए आयकर विभाग ने एक अहम चेतावनी जारी की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 31 दिसंबर 2025 तक पैन को आधार से लिंक कराना अनिवार्य है। तय समयसीमा तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर पैन निष्क्रिय (इनएक्टिव) हो सकता है, जिससे टैक्स और बैंकिंग से जुड़े कई जरूरी कार्य बाधित हो जाएंगे। आयकर विभाग द्वारा 3 अप्रैल 2025 को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, जिन लोगों को 1 अक्टूबर 2024 के बाद पैन जारी हुआ है, उनके लिए 31 दिसंबर 2025 तक पैन–आधार लिंक कराना अनिवार्य है। वहीं, अन्य पैन धारकों के लिए इसकी अंतिम तिथि पहले ही 31 मई 2024 निर्धारित की जा चुकी थी। हालांकि, अब भी 31 दिसंबर तक 1,000 रुपये का जुर्माना देकर पैन–आधार लिंक कराया जा सकता है। इसके बाद भी लिंक नहीं होने पर पैन को डीएक्टिवेट किया जा सकता है। निष्क्रिय पैन होने की स्थिति में इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना मुश्किल हो जाता है और जिन करदाताओं का टैक्स रिफंड बनता है, उसकी राशि अटक सकती है।

संक्षिप्त समाचार

राजेंद्र प्रसाद यादव को पेंशनर समाज मधेपुरा की कमान

मधेपुरा। जिला मुख्यालय स्थित तुलसी पब्लिक स्कूल में बुधवार को बिहार पेंशनर समाज जिला शाखा मधेपुरा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष कपिलदेव यादव ने की, जबकि संचालन पूर्व एचएम तारिणी प्रसाद यादव ने किया। बैठक का मुख्य मुद्दा नए पदाधिकारियों का मनोनयन था। मनोनयन के पूर्व संगठन को मजबूत बनाने के लिए सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किए। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से अवकाश प्राप्त एचएम महेंद्र प्रसाद यादव को चुनाव पर्यवेक्षक, राजेन्द्र प्रसाद यादव को सभापति, अदयानन्द यादव तथा चंद्र भूषण सिंह को उपसभापति, लाल बहादुर यादव को सचिव, सुभाषचंद्र यादव तथा अरुण कुमार को संयुक्त सचिव, रुद्र नारायण भगत को कोषाध्यक्ष, रामबहादुर यादव को संगठन सचिव तथा विष्णुदेव केशरी तथा तारिणी प्रसाद यादव को सदस्य मनोनीत किया गया। नव मनोनीत सभापति ने कहा कि संगठन को धारदार बनाया जाएगा ताकि हम अपने अधिकारों को प्राप्त करने के लिए सफलतापूर्वक संघर्ष कर सकें। उन्होंने पेंशनर से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में संगठन से जुड़े।

जश्न-ए-पप्पू: चकाचौंध छोड़ महादलित बस्ती पहुंचे समर्थक, बच्चों संग काटा केक

सहरसा। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के जन्मदिन पर मंगलवार को सिमरी बख्तियारपुर में एक अलग ही नजारा देखने को मिला। बड़े होटलों की चमक-धमक और शोर-शराबे से दूर, सांसद का जन्मदिन 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया गया। नगर परिषद के भौरा स्थित महादलित बस्ती में जब 'गरीबों का मसीहा कैसा हो, पप्पू यादव जैसा हो' के नारे लगे, तो पूरा इलाका गूंज उठा।

बस्ती में 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया गया जन्मदिन : जन अधिकार पार्टी के युवा नेता और सांसद के करीबी पुनपुन यादव के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने महादलित टोले में जाकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के बीच खुशियां बांटीं। पुनपुन यादव ने बस्ती के मासूम बच्चों और बुजुर्गों के साथ मिलकर केक काटा और अपने हाथों से उन्हें मिठाइयां खिलाईं। "पप्पू यादव केवल एक सांसद का नाम नहीं है, बल्कि वह एक विचारधारा हैं जो सेवा और संघर्ष से पैदा हुई है। वे हमेशा पीड़ितों के साथ खड़े रहते हैं, इसलिए हमने तय किया कि उनका जन्मदिन उन्हीं लोगों के बीच मनाएंगे जिनकी सेवा के लिए वे समर्पित हैं।" — पुनपुन यादव, युवा नेता

ठंड में मिली राहत, दुआओं का मिला साथ : सिर्फ केक काटना ही मकसद नहीं था, बल्कि सेवा का संकल्प भी दिखा। बढ़ती ठंड को देखते हुए पुनपुन यादव और उनकी टीम ने जरूरतमंदों के बीच राहत सामग्री और गर्म कपड़ों का वितरण किया। बस्ती के बुजुर्गों ने भी भावुक होकर सांसद की लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य के लिए हाथ उठाकर दुआएं दीं।

इनकी रही मौजूदगी : इस सेवा कार्य में मुख्य रूप से समाजसेवी संतोष यादव, रितेश यादव, शहवाज आलम, आशीष यादव, निर्मल यादव, नीतीश कुमार, आशुतोष कुमार, कोमल यादव, दीपक राका, रोहित सादा, मूंगिया सादा और रंजू सादा सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण और समर्थक मौजूद थे। पप्पू यादव का जन्मदिन इस बार पूरे कोसी-सीमांचल में 'शक्ति प्रदर्शन' के बजाय 'सेवा प्रदर्शन' के रूप में चर्चा का विषय बना रहा।

सहरसा: किलकारी में उमड़ा उत्साह, सेंटा बन बच्चों ने बांटी खुशियां, कविताओं में याद आए अटल

सहरसा। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किलकारी बिहार बाल भवन में बुधवार को दोहरे उत्सव का नजारा दिखा। एक तरफ जहां क्रिसमस की मस्ती थी, वहीं दूसरी ओर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर श्रद्धा और सम्मान का भाव। बच्चों की मासूमियत और रचनात्मकता ने इस पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। क्रिसमस के उल्लास को साझा करने के लिए बच्चे सेंटा क्लॉज की लाल-सफेद वेशभूषा में सजे-धजे नजर आए। बच्चों ने सिर्फ परिसर में जश्न नहीं मनाया, बल्कि आसपास के मोहल्लों का भ्रमण भी किया। हाथ में चॉकलेट और शुभकामना कार्ड लिए इन नन्हे सेंटा ने लोगों को प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। बच्चों के इस अंदाज को देख हर कोई मुस्कुरा उठा। महामानव अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर बच्चों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नन्हे रचनाकारों ने अटल जी की कालजयी कविताओं का पाठ किया और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। वक्ताओं ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अटल जी का जीवन सादगी और लोकतांत्रिक मूल्यों की पाठशाला है, जिससे हर छात्र को सीखना चाहिए। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता बच्चों की आत्मनिर्भरता रही। चित्रकला और हस्तकला प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों ने खुद पूरे परिसर और मंच की साज-सज्जा की। उनकी कल्पनाशीलता ने दीवारों और मंच को जीवंत बना दिया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया, जहां गीत और नृत्य की प्रस्तुतियों पर जमकर तालियां बजीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में किलकारी की पूरी टीम ने जी-जान लगा दी। इसमें मुख्य रूप से: प्रबंधनः प्रमंडल संसाधन सेवी शब्दा हज्जू, सहायक लेखा पदाधिकारी विश्व विजय झा, नामांकन प्रभारी मौसमी कुमारी। प्रशिक्षक : निभाष कुमार (तबला), अन्नू कुमारी (चित्रकला), आर्ची कुमारी (नृत्य), शिखा कुमारी (कंप्यूटर), प्रेरणा कुमारी (चेस), राम कुमार (कराटे), विकास भारती (हस्तकला) और बाल सहयोगी आयुष राज ने सक्रिय भूमिका निभाई। किलकारी का यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और उन्हें सांस्कृतिक व राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने की एक बड़ी पहल है।

सांसद ने किया सप्तऋषि डिग्री कॉलेज का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

निज संवाददाता। रजौली

सांसद के साथ शिकागण व छात्राएं

प्रखंड के अमावां मोड़ स्थित सप्तऋषि डिग्री कॉलेज का निरीक्षण नवादा सांसद विवेक ठाकुर के द्वारा किया गया।इस दौरान रजौली विधायक विमल राजवंशी,भाजपा जिला मंत्री गौरव शांडिल्य गगन,वरिष्ठ कार्यकर्ता रंजन सिंह बब्लू,कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार,सचिव चंचल अर्जुन समेत दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान सांसद ने कॉलेज की अकादमी, संस्थागत एवं वित्तीय स्थिति की गहन समीक्षा की और कई अहम सहयोगियों के साथ कॉलेज प्रबंधन एवं संस्थागत के साथ लंबी बैठक कर चर्चा की।निरीक्षण के दौरान यह गंभीर मामला सामने आया कि कई कर्मचारियों को अब तक ज्वाइनिंग लेटर नहीं मिला पाया है, जिससे उनकी सेवा से जुड़ी असमंजस की स्थिति खराब हो गई।

सांसद ने इस विषय पर संबंधित अधिकारियों से त्वरित समाधान निकालने के निर्देश दिए और कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।इसके बाद नामांकन प्रमाण पत्र से कॉलेज की आय-व्याय से संबंधित सभी अभिलेखों की जानकारी ली।कॉलेज के वित्तीय प्रबंधन, अनुदान की स्थिति, व्यय की प्रक्रिया और विकास कार्य पर खर्च की विस्तार से समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान कॉलेज की कोचिंग भी की गई, जिसमें बिल्डरों की अलमारियों और इमारतों की साज-सज्जा पर विशेष ध्यान दिया गया। सांसद ने स्पष्ट रूप से कहा कि शिक्षा संस्थानों में वित्तीय संस्थानों की अत्यंत आवश्यकता है और किसी भी प्रकार के संस्थान को शामिल नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के बाद कॉलेज के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ एक लंबी बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों की उपस्थिति, परीक्षा परिणाम, विद्यार्थियों की शब्दावली, शिक्षण पद्धति और निर्देश जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी ली गई।

को न्यूनतम के अनुरूप रखा। सांसद ने बैठक के दौरान निर्देश दिया कि आज से कॉलेज की शिक्षा व्यवस्था में नए शैक्षणिक सुधार लागू किए जाएं। उन्होंने कहा कि समय के साथ स्कूल शिक्षा प्रणाली में बदलाव जरूरी है, ताकि छात्रों को पूर्ण शिक्षा मिल सके और वे पर्वतीय और रोजगार के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। इसके लिए परमाणु शिक्षण शास्त्र को आदर्श और नियमित अभ्यास समीक्षक बनाने पर ज़ोर दिया गया।

अंत में सांसद ने कॉलेज प्रबंधन को सप्तऋषि डिग्री कॉलेज के समग्र विकास के लिए हर संभव सहयोग दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए शैक्षणिक और शैक्षणिक सुधारों से कॉलेज की शिक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

वहीं कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि कॉलेज के तदर्थ समिति का गठन किया गया।इसमें अध्यक्ष सांसद,रजौली एसडीएम सरकारी प्रतिनिधि,मगध यूनिवर्सिटी से अमित कुमार सिंह के अलावे संस्थापक सदस्य अर्जुन चंचल सदस्य के रूप में चयनित हुए। कॉलेज के संस्थापक अर्जुन चंचल ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन को एनर्जेटिक होकर काम करने की बात सांसद महोदय द्वारा कही गई।साथ ही भारत को विकसित करने में कॉलेज के अहम योगदान देने की बात कही है।इस मौके पर दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

पालीगंज में मिलेगी फुटपाथी दुकानदारों को अस्थायी दुकानें

निज संवाददाता। पालीगंज

पालीगंज में चलाए गए अतिक्रमण मुक्ति के दौरान रोड किनारे फुटपाथ पर बने दुकानों तोड़े जाने के बाद विस्थापित दुकानदारों ने दुकानों के लिए प्रशासन से गुहार लगाया है। जिसके बाद बुधवार को पालीगंज अनुमंडल पदाधिकारी गरिमा लोहिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव चंद्र सिंह, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सुश्री भावना, पालीगंज थानाध्यक्ष सुमन कुमार एवं नगर पंचायत अध्यक्ष बीरेंद्र बैठा ने नगर बाजार में तोड़े गए दुकानदारों को बसाने के लिए नगर बाजार में भर्मण कर कई स्थानों को देखा। वही एसडीएम ने मठ की जमीन में लग रही सब्जी मंडी के बगल में अतिक्रमण मुक्ति के दौरान उजड़े गए सभी दुकानदारों को दुकान आवंटित करने का आदेश नगर कार्यपालक पदाधिकारी सुश्री भावना को दिया। साथ ही मठ की जमीन में पड़े गंदगी को तुरंत साफ सफाई करने कभी निर्देश दिया। अनुमंडल पदाधिकारी गरिमा लोहिया ने बताया कि अतिक्रमण मुक्ति अभियान के दौरान सड़क किनारे जिन लोगों की दुकानो को तोड़ी गयी है उन दुकानदारों को बसाने ले लिए मठ की जमीन को चिन्हित किया गया है। मठ प्रबंधन कमिटी की बैठक कर प्रस्ताव लिया जाएगा और विस्थापित उन दुकानदारों को जो दुकान लगाना चाहते है उन्हें दुकान आवंटित किया जाएगा जिससे वे अपने जीवको पार्जन कर सके। एसडीएम ने कार्यपालक पदाधिकारी एवं सीओ को मठ की जमीन नापी कराने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि नगर बाजार को साफ सफाई व व्यवस्थित करने के लिए सब्जी ,फल विक्रेता एवं दुकानदारों से न्यूनतम राशि नगर पंचायत को निर्धारित कर वसूली करने का निर्देश दिया।

पियरपुरा थाना भवन का एसडीपीओ ने किया निरीक्षण

निज संवाददाता। पालीगंज

पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत निर्माणाधीन पीयरपुरा थाना भवन व थाने का औचक निरीक्षण पालीगंज एसडीओ के द्वारा बुधवार को किया गया। जिसकी जानकारी देते हुए पालीगंज एसडीपीओ राजीव चन्द्र सिंह ने बताया कि पिछले कई महीने से पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत पियरपुरा थाना भवन का निर्माण कार्य चल रहा है।

यह कार्य लगभग चार माह में पूरी हो जाएगी। जिसका निरीक्षण बुधवार को किया गया। इस दौरान कुछ आवश्यक निर्देश भी दिया गया है। वही पीयरपुरा थाना के अंतर्गत विभिन्न कांडों एवं परिवादो से संबंधित पक्ष से पूछताछ की गई एवं जांच पड़ताल किया गया। साथ ही संबंधित पदाधिकारी को शीघ्र निष्पादन हेतु दिशा निर्देश दिए गए है।

थाने में लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन हेतु दिशा निर्देश भी दिया गया है। जबकि अवैध शराब, हथियारों व मादक पदार्थों के बरामदगी पर जोर दिया गया। थाना गस्ती तथा 112 गस्ती को चेक किया गया तथा सघन रात्रि गश्ती करने हेतु दिशा निर्देश दिया गया है। मौके पर थानाध्यक्ष रंजन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद थे।

डीएम ने किया बाल देख-रेख संस्थानों का औचक निरीक्षण

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश द्वारा जिले में अवस्थित बाल देख-रेख संस्थानों, यथा – विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान एवं पर्यवेक्षण गृह, नवादा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने संस्थानों में आवासित बच्चों की स्थिति, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा तथा सुरक्षा व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं एवं सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

इस अवसर पर प्रभारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि संस्थानों में रह रहे बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं समुचित देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, शीत ऋतु को ध्यान में रखते हुए स्वेटर, कंबल आदि की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित रखने हेतु निर्देश दिए गए।जिला पदाधिकारी द्वारा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा) को बच्चों की शिक्षा हेतु एक अतिरिक्त शिक्षक की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा देने हेतु पर्यवेक्षण गृह में योगा शिक्षक की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा गया।

सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई तथा पर्यवेक्षण गृह में अतिरिक्त होमगार्ड की प्रतिनियुक्ति हेतु निर्देश दिए गए। साथ ही, पर्यवेक्षण गृह परिसर में स्वच्छ पेयजल की सुविधा हेतु एक चापाकल अधिष्ठापित करने का निर्देश प्रभारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को दिया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन, नवादा, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), प्रभारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, शिशु रोग विशेषज्ञ, डीपीओ (शिक्षा) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

धान अधिप्राप्ति की प्रगति को लेकर जिला टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक

किये गए धान की खरीद का भुगतान 24 घंटे के अंदर करें : डीएम

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई। इसमें खरीफ विपणन मौसम, 2025-26 में विकेन्द्रीकृत अधिप्राप्ति व्यवस्था अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से धान अधिप्राप्ति में प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हेतु अधिप्राप्ति कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही क्रय किए गए धान के विरुद्ध सभी किसानों को 48 घंटे के अंदर भुगतान करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सरकार के दिशा-निर्देश का अक्षरशः अनुपालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण धान अधिप्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, नवादा द्वारा प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके अनुसार नवादा जिला में कुल चयनित पैक्सों/व्यापार मंडल की संख्या 154 है, जिसमें 144 पैक्स तथा 10 व्यापार मंडल शामिल हैं। अधिप्राप्ति वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान की बिक्री हेतु अब तक 16448 किसानों द्वारा ऑनलाइन निबंधन किया गया है। अब तक धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य 97369 एमटी है। कुल क्रय की गई धान की मात्रा 8601.971 एमटी, अधिप्राप्ति में संलग्न किसानों की संख्या 1094, औसत प्रति किसान 7.86 एमटी, भुगतान की गई किसानों की संख्या 601 एवं समतुल्य सीएमआर की मात्रा 5907.832 है।

समीक्षा में पाया गया कि प्रखंड सिरदला एवं मेसकौर में धान अधिप्राप्ति की स्थिति खराब है। जिलाधिकारी द्वारा सहकारिता पदाधिकारी को नियमित अनुश्रवण करते हुए धान अधिप्राप्ति में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। धान अधिप्राप्ति में जिन पैक्सों द्वारा लक्ष्य के अनुरूप सबसे कम अधिप्राप्ति की गई है, उनका जन वितरण दुकान का लाइसेंस रद्द करने का निर्देश जिला पदाधिकारी द्वारा दिया गया। उन्होंने सभी बीसीओ को निर्देश दिया कि सभी पैक्सों के साथ बैठक कर लक्ष्य को पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे। लक्ष्य के विरुद्ध सबसे कम अधिप्राप्ति पर नोटिस कर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, नवादा द्वारा राइस मिल सत्यापन की जानकारी देते हुए बताया गया कि सभी मिलों का सत्यापन किया जा चुका है।

जिला पदाधिकारी द्वारा राइस मिल एवं पैक्स की संबद्धता के लिए निर्देश दिया गया। उन्होंने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि हर हाल में छोटे किसानों को प्राथमिकता पर धान क्रय किया जाए। उन्होंने कहा कि पैक्स गोदाम और सीएमआर गोदाम की जांच अनुमंडल पदाधिकारी स्तर से नियमित रूप से करवाई जाए। उन्होंने सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि लगातार भ्रमणशील रहें। जितने भी छोटे किसान हैं, उनसे संवाद स्थापित कर धान विक्रय हेतु प्रेरित करें। बैठक में उप विकास आयुक्त, वरीय उपसमाहर्ता, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम के साथ-साथ सभी प्रखंडों के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

डीएम ने नारियल विकास बोर्ड, सिंहेश्वर का किया औचक निरीक्षण

निज संवाददाता। मधेपुरा

डीएम अभिषेक रंजन द्वारा बुधवार को प्रदर्शन-सह-बीज उत्पादन फार्म (नारियल विकास बोर्ड), सिंहेश्वर का औचक निरीक्षण किया गया। नारियल बोर्ड के फार्म इंचार्ज द्वारा प्रदर्शन-सह-बीज उत्पादन केन्द्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा वहां होने वाली समस्याओं के बारे में भी विस्तृत रूप से जिला पदाधिकारी, मधेपुरा को अवगत कराया। नारियल बोर्ड के प्रदर्शन-सह-बीज उत्पादन फार्म कुल 100 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें घेराबंदी नहीं रहने के कारण सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एवं अन्य असामाजिक तत्वों के द्वारा फार्म के अन्दर आ जाने तथा फार्म का क्षति पहुंचाने से संबंधित जानकारी दी गई।

जिसपर डीएम द्वारा सीओ, सिंहेश्वर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। साथ ही फार्म में घेराबंदी नहीं रहने के कारण सरकारी संपति की क्षति होती है, इसके लिए जमीन के कागजात की स्थिति से संबंधित जानकारी के लिए भी सीओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

मधेपुराः डीएम व एसपी ने ईवीएम–वीवीपैट वेयरहाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

निज संवाददाता। मधेपुरा

जिला पदाधिकारी अभिषेक रंजन एवं पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह द्वारा बुधवार को संयुक्त रूप से ई०वी०एम०/वी०वी०पैट वेयरहाउस का त्रैमासिक (आंतरिक) निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, सीलिंग व्यवस्था, प्रवेश–निकास पंजी, अग्निशमन उपकरणों तथा संबंधित अभिलेखों की गहनता से जांच की गई। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने वेयरहाउस की निगरानी व्यवस्था को हर समय दुरुस्त रखने पर विशेष बल दिया। एसपी द्वारा वेयरहाउस की बाह्य एवं आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की जायजा लेते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्ती एवं सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर चूक स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान ई०वी०एम० एवं वी०वी०पैट के सुरक्षित रख-रखाव पर संतोष व्यक्त किया गया। अधिकारियों ने कहा कि निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया के लिए ईवीएम–वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन इस दिशा में पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

नालंदा में ट्रैफिक तोड़ने वालों से वसूला 5 लाख जुर्माना

निज संवाददाता। नालंदा

नालन्दा जिला मुख्यालय बिहार शरीफ में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ बुधवार को व्यापक अभियान चलाया गया। कारगिल चौक पर जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) राहुल सिन्हा के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान में मोटर व्हीकल एक्ट के उल्लंघन के मामलों में भारी संख्या में चालान काटे गए और करीब 4 से 5 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। डीटीओ राहुल सिन्हा ने अभियान के दौरान बताया कि नालंदा जिले में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें कई शिकायतें मिल रही हैं कि बिना रजिस्ट्रेशन की गाड़ियां सड़कों पर चल रही हैं। 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे ई-रिक्शा चला रहे हैं। इन सभी समस्याओं पर अंकुश लगाने के लिए हम नियमित रूप से जांच अभियान चलाएंगे।

सीट बेल्ट, हेलमेट न पहनने जैसे उल्लंघनों पर की कार्रवाईः जांच के दौरान कई गंभीर उल्लंघन सामने आए। सीट बेल्ट और हेलमेट न पहनने, सुरक्षा नंबर प्लेट न लगाने जैसे सामान्य उल्लंघनों के अलावा कई वाहनों में तो रजिस्ट्रेशन ही नहीं पाया गया। ऐसे सभी वाहनों को जब्त कर लिया गया और चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। विशेष रूप से चिंताजनक बात यह रही कि कुछ वाहन चालक पुराने सरकारी और प्रशासनिक बोर्ड का दुरुपयोग करते हुए पाए गए। डीटीओ ने स्पष्ट किया कि नियमानुसार ऐसे बोर्ड लगाना वैध नहीं है और इनका दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ भी चालान काटे गए हैं।

स्कूली वाहनों की भी जांचः अभियान में स्कूली बसों की भी सघन जांच की गई। कई स्कूली वाहन बिना परमिट के चलते पाए गए। इसके अलावा, स्कूली वाहनों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा था। जिन वाहनों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था अपर्याप्त पाई गई, उनके संचालकों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

बड़ी संख्या में काटे गए चालानः इस विशेष अभियान में लगभग 10 अधिकारी तैनात थे। प्रत्येक अधिकारी ने औसतन 10 से 12 चालान काटे। डीएबी (डिजिटल चालान) मशीन से एक ही स्थान पर 12,000 रुपये का चालान काटा गया। कुल मिलाकर इस अभियान में 4 से 5 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया।

डीटीओ बोले- ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन खतरनाक हैः डीटीओ ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे मोटर व्हीकल एक्ट का पूर्णतः पालन करें और अनावश्यक बोर्ड या स्टिकर का उपयोग न करें। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन न केवल कानूनी दंड का विषय है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरनाक है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यातायात नियमों को लागू करवाने के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में महिलाओं को पिंक बस का तोहफा, 1 जनवरी से राजगीर-बिहारशरीफ से खुलेगी 2 पिंक बसें

नालंदा। परिवहन सह ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने नालंदा में महिला यात्रियों के लिए पिंक बस सेवा शुरू करने की घोषणा की है। मंत्री ने बताया कि एक जनवरी 2026 से इस महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ होगा, जो महिलाओं की सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राजगीर और बिहार शरीफ से होगी शुरुआतः मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि प्रारंभ में नालंदा जिले में दो पिंक बसें संचालित की जाएंगी। पहली बस राजगीर से और दूसरी बिहार शरीफ से अपनी सेवाएं शुरू करेगी। इसके अलावा, दो अतिरिक्त बसों का ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है, जो आने वाले समय में सेवा का विस्तार करेंगी।

तीन प्रमुख रूट होंगे संचालितः पिंक बसों के लिए तीन मुख्य मार्गों की योजना बनाई गई है। पहली बस पटना से शुरू होकर बख्तियारपुर, कल्याण बीघा और हरनौत होते हुए राजगीर तक जाएगी। दूसरी बस पटना से चलकर दनियावां पहुंचेगी, फिर नूरसराय होते हुए ककोलत तक की यात्रा करेगी। तीसरी बस का मार्ग सबसे लंबा होगा। यह पटना से शुरू होकर दनियावां, हिलसा, एकंगरसराय, इस्लामपुर और बेन होते हुए राजगीर पहुंचेगी। इसके बाद यह बस राजगीर से सीधे रजौली तक की सेवा देगी। इन मार्गों का चयन इस प्रकार किया गया है कि स्कूल, कॉलेज और बस स्टैंड जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को कवर किया जा सके।

केवल महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्थाः पिंक बसों की सबसे खास बात यह है कि इनमें केवल महिला यात्री ही यात्रा कर सकेंगी। यह पहल महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा का माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की जा रही है। बसों के मार्ग को इस तरह तय किया गया है कि शैक्षणिक संस्थानों, बस स्टैंड और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ा जा सके।

महिला ड्राइवर और कंडक्टर की होगी नियुक्तिः मंत्री ने बताया कि पिंक बसों में महिला ड्राइवर और महिला कंडक्टर की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है। हालांकि एक जनवरी को शुरुआती चरण में यह व्यवस्था तत्काल लागू नहीं हो पाएगी, लेकिन मार्च 2025 से पहले पिंक बसों का संचालन पूरी तरह से महिला चालक दल की ओर से किया जाएगा।

पूरे बिहार में विस्तार की योजनाः यह योजना केवल नालंदा तक सीमित नहीं रहेगी। मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया कि यह पहल पूरे बिहार की महिलाओं के लिए की जा रही है और कई स्थानों पर पहले से ही इसका संचालन हो रहा है। भविष्य में बोधगया जैसे पर्यटन स्थलों पर भी इस सेवा का विस्तार किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर पहले पर्यटक स्थलों को इस योजना से जोड़ा जाएगा।

भारत की सांस्कृतिक विरासत पर होगी चर्चा, वक्ता अपने अनुभव शेयर करेंगे

नालंदा। ज्ञान की प्राचीन भूमि नालंदा में आयोजित हो रहे साहित्य महोत्सव का समापन आज होगा। इस अंतिम दिवस पर देश के प्रतिष्ठित साहित्यकार, विचारक और सांस्कृतिक विमर्शकार भारत की समृद्ध साहित्यिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और समकालीन सामाजिक कथाओं पर अपने विचार रखेंगे। सुबह 10 बजे से प्रारंभ होने वाले विभिन्न सत्रों में भारतीय संस्कृति के विविध आयामों पर गहन चर्चा होगी। राजगीर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस समारोह का उद्देश्य नालंदा की उस महान परंपरा को पुनर्जीवित करना है, जो सदियों से ज्ञान और विचारों का केंद्र रही है। इस साल के महोत्सव की विशेष बात यह रही है कि इसमें न केवल साहित्य बल्कि इतिहास, पुरातत्व, भाषाविज्ञान और सामाजिक समावेशन जैसे विषयों को भी समान महत्व दिया गया है। समापन दिवस पर चार विशिष्ट वक्ता अपने अनुभव और ज्ञान साझा करेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी भारतीय सांस्कृतिक विमर्श पर अपने विचार रखेंगे। एक विद्वान और लेखक के रूप में उनका योगदान भारतीय कला और संस्कृति के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। पुरातत्व के क्षेत्र में अपने अमूल्य योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित डॉ. के. के. मोहम्मद भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) के रूप में उन्होंने देश की धरोहर संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका सत्र भारत की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और उनके समकालीन महत्व पर केंद्रित रहेगा। राष्ट्रीय भाषा और साहित्य के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान रखने वाली डॉ. सरिता बुडहू सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त करेंगी। एक लेखक और वक्ता के रूप में उनका काम भारतीय साहित्य की बहुआयामी पहचान को स्थापित करने में सहायक रहा है।

प्रमुख ट्रांसजेंडर आवाजों में से एकः इस साल के महोत्सव की सबसे उल्लेखनीय उपस्थिति विजयराजमल्लिका की रहेगी, जो मलयालम साहित्य में पहली प्रमुख ट्रांसजेंडर आवाजों में से एक हैं। एक कवयित्री, लेखक, कार्यकर्ता और शिक्षक के रूप में उन्होंने 'दैवतिंते मकल' और अन्य महत्वपूर्ण रचनाओं के माध्यम से समाज में समावेशिता का संदेश दिया है। उनकी उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि आधुनिक भारतीय साहित्य विविधता को अपनाते हुए हर आवाज़ को स्थान दे रहा है। आयोजकों का मानना है कि यह महोत्सव केवल एक साहित्यिक आयोजन नहीं, बल्कि नालंदा की उस गौरवशाली परंपरा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास है, जहां विश्व भर से ज्ञान पिपासु आते थे। पुराने नालंदा विश्वविद्यालय की तरह ही यह महोत्सव भी विचारों के आदान-प्रदान, बहुलतावादी दृष्टिकोण और ज्ञान के प्रसार का माध्यम बन रहा है। विभिन्न सत्रों में भारत की भाषाई विविधता, क्षेत्रीय साहित्य की समृद्धि, सांस्कृतिक स्मृति के संरक्षण और आधुनिक पहचान की कथाओं पर गहन विमर्श होगा। ये चर्चाएं न केवल अतीत की धरोहर को याद करेंगी, बल्कि भविष्य के लिए एक सांस्कृतिक मार्गदर्शन भी प्रदान करेंगी।

डीएम ने स्मार्ट क्लास का किया निरीक्षण, छात्रों से बोले- फेसबुक, इंस्टा, यूट्यूब के दुरुपयोग से सावधान रहें

निज संवाददाता। नालंदा

'सोशल मीडिया को स्मार्ट तरीके से हैंडल करने की जरूरत'

शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की एक नई मिसाल पेश करते हुए नालंदा जिले में मॉडर्न टेक्नीक के माध्यम से छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने बुधवार को एस.एस. बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिहारशरीफ का भ्रमण कर ऑनलाइन क्रैश कोर्स की व्यवस्था का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने स्मार्ट क्लास में संचालित हो रहे कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए विशेष क्रैश कोर्स को देखा। उन्होंने छात्राओं से सीधे संवाद करते हुए उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति और तकनीक के सदुपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया।

परंपरागत और आधुनिक शिक्षा पद्धति पर जोरः छात्राओं को संबोधित करते हुए कुमार ने पौराणिक युग और आधुनिक युग की शिक्षा पद्धति में अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पहले एक शिक्षक एक समय में केवल कुछ छात्रों को ही पढ़ा पाते थे, लेकिन आज ऑनलाइन माध्यम से एक शिक्षक एक साथ हजारों छात्रों तक अपनी शिक्षा पहुंचा सकते हैं। यह बदलाव हमारे लिए नए अवसरों के द्वार खोलता है। जिलाधिकारी ने छात्राओं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में उनकी समझ भी परखी और उन्हें तकनीक के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित किया। हालांकि, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के दुरुपयोग से सावधान रहने की भी सलाह दी।

मोबाइल के सही इस्तेमाल पर दिया जोरः मोबाइल फोन के लाभ और हानियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने ऑनलाइन चैटिंग और वीडियो कॉल के दुष्प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आप जिस उम्र के पड़ाव पर खड़ी हैं, वहां आपके सामने दो रास्ते हैं - एक जो आपके उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाता है और दूसरा जो भटकाव की ओर। आपको सही चुनाव करना होगा। छात्राओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि नालंदा जिले की हमारी बेटियां कड़ी मेहनत के बदौलत आगे बढ़ेंगी और जिले का नाम रोशन करेंगी। गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क सरकारी शिक्षा प्रदान कर हम आपके भविष्य को संवारने में भरपूर सहयोग करेंगे।

282 विद्यालयों में चल रहा ऑनलाइन क्रैश कोर्सः जिला शिक्षा विभाग की ओर से नालंदा जिले के सभी 282 माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बिहार बोर्ड परीक्षा 2026 की तैयारी के लिए ऑनलाइन क्रैश कोर्स संचालित किया जा रहा है। बीपीएससी टीआरई 01, 02 और 03 से चयनित अनुभवी शिक्षकों की टीम द्वारा डिजिटल स्टूडियो के माध्यम से यह कक्षाएं ली जा रही हैं। 24 नवंबर 2025 से शुरू हुए इस क्रैश कोर्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एनिमेशन की मदद से गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे कठिन विषयों को सरल और रोचक तरीके से पढ़ाया जा रहा है। विजुअल, ऑडियो और स्मार्ट एनालिटिक्स के माध्यम से विषयों को अधिक रुचिकर बनाया गया है।

JEE, NEET और ओलंपियाड की भी तैयारीः इस पहल का उद्देश्य केवल बोर्ड परीक्षा तक ही सीमित नहीं है। नए सत्र से छात्र-छात्राओं को JEE, NEET और ओलंपियाड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी करवाई जाएगी। उन्नयन लाइव क्लासेज के अंतर्गत यूट्यूब लिंक के माध्यम से ये कक्षाएं उपलब्ध हैं।

जनवरी में होगी मॉक टेस्ट सीरीजः 5 से 8 जनवरी 2026 के बीच जिले के सभी 282 माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में टेस्ट सीरीज (ओएमआर के साथ मॉक टेस्ट) का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका तैयार की जा रही है। यह परीक्षा पारदर्शी और कदाचार मुक्त तरीके से संपन्न कराई जाएगी। चयनित 50 से 100 टॉपर छात्र-छात्राओं के लिए उनके अभिभावकों के साथ विशेष बैठक की जाएगी और उनके लिए अलग से स्पेशल ट्यूटोरियल और ऑनलाइन क्लासेज का संचालन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रशिक्षु सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, डीपीओ शिक्षा विभाग और प्राचार्य सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

डोभी में शराब तस्करी का भंडाफोड़, दो ट्रकों से 13 हजार लीटर से अधिक शराब जब्त

निज संवाददाता। डोभी

शराबबंदी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डोभी में एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। मधु निषेध टीम और डोभी थाना की संयुक्त टीम ने चतरा मोड़ के पास दो ट्रकों से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद कर शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में दोनों ट्रक चालकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई राज्य सूचना ब्यूरो, पटना से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर की गई। डोभी थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि जब्त किए गए दोनों ट्रकों से कुल 1490 कार्टन में 13,279.32 लीटर शराब बरामद की गई है। पुलिस द्वारा की गई जांच में पहले ट्रक के चालक सह मालिक की पहचान राजस्थान के बाड़मेर जिले के बालोतरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंधी बालोतरा निवासी दलपत सिंह के रूप में की गई है। वहीं दूसरे ट्रक का चालक हरियाणा के पानीपत जिले के चांदनवाद थाना क्षेत्र के दारोदरा निवासी राजेंद्र कुमार

बताया गया है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि शराब की यह खेप हरियाणा से बिहार लाई जा रही थी। उन्होंने बताया कि शराब तस्करी से जुड़े कारोबारी उन्हें लगातार फोन पर निर्देश दे रहे थे और हर आधे घंटे पर अपनी लोकेशन साझा करने को कहा जा रहा था, ताकि पुलिस की गतिविधियों से बचते हुए शराब को सुरक्षित बिहार के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाया जा सके। थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि चतरा मोड़ और डोभी-चतरा रोड पहले भी शराब तस्करी के लिए संवेदनशील मार्ग रहा है, लेकिन हाल के दिनों में मधु निषेध टीम और स्थानीय पुलिस की सतर्कता के कारण शराब माफियाओं की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों ट्रकों को जब्त कर लिया गया है और तस्करी में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे की पूछताछ की जा रही है।

शेरघाटी में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर किसानों को किया गया जागरूक

निज संवाददाता। शेरघाटी, गयाजी

राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर बुधवार को शेरघाटी प्रखंड के गोपालपुर गांव में किसान हेल्पलाइन टीम द्वारा किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का मकसद रासायनिक खेती से होने वाले दीर्घकालिक नुकसान के प्रति किसानों को सचेत करना और प्राकृतिक व जैविक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। किसान हेल्पलाइन टीम ने शेरघाटी क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर करीब 250 से अधिक किसानों से संवाद किया। इस दौरान किसानों को मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता, मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन और ज़हर मुक्त खेती की शुरुआत से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि स्वस्थ मिट्टी ही टिकाऊ और लाभकारी खेती की बुनियाद है। संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने बताया कि खेत की मिट्टी की नियमित जांच से यह स्पष्ट होता है कि फसल को किन पोषक तत्वों की कितनी

आवश्यकता है। इससे अनावश्यक उर्वरकों के प्रयोग से बचा जा सकता है, जिससे खेती की लागत घटती है और उत्पादन में भी वृद्धि होती है। साथ ही मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। कार्यक्रम में प्रखंड बागवानी पदाधिकारी शशि भूषण प्रसाद ने किसानों से केवल धान और गेहूं पर निर्भर न रहने की अपील की। उन्होंने तिलहन, दलहन और बागवानी फसलों की खेती अपनाने की सलाह दी और कहा कि फसल विविधीकरण से किसानों की आय बढ़ती है तथा मौसम और बाजार से जुड़ा जोखिम भी कम होता है। इस अवसर पर पूर्व मुखिया श्रीकांत यादव, रविन्द्र यादव, अजय कुमार प्रभाकर, धीरज कुमार, दिलीप यादव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने जैविक और प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया और कहा कि आने वाले समय में वे ज़हर मुक्त खेती की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

मनरेगा का नाम बदलने के प्रस्ताव पर कांग्रेस का विरोध तेज, बोधगया में गांधी प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन

निज संवाददाता। गयाजी

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर "विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण" किए जाने के प्रस्ताव के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। संसद से लेकर सड़क तक चल रहे आंदोलन के तहत बुधवार को चौथे दिन बोधगया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी बोधगया के प्रमुख स्थल पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने इस निर्णय को महात्मा गांधी के विचारों और उनके योगदान का अपमान बताया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि गांधी जी के विचारों पर आधारित ग्रामीण रोजगार

की गारंटी है।

ऐसे में योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता के सम्मान के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस फैसले को अविलंब वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन की अध्यक्षता बोधगया प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामजी मांझी ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन शिव शंकर प्रसाद ने किया। इस मौके पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, गया जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष युगल किशोर सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि गया जिले में बीते चार दिनों से लगातार मनरेगा के नाम परिवर्तन के विरोध में आंदोलन चलाया जा रहा है और आगे भी यह संघर्ष जारी रहेगा।

आंदोलन की आगामी रूपरेखा साझा करते हुए बताया गया कि 25 दिसंबर को बेलागंज प्रखंड मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन किया गया, 26 दिसंबर को इमामगंज प्रखंड मुख्यालय के गांधी मैदान में गांधी प्रतिमा के समक्ष कार्यक्रम आयोजित हुआ और 27 दिसंबर को टिकारी अनुमंडल मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं 28 दिसंबर 2025 को कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर गया चौक स्थित गांधी प्रतिमा से पदयात्रा निकाली जाएगी, जो पूरे गया शहर का भ्रमण करते हुए गांधी मैदान स्थित गांधी मंडप में संपन्न होगी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने बोधगया नगर परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नगर परिषद आयुक्त से बोधगया बाजार स्थित गांधी प्रतिमा स्थल को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा वहां नियमित साफ-सफाई और रखरखाव सुनिश्चित कराने की भी मांग की।

खलिहान में रखे धान में लगी आग, 80 बोझा जलकर राख

निज संवाददाता। बेलागंज, गयाजी

गया जिले के बेलागंज प्रखंड अंतर्गत कादिरपुर गांव में बुधवार तड़के करीब तीन बजे खलिहान में रखे धान में आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आगजनी की इस घटना में करीब 80 बोझा धान जलकर पूरी तरह राख हो गया। अनुमान के अनुसार नुकसान की कीमत लगभग एक लाख रुपये बताई जा रही है। आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक धान की नेवारी पूरी तरह जल चुकी थी। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित किसान रामबाबू ने आशंका जताई है कि असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर खलिहान में आग लगाई है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग की है। मामले को लेकर थाना प्रभारी मनोज पांडे

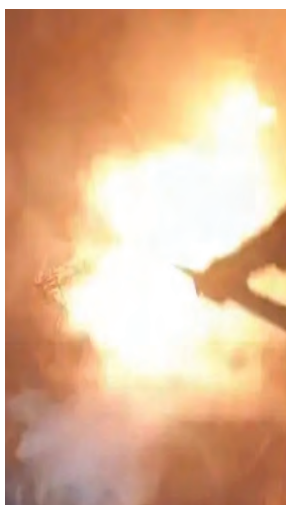

ने बताया कि पीड़ित की ओर से आवेदन मिलने के बाद पुलिस जांच शुरू करेगी और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं अंचलाधिकारी गजानंद मेहता ने कहा कि आवेदन प्राप्त होते ही राजस्व कर्मचारी के माध्यम से स्थल जांच कराई जाएगी, जिसके बाद नियमानुसार मुआवजे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बिहार शरीफ के कैथोलिक चर्च में क्रिसमस की तैयारी

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में क्रिसमस का त्योहार बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। बिहार शरीफ स्थित कैथोलिक चर्च में 25 दिसंबर को प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की विशेष तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चर्च परिसर को रंगबिरंगी लाइटों से सजाया गया है। चर्च के पादरी फादर अनूप ने बताया कि क्रिसमस की पूर्व संध्या पर आज मध्यरात्रि 12 बजे से ही धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हो जाएंगे। पवित्र जल से सुसज्जित चरणी को बेदी के समक्ष रखा जाएगा, जहां बालक यीशु की प्रतिमा विराजमान होगी। परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार महिमा गान, धर्मशास्त्र बाइबल का पाठ, संदेश, चढ़ावा और परम प्रसाद ग्रहण जैसी धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया जाएगा। चरणी में लेटे बालक यीशु को हाथों में उठाकर चुंबन देते हुए प्रभु यीशु के जन्म की घोषणा की

जाएगी। इस पवित्र घोषणा के साथ ही बधाई और शुभकामनाओं का सिलसिला शुरू हो जाएगा।

, क्षमा और दया का संदेशः फादर अनूप ने इस अवसर पर कहा कि प्रभु यीशु इस दुनिया में इसलिए आए ताकि मानव जाति की मुक्ति हो सके। उन्होंने प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दिया। वे चाहते हैं कि हम सब मिलकर रहें, एक-दूसरे के साथ प्रेम बांटें और एक-दूसरे के लिए जीना सीखें।

बच्चों के लिए विशेष आयोजनः क्रिसमस के दिन चर्च परिसर में बच्चों के लिए छोटे मेले का आयोजन किया गया है। इसमें बच्चों के खाने-पीने और खेलने की विशेष व्यवस्था की गई है। हालांकि इस बार बड़े मेले का आयोजन नहीं किया जा रहा है।

सुबह 11 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुला रहेगा चर्चः श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चर्च सुबह 11 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुला रहेगा। शाम 5:30 बजे चर्च के गेट बंद कर दिए जाएंगे। फादर अनूप ने बताया कि बिहार शरीफ में वर्षों से क्रिसमस का यह पावन पर्व मनाया जा रहा है।

धर्म की सीमाओं से परे है यह उत्सवः विशेष बात यह है कि इस पवित्र अवसर पर केवल ईसाई धर्म के अनुयायी ही नहीं, बल्कि हिंदू और मुस्लिम समुदाय के भाई-बहन भी बड़ी संख्या में चर्च पहुंचते हैं। सभी धर्मों के लोग यहां मोमबत्ती जलाकर अपने और अपने परिवार के लिए प्रार्थना करते हैं। यह सांप्रदायिक सद्भाव और धार्मिक सहिष्णुता की एक उत्कृष्ट मिसाल है।

शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए शेरघाटी अंचल में प्रशासन अलर्ट, ग्रामीण व शहरी इलाकों में जलाए जा रहे अलाव

निज संवाददाता। शेरघाटी, गया जी

गया जिले के शेरघाटी अंचल में लगातार बढ़ रही ठंड और शीतलहर के असर को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। अंचलाधिकारी उषा कुमारी के नेतृत्व में अंचल क्षेत्र के पलकिया, मंझनपुर, सत्संगनगर, गोलाबाजार सहित ग्रामीण और शहरी इलाकों में अलाव की व्यवस्था कराई गई है, ताकि जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिल सके। लगातार गिरते तापमान और घने कोहरे के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। खासकर सुबह और रात के समय ठंड का असर अधिक होने से मजदूर, बुजुर्ग, राहगीर और असहाय लोग सबसे अधिक परेशान हैं। ऐसे में प्रशासन की ओर से सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों, बस स्टैंड, बाजार क्षेत्रों

और ग्रामीण टोला-मोहल्लों में अलाव जलवाए जा रहे हैं। प्रशासन ने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया है कि अलाव नियमित रूप से जलते रहें और लकड़ी की उपलब्धता में किसी तरह की कमी न हो। ठंड के इस दौर में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने का निर्देश दिया गया है, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर राहत मिल सके। अंचलाधिकारी उषा कुमारी ने बताया कि शीतलहर को देखते हुए अलाव की व्यवस्था लगातार जारी रखी जाएगी।

आवश्यकता पड़ने पर अन्य स्थानों पर भी अलाव की संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि ठंड से बचाव के लिए सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत प्रशासन को सूचना दें। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की है। उनका कहना है कि अलाव की व्यवस्था से सुबह और शाम के समय काफी राहत मिल रही है। ठंड के इस कठिन मौसम में प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयास आम लोगों के लिए सहारा साबित हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस मौके पर पहुंची और चोरी के सामान के साथ आरोपी को अपने कब्जे में ले लिया

दिनारा/रोहतास। दिनारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिछियांव निवासी श्रीमन पांडेय को बराढ़ी गांव के मंदिर से घंटी और लोटा चोरी करते हुए ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया । घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल दूरभाष के माध्यम से इसकी सूचना दिनारा थाना की पुलिस को दी । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चोरी के सामान के साथ आरोपी को अपने कब्जे में ले लिया । मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया गया । इस घटना की जानकारी प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष समीर कुमार सिंह ने दी ।

दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दावथ/रोहतास। दावथ थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून की सख्ती दिखाते हुए पुलिस ने कांड संख्या 369/25 के तहत कार्रवाई की । बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2022 की धारा 30 (ए) के अंतर्गत थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर निवासी गुड्डू उर्फ अमित कुमार और छोटू उर्फ विवेक कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । दावथ थानाध्यक्ष मनीष कुमार पंजियारा ने बताया कि यह कार्रवाई शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ उठाए गए कदम के तहत की गई है । उन्होंने कहा कि पुलिस क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध शराब पर अंकुश लगाने के लिए सतत निगरानी रख रही है । पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार के मद्य व्यापार या गैरकानूनी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है

दिनारा /रोहतास। भानस थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बसडीहा निवासी अशोक सिंह की पत्नी किरण देवी द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने उसी गांव के दो लोगों के खिलाफ मारपीट करने के आरोप में नामजद प्राथमिकी दर्ज की है । वादिनी के अनुसार आरोपियों ने उसके बेटे के साथ मारपीट की,जिसको लेकर उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई है । मामले की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष विजय बैठा ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा मामले की जांच की जा रही है । पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चार के विरुद्ध मामला दर्ज

संझौली/रोहतास। बिजली विभाग ने बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर विशेष दल का गठन कर छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान प्रखंड संझौली क्षेत्र के उसरा व चौरासी गांव में चार घेरलू परिसर मे बिजली चोरी पकड़ा गया। प्रशाखा संझौली के कनीय विद्युत अभियंता प्रमुदित रक्त पटेल ने बताया कि उपभोक्ताओं के परिसर मे लगे ऊर्जा मीटर से पहले तार मे कटिंग करके व मीटर को बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर उसरा निवासी सुनील पासवान पर 9022, श्याम सुन्दर राम पर 30678, दिनेश सिंह पर 16887 व चौरासी के अलगू सिंह पर 34166 रुपये जुर्माना लगायी गयी है। आगे बताया की बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर विभाग द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है परन्तु बहुत ऐसे उपभोक्ता हैं जो चोरी छिपे बिजली चोरी कर रहे है। बिजली चोरी करने के कारण सरकार को राजस्व का घाटा हो रहा है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की बिजली चोरी के खिलाफ अभियान जारी है। जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है साथ हीं बकायेदार उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हुए बताया गया की बिजली बिल समय रहते जमा करा दें अन्यथा विभाग के कर्मी घर-घर जाकर बकायेदारों का लाइन काट रहे हैं। लाइन कटने के बाद बिना बकाया राशि और रिकनेक्शन चार्ज जमा किये लाइन जलाते हुए पाए जाने पर आर्थिक जुर्माने के साथ सम्बंधित थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है।

छह माह से बंद हाईमास्ट लाइट बनी शोभा की वस्तु, करगहर बाजार अंधेरे में

करगहर (रोहतास)। करगहर विधानसभा अंतर्गत करगहर बाजार में स्थापित हाईमास्ट लाइट पिछले छह महीनों से पूरी तरह खराब पड़ी हुई है। सभी बल्ब फ्यूज हो जाने के बावजूद अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई जा सकी है, जिससे संबंधित विभागों की घोर प्रशासनिक उदासीनता साफ झलकती है। परिणामस्वरूप व्यस्त बाजार क्षेत्र रात के समय अंधेरे में डूबा रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह हाईमास्ट लाइट करगहर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी महेन्द्र प्रसाद गुप्ता के प्रयास से सांसद निधि से स्वीकृत कर स्थापित की गई थी। इसके चालू रहने के दौरान बाजार क्षेत्र पूरी तरह रोशन रहता था, जिससे व्यवसायियों और आम नागरिकों को काफी सुविधा मिलती थी। लेकिन ठंड और कुहासे के मौसम में इसके खराब पड़े रहने से हालात और भी गंभीर हो गए हैं। व्यवसायियों का कहना है कि जाड़े के दिनों में कोहरे का फायदा उठाकर चोरी की घटनाएं बढ़ जाती हैं। हाईमास्ट लाइट के आसपास कई प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायियों की दुकानें स्थित हैं, जहां देर रात तक आवाजाही बनी रहती है। अंधेरे के कारण व्यवसायियों में भय का माहौल है और ग्राहक भी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इसके बावजूद हाईमास्ट लाइट आज सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। इस मुद्दे को लेकर महागठबंधन समर्थित पूर्व प्रत्याशी महेन्द्र प्रसाद गुप्ता, फेकू सेठ, कपिल सोनी, जगनारायण गुप्ता, फकरे आलम सहित कई स्थानीय लोग व व्यापारी बिजली विभाग एवं जिला प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि हाईमास्ट लाइट की तत्काल मरम्मत कराकर इसे चालू किया जाए, ताकि बाजार क्षेत्र में रोशनी बहाल हो सके और चोरी जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे इस समस्या को लेकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

माडल स्कूल नाट्य ग्राम का एसडीएम ने किया निरीक्षण

अभिनव कला संगम को हर संभव सहयोग का दिया आश्वासन

डेहरी। रोहतास। डालमियानगर स्थित मॉडल स्कूल में 26 से 30 दिसंबर तक होने वाले आल इंडिया नाट्य प्रतियोगिता कि तैयारी अंतिम चरण में है। तैयारीयों का जायजा लेने बुधवार की देर शाम अनुमंडल पदाधिकारी नीलेश कुमार मांडल स्कूल परिसर पहुंचे, तथा तैयारीयों का जायजा लिया। अध्यक्ष कमलेश कुमार ने एसडीएम से कहा कि 30 वर्षों तक लगातार मांडल स्कूल परिसर नाट्य ग्राम में तब्दील रहा है। तथा देश भर के कलाकार कला का प्रदर्शन करते हैं। एसडीएम ने कहा कि पुलिस प्रशासनिक सुरक्षा के साथ नगर परिषद, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग समेत अन्य पदाधिकारी कार्यक्रम में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन का भरपूर सहयोग मिलेगा। निरीक्षण में संरक्षक सिमल सिंह, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव प्रो रणधीर सिन्हा , संस्थापक रामकृष्ण शर्मा उर्फ बड़कू भैया, आशुतोष श्रीवास्तव, जीवन प्रकाश, सुमंत मिश्रा, अभिषेक शर्मा, उर्मिला देवी, उपाध्यक्ष ओमजी यादव, बैजू गुप्ता, मनोज गुप्ता, आलोक कुमार, संजीव गुप्ता , विनोद गुप्ता, विशाल सिंह, विनायक कुशवाहा, संजय उर्फ नीलू, संतोष राय समृद्धि आदि शामिल थे।

सांसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति, रोहतास'' की समीक्षा बैठक आयोजित

निज संवाददाता। सासाराम (रोहतास)

सड़क दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से "सांसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति, रोहतास" की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कराकाट के सांसद राजा राम सिंह एवं सासाराम के संसद मनोज कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिले के विधानसभा क्षेत्रों के माननीय विधायक भी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी उदिता सिंह, अपर समाहर्ता , नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त विजय कुमार पाण्डेय, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित जिले के तीनों अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में घटित सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की पहचान कर उनके निराकरण हेतु ठोस रणनीति पर चर्चा की गई। विभिन्न प्रकार के वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं की स्थिति, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों/स्थलों (ब्लैक स्पॉट) की समीक्षा, वाहन दुर्घटना मुआवजा से संबंधित प्रावधानों तथा हिट एंड रन मामलों की थाना-वार समीक्षा भी की गई।

संबंधित विभागों द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श करते हुए सड़क सुरक्षा के लिए प्रवर्तन को सख्त करने, जागरूकता अभियानों को प्रभावी बनाने, सड़क इंजीनियरिंग सुधारों को प्राथमिकता देने तथा अंतरविभागीय समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया गया। गुड समेरिटन के प्रावधानों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

माननीय सांसद राजा राम सिंह एवं उपस्थित विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित सड़क सुरक्षा के मुद्दों, दुर्घटना संभावित स्थलों तथा आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी रोहतास ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थलों पर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, यातायात नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्ययोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि "सांसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति, रोहतास" के माध्यम से सड़क सुरक्षा से जुड़े विषयों की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और आमजन की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

दुर्गाडीह से चोरी गई गाय पहुंची श्रीकृष्ण गौशाला सासाराम, पशुपालक ने किया पहचान

निज संवाददाता। बिक्रमगंज/रोहतास

थाना क्षेत्र के पटेल कॉलेज के पास से बरामद चोरी की एक गाय की पहचान बुधवार को पशुपालक ने कर ली है। वह गाय बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के दुर्गाडीह गांव से शनिवार की रात चोरी कर ली गई थी। पशुपालक दुर्गाडीह निवासी धनराज उर्फ जोखन पासवान ने बताया कि चोरी की 29 गाय लदे एक ट्रक को बरामद होने और सभी गायों को सासाराम के श्रीकृष्ण गौशाला में रखे जाने की सूचना मिलने पर अपने पत्नी के साथ गौशाला में पहुंचा तो उसमें मेरी एक गाय मिली। मेरी पत्नी जो उस गाय की सेवा करती थी। उसे देखते हीं गाय बोलने लगी। उन्होंने बताया कि अन्य दो गायों की अभी तक सुराग नहीं मिल सका है। थानाध्यक्ष बिक्रमगंज ललन कुमार ने बताया कि यह मामला न्यायालय में चला गया है, इसलिए न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद गाय पशुपालक को सुपूर्द कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि बिक्रमगंज पुलिस सोमवार की रात बिक्रमगंज सासाराम पथ पर थाना क्षेत्र के पटेल कॉलेज के पास एक अवैध मवेशी लदा ट्रक जब्त किया था। जिस पर 29 गायें लदी थी। सभी गायों को श्रीकृष्ण गौशाला सासाराम में रखा गया है। जहां पहुंच कर पशुपालक अपनी गाय की पहचान कर रहे है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के प्रमुख चौक चाराहों पर अलाव की व्यस्था

निज संवाददाता। सासाराम (रोहतास)

रोहतास जिले में बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिलाधिकारी उदिता सिंह के निर्देश पर आमजन को राहत देने के उद्देश्य से जिले के प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव की व्यवस्था की गई है।

इस बीच सासाराम नगर निगम क्षेत्र के कुल 26 स्थानों पर अलाव जलाया गया है। ताकि राहगीरों, बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाव मिल सके। सासाराम शहर में अलाव जलाने के लिए जिन प्रमुख स्थानों को चिन्हित किया गया है, उनमें पोस्ट ऑफिस मोड़, करगहर मोड़, पुराना बस पड़ाव, बौलिया मोड़ , माईको पर, बैंक कॉलोनी मोड़, नया बस पड़ाव, फजलगंज, बेदा नहर पर, रेलवे स्टेशन (दोनों तरफ), धर्मशाला मोड़, बैंक कॉलोनी मोड़, शेरगंज, बस्ती मोड़, नवरतन बाजार, जानी बाजार, गोला थाना के पास, चौक बाजार, तकिया बाजार, तकिया बाजार समिति गेट के पास, सागर मोड़, चौखंडी, गांधी नीम, नूरनगंज, दुर्गा मंदिर अड्डा रोड, न्यू एरिया मोड़, रौजा रोड सहित अन्य स्थान शामिल हैं।

जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया है कि अलाव की व्यवस्था नियमित रूप से जारी रहे और किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरती जाए। साथ ही, आम लोगों से अपील की गई है कि वे अत्यधिक ठंड में सावधानी बरतें।

राज राजेश्वरी हाई स्कूल में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित जागरूकता परीक्षा

निज संवाददाता। बिक्रमगंज

सूर्यपुरा प्रखंड स्थित राज राजेश्वरी हाई स्कूल में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित जागरूकता परीक्षा में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के कुल 167 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । यह परीक्षा 50 अंकों की थी,जिसमें कुल 10 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए । परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल देखने को मिला ।कक्षा नौवीं में इकड़ा खातून (35 अंक) ने प्रथम, सोनम कुमारी (34 अंक) ने द्वितीय तथा सुखी कुमारी (32 अंक) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । कक्षा दसवीं में पियूष कुमार (31 अंक) प्रथम, मुस्कान खातून (24 अंक) द्वितीय और उजाला कुमारी (18 अंक) तृतीय स्थान पर रहीं ।

कक्षा बारहवीं में मंशा कुमारी (45 अंक) प्रथम, अजीत कुमार एवं मोहम्मद अनीश अंसारी (43 अंक) संयुक्त रूप से द्वितीय तथा छाया कुमारी (42 अंक) तृतीय स्थान पर रहीं । सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए बिक्रमगंज एएसपी सह एसडीपीओ संकेत कुमार ने कहा कि शिक्षा ही समाज को सही दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम है । पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होना जरूरी है । सड़क सुरक्षा जैसे विषयों की जानकारी न केवल बच्चों को सुरक्षित बनाती है, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक भी बनाती है । यदि छात्र आज नियमों को समझेंगे,तो कल वही नियम समाज को सुरक्षित बनाएंगे ।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही दुर्घटनाओं,अपराध और सामाजिक कुरीतियों पर नियंत्रण संभव है । साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नियमित विद्यालय आने,लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता व शिक्षकों का सम्मान करने की अपील की । कार्यक्रम में थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत,अन्य पुलिस पदाधिकारी,विद्यालय के प्राचार्य,शिक्षक-शिक्षिकाएं,स्थानीय पत्रकार,अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे । इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना रहा ।

योग भगाए रोग ग्रुप द्वारा गरीब व जरूरतमंदों के बीच कंबल व जलपान वितरण

निज संवाददाता। डेहरी ऑन सोन, (रोहतास)

ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए योग भगाए रोग ग्रुप द्वारा समाजसेवा की एक सराहनीय पहल की गई। दिनांक 23.12.25 की रात्रि में ग्रुप के सदस्यों ने डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन पर गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल, बिस्कुट एवं पानी का वितरण किया। इस सेवा कार्य से ठंड में ठिठुर रहे लोगों को बड़ी राहत मिली। इस अवसर पर ग्रुप के निदेशक विकास कुमार ने बताया कि योग भगाए रोग ग्रुप केवल एक स्थान तक सीमित न रहकर डेहरी–डालमियानगर के बस स्टैंड, रैन बसेरा तथा शहर के विभिन्न गली–मोहल्लों में जाकर असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को चिन्हित कर कंबल एवं जलपान का वितरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में सड़क, स्टेशन और रैन बसेरों में रहने वाले लोगों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में उनकी मदद करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। वही ग्रुप के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि यह सेवा कार्य कोई नया नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से योग भगाए रोग ग्रुप द्वारा निरंतर ठंड के मौसम में कंबल एवं जलपान वितरण का कार्य किया जा रहा है। ग्रुप का उद्देश्य केवल सहायता पहुंचाना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करना है। बता दें कि इस कार्यक्रम में ग्रुप के अध्यक्ष बबलू मधेसिया के साथ-साथ पिंटू कुमार, आशुतोष कुमार, दीपक सिंह, प्रिंस गुप्ता, रविन्द्र सेठ, मनोज कश्यप, राजू सोनी, लाल मोहन सिंह, पप्पू गुप्ता, राजेश केशरी, शिवानंद प्रसाद, दीपक कुमार सहित अन्य सदस्यगण मौके पर उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। वही स्थानीय लोगों ने योग भगाए रोग ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और जरूरतमंदों के जीवन में आशा की किरण जगाते हैं।

पूर्व विधायक के साथ मारपीट के मामले में फरार चल रहे नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

फरार चल रहे नामजद अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

निज संवाददाता। अकोढी गोला (रोहतास)

थाना क्षेत्र अंतर्गत बांक गांव में कांड संख्या 17/20 पुराने जमीनी विवाद में मारपीट के मामले में दो नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। विदित हो कि 28 जनवरी 2020 को पूर्व विधायक फतेह बहादुर सिंह के साथ बांक गांव में जमीन को लेकर के मारपीट की गई थी इसी मामले में फतेह बहादुर सिंह के द्वारा स्थानीय थाने कामता यादव,अयोध्या महतो,बिहारी राम सहित कुल 42 लोगों को नामजद किया गया था वही दर्जनों अज्ञात लोगों पर भी केस किया गया था। इस मामले में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था वहीं कई लोग फरार चल रहे थे। अकोढी गोला थाना अध्यक्ष राकेश गोसाई ने बताया कि इस मामले में भुअर उर्फ अजय कुमार और भोला यादव दोनों ग्राम जतन बिगहा के रहने वाले को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। एक अन्य पूर्व मामले 381/25 में शराब के मामले में फरार चल रहे गोधन पासवान को ग्राम कैथी के रहने वाले को दो लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

15 जनवरी तक मतदाता सूची को त्रुटिरहित करें बीएलओ

निज संवाददाता। राजपुर

बीडीओ ने बैठक करके दिया निर्देश

♦ बीडीओ ने बताया कि विगत विधान सभा चुनाव के पूर्व मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य हुआ है. बावजूद भी सूची में कई प्रकार की त्रुटियां विद्यमान है. जिसका समीक्षा किया गया है

प्रखण्ड कार्यालय स्थित सभागार में बुधवार को बीडीओ रवि राज ने क्षेत्र अंतर्गत नियुक्त सभी बुथों के बीएलओ के साथ बैठक की.बैठक के दौरान मतदाता सूची में उपलब्ध त्रुटियों की समीक्षा की गई.

बीडीओ ने बताया कि विगत विधान सभा चुनाव के पूर्व मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य हुआ है.बावजूद भी सूची में कई प्रकार की त्रुटियां विद्यमान है.जिसका समीक्षा किया गया है.कई लोगों का फोटो पुराना ब्लैक एण्ड ह्वाइट लगा हुआ है.किसी के नाम की स्पेलिंग में त्रुटी है तो कई लोगों की उम्र व अता पता त्रुटिसहित है.जिसके लिए फार्म संख्या छः,सात एवं आठ को भरकर सुधार की आवश्यकता है.

उन्होंने बताया कि सभी बुथ बीएलओ को 15 जनवरी तक मतदाता सूची को त्रुटिरहित करके कार्यालय को उपलब्ध कराने को निर्देशित किया गया है. मौके पर सोनु कुमार सिन्हा,अशोक कुमार सेठ समेत सभी बीएलओ मौजूद रहे.

कुझी गांव में जरूरतमंदों के बीच कम्बल का हुआ वितरण

♦ बुजुर्ग महिला एवं गरीब परिवार को प्राथमिकता देते हुए कंबल वितरण किया गया

निज संवाददाता। राजपुर

प्रखंड के कुझी गांव में बुधवार को बढ़ते हुए ठंड को देखते हुए युवा समाजसेवी अरुण कुमार बैठ के द्वारा जरूरतमंदों लोगों के बीच दो सौ कंबल वितरण किया गया.कड़ाके की ठंड से राहत पहुंचाने के उदेश्य से आयोजित कंबल वितरण के इस कार्यक्रम में आसपास के विभिन्न गांव से काफी संख्या में लोग पहुंचे हुए थे.

कार्यक्रम के दौरान बुजुर्ग महिला एवं गरीब परिवार को प्राथमिकता देते हुए कंबल वितरण किया गया.जिससे ठंड के इस मौसम में लोगों के चेहरे पर खुशी देखी गई.अरुण कुमार बैठा के इस मानवीय पहल को लोगों ने खुले दिल से सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य सभी सामर्थ्यवान लोगों को करना चाहिए.अरूण विगत पांच साल से इस तरह से कंबल वितरण करते हैं.इस वर्ष कई अन्य गांव के जरूरतमंद लोग मौजूद थे.

मौके पर पड़रिया पंचायत समिति शेर बहादुर सिंह,पड़रिया पंचायत के मुखिया प्रत्याशी विवेक उर्फ विक्की कुमार,वार्ड सदस्य रवि पासवान समेत कई अन्य साथी मौजूद रहे.

बांग्लादेश में दीपू की हत्या के खिलाफ भागलपुर में प्रदर्शन

निज संवाददाता। भागलपुर

बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की नृशंस हत्या के बाद भारत में आक्रोश फैल गया है। इस दिल दहला देने वाली घटना के विरोध में भागलपुर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में बुधवार को प्रदर्शन हुए। हिंदू संगठनों और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोपियों को फांसी देने की मांग की। भागलपुर के तिलकामांझी चौक से निकलकर आक्रोश मार्च शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर-पोस्टर थे, जिन पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग लिखी थी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दीपू चंद्र दास की हत्या सामान्य आपराधिक घटना नहीं, बल्कि मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य है। दोषियों को कठोरतम सजा देकर ही पीड़ित परिवार को न्याय मिल सकता है।

केंद्र सरकार से प्रदर्शनकारियों ने कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की: प्रदर्शन के दौरान संगठनों ने केंद्र सरकार से कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की। विश्व हिंदू परिषद के नगर मंत्री अखिलेश कुमार शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाया जाए और वहां की सरकार पर ठोस कदम उठाने का दबाव बनाया जाए। साथ ही भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि मंदिरों पर हमले, हिंदू युवकों की हत्या और महिलाओं पर अत्याचार जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार पर इन घटनाओं को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान, विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भारत सरकार से बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। बजरंग दल के महानगर संयोजक सुमित कुमार ने बताया कि बांग्लादेश में कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं पर लगातार अत्याचार किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्दोष हिंदुओं की हत्या, जबरन धर्म परिवर्तन और संपत्तियों पर कब्जा जैसी घटनाएं बढ़ी हैं।

फसल चरने पर दो पक्षों में हिंसक झड़प

निज संवाददाता। भागलपुर

नवगछिया पुलिस जिले के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के भिट्ठा गांव में फसल चराने को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में तीन से चार लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब एक पक्ष की भैंस दूसरे पक्ष के खेत में घुस गई और फसल को नुकसान पहुंचाया। खेत मालिक द्वारा इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो जल्द ही लाठी-डंडों से हुई हिंसक झड़प में बदल गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया: घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही इस्माइलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। इस्माइलपुर थानाध्यक्ष धीरज कुमार ने बताया कि फसल चराने को लेकर हुए विवाद के बाद झड़प हुई थी। उन्होंने पुष्टि की कि घायलों का इलाज चल रहा है और स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दोषियों की पहचान की जा रही है। थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

एक पक्ष ने दूसरे की खेत में रखी फसलों में आग भी लगाई: मारपीट के बाद एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के खेत में पहुंचकर रखी फसलों को आग भी लगा दिया।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने पर्यवेक्षण गृह का किया निरीक्षण

बांका। बांका जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला की अध्यक्षता में जिला निरीक्षण समिति ने जिले में संचालित पर्यवेक्षण गृह एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और संस्थानों के समुचित संचालन की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला ने संबंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बढ़ती ठंड को देखते हुए उन्होंने संस्थानों में रह रहे बच्चों की विशेष देखभाल सुनिश्चित करने, पर्याप्त गर्म वस्त्र उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई ने जानकारी दी कि वर्तमान में विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, बांका में दो बच्चे आवासित हैं, जिनका इलाज एनआरसी, बांका में चल रहा है। जिला पदाधिकारी ने बच्चों को दी जा रही चिकित्सीय एवं अन्य सेवाओं की जानकारी ली तथा उनसे संबंधित संचिकाओं एवं पंजीयों का गहन निरीक्षण किया। जिला निरीक्षण समिति द्वारा दिसंबर माह में प्रारंभ हुए पर्यवेक्षण गृह का भी निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी ने सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सभी कार्य शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने परिसर को साफ-सुथरा रखने, स्वच्छता बनाए रखने तथा रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह से मुख्य सड़क तक बन रहे अप्रोच रोड का भी जायजा लिया और संबंधित कार्यदायी एजेंसी को 31 दिसंबर तक निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को पर्यवेक्षण गृह परिसर से सटे आवासीय क्षेत्र में नाली की समुचित निकासी के लिए आवश्यक कार्य कराने का निर्देश भी दिया। जिला पदाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह में आवासित बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और उनकी दैनिक दिनचर्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अंत में, जिला पदाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह के संचालन पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान जिला निरीक्षण समिति में सिविल सर्जन, बांका, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई, डीपीओ (स्थापना), किशोर न्याय परिषद के सदस्य, बाल कल्याण समिति के सभी सदस्य सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालय ने शराब तस्कर को सुनाई सजा

मुंगेर। मुंगेर व्यवहार न्यायालय की विशेष न्यायाधीश उत्पाद प्रथम रूम्पा कुमारी की अदालत ने जमालपुर के संतोष कुमार को शराब तस्करी के एक मामले में पांच वर्ष कैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला मंगलवार को सुनाया गया। जुर्माना अदा न करने पर दोषी को दो माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह मामला 3 अगस्त 2021 का है, जब जमालपुर थाना के दरोगा राजेश कुमार ने गश्ती के दौरान संतोष कुमार को जमालपुर सदर बाजार, गली नंबर दो, मोहनपुर स्थित उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया था। उसके पास से 180 एमएल के पांच पैकेट विदेशी शराब (कुल 900 एमएल) बरामद हुए थे।

शराब तस्करी के आरोप में जेल भेज दिया था: गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने संतोष कुमार को शराब तस्करी के आरोप में जेल भेज दिया था। इस मामले में न्यायालय में सुनवाई चली और सोमवार को उसे दोषी करार दिया गया, जिसके बाद मंगलवार को सजा सुनाई गई। बचाव पक्ष की ओर से वकील माध्य कुमार विश्वकर्मा ने पैरवी की।

शराबबंदी कानून को सख्त बनाया गया: लोक अभियोजक संजय कुमार सिंह ने बताया कि शराबबंदी कानून को सख्त बनाया गया है ताकि कोई भी व्यक्ति इस व्यवसाय में शामिल न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि 200 एमएल शराब बरामद होने पर भी वही सजा मिलती है जो 50 लीटर शराब बरामद होने पर मिलती है।

शराब व्यापार के मामलों में करीब 38 व्यक्तियों को सजा हो चुकी: सिंह ने बताया कि मुंगेर व्यवहार न्यायालय की विशेष न्यायाधीश उत्पाद प्रथम की अदालत से शराब व्यापार के मामलों में करीब 38 व्यक्तियों को सजा हो चुकी है। हालांकि, यह पहला मामला है जिसमें मात्र 900 एमएल शराब बरामद होने पर इतनी कड़ी सजा सुनाई गई है।

ई-रिक्शा चालक को मारी गोली

मुंगेर। मुंगेर के पूरबसराय थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक ई-रिक्शा चालक को गोली मार दी गई। पूरबसराय रेलवे ब्रिज के पास हुई इस घटना में मो.साजन नामक ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली उसके पैर में लगी है और अंदर फंसी हुई है। आरोप है कि एक किराना दुकानदार ने उसे गोली मारी। घटना के तुरंत बाद, परिजनों ने घायल साजन को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल साजन ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात करीब 9 बजे जब वह घर लौट रहा था, तब किराना दुकानदार महबूब आलम ने नशे की हालत में उसके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी थी। इसी घटना से आहत होकर मो. साजन बुधवार सुबह महबूब आलम के घर शिकायत करने पहुंचा। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर महबूब आलम ने अपनी दुकान पर बैठे-बैठे उस पर गोली चला दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंची कर जांच शुरू की: घटना की सूचना मिलते ही पूरबसराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पूरबसराय थानाध्यक्ष सौरव कुमार ने बताया कि गोली लगने से एक युवक घायल हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और घटना के पीछे के कारणों की भी पड़ताल की जा रही है।

महिला की रोड एक्सीडेंट में मौत

बांका। भागलपुर के गोराडीह थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में बांका के रजौन थाना क्षेत्र के लश्करी गांव निवासी शैलेंद्र साहू की पत्नी बेबी देवी की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब बेबी देवी किसी काम से गांव के ही एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल पर सवार होकर गोराडीह थाना क्षेत्र जा रही थीं।घटना मंगलवार संध्या की है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। बताया जा रहा है तेज रफ्तार और ओवरलोडेड ट्रैक्टर पर सीमेंट लोड के कारण यह घटना हुई है। जानकारी के अनुसार, गोराडीह थाना क्षेत्र के वीरनोद चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास बेबी देवी मोटरसाइकिल से उतरकर सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान, सीमेंट से ओवरलोड एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में बेबी देवी की मौके पर ही मौत हो गई। महिला अपने किसी निजी काम को लेकर गई हुई थी।

सीमेंट लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया: घटना के बाद आसपास के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना मिलने पर गोराडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सीमेंट लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

जब्त किए गए ट्रैक्टर के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी: मृत्यु की खबर मिलते ही परिजन गोराडीह थाना पहुंचे।परिजन पहुंचते ही सभी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। रोने की चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। घटना के बाद लश्करी गांव में मातम पसर गया है। स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार और ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय पुलिस द्वारा जब्त किए गए ट्रैक्टर के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी की अर्थी उठने से पहले पति का निधन

मुंगेर। मुंगेर के लल्लू पोखर मोहल्ले में एक दंपत्ति की एक साथ शवयात्रा निकाली गई। अहिल्या देवी (82) का सोमवार दोपहर निधन हो गया था, जिसके बाद मंगलवार को उनके पति विश्वनाथ सिंह (87) ने भी अंतिम संस्कार से ठीक पहले दम तोड़ दिया। अहिल्या देवी लंबे समय से बीमार चल रही थी। उनका खाना-पीना भी बेड पर होता था। परिवार मंगलवार सुबह अहिल्या देवी के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था और शवयात्रा निकलने ही वाली थी कि इसी दौरान उनके पति विश्वनाथ सिंह का भी निधन हो गया। मां के निधन के तुरंत बाद पिता की मौत से परिवार सदमे में है। दोनों का अंतिम संस्कार मंगलवार शाम 5 बजे एक ही चिता पर किया गया।

गंगा में डूबे युवक की लाश बरामद

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के बरारी गंगा घाट पर दाह संस्कार में शामिल होने आए एक युवक की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। परिजनों ने इसे हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान झारखंड के साहेबगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र निवासी रवि पासवान के 23 वर्षीय पुत्र राकेश उर्फ अभिषेक पासवान के रूप में हुई है। राकेश पिछले कई वर्षों से भागलपुर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के परबत्ती मोहल्ले में अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई और कामकाज कर रहा था। यह घटना बरारी थाना क्षेत्र के बरारी गंगा घाट पर हुई। बुधवार को पुलिस ने गंगा नदी से युवक का शव बरामद किया और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के पिता बोले- दाह संस्कार में जाने के लिए बेटे को बुलाया था: मृतक के पिता रवि पासवान ने पुलिस को बताया कि परबत्ती मोहल्ले में किसी व्यक्ति के निधन के बाद दाह संस्कार में शामिल होने के बहाने मोहल्ले के ही कुछ लोगों ने उनके बेटे को घर से बुलाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बीरु पासवान, नंदू पासवान, मुकेश पासवान और पंकज पासवान ने राकेश को जबरन नशा कराया, उसके साथ मारपीट की और फिर उसे गंगा नदी में डुबोकर मार डाला।

परिजन बोले- राकेश को तैरना आता था, डूबने की बात संदिग्ध: परिजनों का कहना है कि राकेश तैरना जानता था, इसलिए उसके डूबने की बात संदिग्ध लगती है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है। घटना की सूचना मिलते ही बरारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

थाना अध्यक्ष बोले- शिकायत के आधार पर जांच पड़ताल जारी: वहीं इस मामले को लेकर बरारी थाना इंचार्ज ने बताया कि परिजनों की ओर से लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायत के आधार पर सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मामला दुर्घटना का है या हत्या का। फिलहाल पुलिस सभी आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटी हुई है।

राहुल और प्रियंका के बीच दो टुकड़ों में बंटी कांग्रेस

♦ गिरिराज बोले- बंगाल में हिंदुओं पर हमलों को लेकर ममता बनर्जी पर भी तंज कसा

निज संवाददाता। बेगूसराय

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को बेगूसराय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस की स्थिति देखकर लगता है कि वह दो टुकड़ों में बांटा हुआ है। उस कांग्रेस का नेतृत्व राहुल गांधी करें या प्रियंका गांधी करें, यह उनके घर का मामला है। राहुल गांधी इस मामले में चुपचाप बैठे हुए हैं। रॉबर्ट वाड्रा कह रहे हैं कि प्रियंका गांधी नेतृत्व करे। यह पारिवारिक अस्तित्व की लड़ाई है और राहुल गांधी की जुबां चुप है। गिरिराज सिंह ने कहा कि इसी से लग रहा है कि कांग्रेस में दो खेमे में लोग बंटे हुए हैं। जिसके कारण राहुल गांधी चुप्पी साधे हुए हैं। जर्मनी में जाकर विदेश जाकर भारत को गाली दे रहे हैं, भारत के सभी संवैधानिक संस्थाओं को गालियां दे रहे हैं। देश को गाली दे रहे हैं, लेकिन घर के सवाल पर चुप्पी साधे हुए हैं कि वह लीडर रहे कि प्रियंका होगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर ममता बनर्जी पर तंज कसा: बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला को लेकर गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी पर जोरदार तंज कसा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कल साधु-संत और विश्व हिंदू परिषद के लोगों पर ममता बनर्जी की सरकार ने बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज किया है, वाटर कैनन से परेशान किया। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, हिंदुओं की हत्या हो रही है। उसको लेकर साधु-संत और विश्व हिंदू परिषद के लोग बंगाल में धरना प्रदर्शन किया। उन पर ममता बनर्जी ने बर्बरतापूर्ण पिटाई की है, वाटर कैनन चलाया गया। इससे लगता है कि भारत में नहीं, बंगाल में नहीं, बल्कि बांग्लादेश में हम विरोध कर रहे हैं। बांग्लादेश सरकार की तरह ममता बनर्जी ने भी इन लोगों के ऊपर लाठी चार्ज कराया है। ममता बनर्जी की मानसिकता बताता है कि मुस्लिम वोट लेने के लिए बांग्लादेशियों का समर्थन कर रही है।

जिम जा रहे जदयू नेता को मारी गोली

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में बदमाशों ने बुधवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले जदयू के छात्र नेता को गोली मार दी। गोली लगने के बाद 25 साल के सोनू कुमार 30 मिनट तक मौके पर तड़पते रहे। उन्होंने बताया कि वो लोगों से अस्पताल ले जाने की गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने उनकी कोई मदद नहीं की। इसके बाद उन्होंने खुद परिवार के लोगों को फोन किया और बताया कि गोली लगी है। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल लेकर आए। घटना लोहिया नगर थाना क्षेत्र में बाघी रेलवे गुमटी के पास की है। घायल छात्र नेता SBSS कॉलेज में जदयू के छात्रविंग में एक्टिव है। सोनू जिला मुख्यालय के लोहिया नगर मोहल्ले में किराए के मकान में रहते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, गोली सोनू के बाएं जांघ में लगी है। गोली जांघ को चीरते हुए बाहर निकल गई। फिलहाल, सोनू की हालत ठीक है। इलाज जारी है। घायल सोनू कुमार ने बताया कि, मॉर्निंग वॉक करते हुए जिम जा रहा था, इसी दौरान बदमाशों ने गोली चलाई, जिसमें एक गोली उसके जांघ में लग गई। गोली लगते ही मैं गिर गया। मैंने लोगों से मदद मांगी कहा कि मर जाऊंगा अस्पताल पहुंचा दीजिए। किसी ने एक ना सुनी। इसके बाद मैंने जिम वाले मामा को फोन कर के बुलाया। वो मुझे बेगूसराय सदर अस्पताल लेकर आए। मेरा किसी से कोई विवाद नहीं था। अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस मौके पर लगे CCTV कैमरों के खंगाल रही है।

मां बोली- बेटे का किसी से कोई विवाद नहीं: वहीं मां सुनीता देवी ने बताया कि मेरा बेटा सोनू कुछ दिन पहले ननिहाल गया था। वहां से मंगलवार शाम को बेगूसराय लौटा था। ननिहाल से आने के दौरान बेटे को ठंड लग गई थी, जिसके बाद वो अपने चचेरे भाई राजीव के पास रुक गया था। आज सुबह मॉर्निंग वॉक के बाद जिम जा रहा था। इसी दौरान किसी ने मेरे बेटे को गोली मार दी। गोली किसने मारी, क्यों मारी, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मेरे बेटा का गांव में या फिर कहीं और किसी से कोई विवाद भी नहीं है। आज सुबह गोली चलने के बाद मुझे इसकी जानकारी हुई। इसके बाद मैं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ साहेबपुर कमाल से तत्काल सदर अस्पताल पहुंची। मेरे बेटे की हालत ठीक है।

बदमाशों ने 5 बजे सुबह मारी गोली: सदर अस्पताल में घायल सोनू के पास मौजूद उसके चचेरे भाई राजीव ने बताया कि आरोपियों ने सुबह 5 बजे अंधेरे में वारदात को अंजाम दिया। भाई मॉर्निंग वॉक के बाद जिम जा रहा था। किसी तरह का कोई जमीनी विवाद या फिर लड़ाई झगड़े जैसी कोई बात नहीं है। राजीव ने बताया कि मेरा भाई छात्र संगठन से जुड़ा है। भाई ग्रेजुएट है और छात्र राजनीति के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षा की भी तैयारी करता है। राजीव ने बताया कि गोली लगने के करीब आधा घंटे बाद तक घटनास्थल पर पड़ा रहा, लेकिन कोई उसे अस्पताल नहीं ले गया। इसके बाद सोनू ने मुझे कॉल किया, तब मैं ई-रिक्शा लेकर घटनास्थल पर पहुंचा और भाई को अस्पताल लेकर आया। इसके बाद मैंने लोहियानगर थाना की पुलिस को वारदात की जानकारी दी।

नशा के खिलाफ एआईएसएफ का सेमिनार

निज संवाददाता। बेगूसराय

नशा मुक्त समाज बनाने के लिए बेगूसराय की नई पीढ़ियों को जागरूक होने की जरूरत है। नशा और स्मैक नई पीढ़ी के भविष्य को पूरी तरह से बर्बाद कर रही है। इसलिए इस पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन तो सक्रिय होकर लगातार कार्रवाई तो कर ही रही है। हर स्तर पर इसके खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यह बातें एआईएसएफ के दिवंगत जिलाध्यक्ष सजग सिंह की याद में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन द्वारा नशा के खिलाफ आयोजित जागरूकता अभियान को संबोधित करते हुए सदर-वन आनंद कुमार पांडेय ने कही। उन्होंने कहा कि बेगूसराय दिनकर की धरती है और दिनकर की धरती को नशा मुक्त बनाने के लिए हर संभव के प्रयास के साथ बेगूसराय पुलिस सक्रियता से खड़ी है।

डीएसपी ने छात्रों से शेयर किया अपना नंबर: सभी छात्रों को अपना नंबर देते हुए कहा कि इस तरह की कहीं भी कोई एक्टिविटी नजर आए या कोई जरूरत पड़े तो तुरंत मुझे फोन करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआईएसएफ के राष्ट्रीय सचिव अमीन हमजा ने कहा कि हमारे संगठन के दिवंगत जिलाध्यक्ष सजग सिंह संगठन के लिए एक स्तंभ के रूप में थे, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उनको हमारा संगठन कभी नहीं भूल सकता। वह किसी भी प्रकार के नशा के बिल्कुल विरोधी थे। उनके सपने को साकार करने के लिए बेगूसराय की नई पीढ़ियों को नशा से दूरी बनाने और रोक लगाने के लिए संकल्पित होना पड़ेगा। इस मामले में बेगूसराय के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्रवाई का हम लोग स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि सजग सिंह भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, अशफाक उल्ला खान के विचारों और आदर्शों पर चलने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं। संगठन उन्हें हमेशा याद रखेगा। सजग सिंह के पांचवें पुण्यतिथि के मौके पर जीडी कॉलेज के रसायन दीर्घा में आयोजित सेमिनार की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार कर रहे थे।

राकेश कुमार बोले- अपराध के बढ़ने का एक कारण नशा और स्मैक है: संगठन के राज्य संयुक्त सचिव राकेश कुमार ने कहा कि बेगूसराय में बढ़ रहे अपराधियों की गतिविधि का एक प्रमुख कारण नशा और स्मैक भी है। इससे रोकथाम के लिए जिला प्रशासन के हर एक कदम के साथ हमारा संगठन है। जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार ने कहा कि नशा एक जहर है। इस जहर से नई पीढ़ियों को बचाने के लिए हमारा संगठन संकल्पित है।

5 साल पहले सड़क हादसे में हुई थी सजग सिंह की मौत: पांच साल पहले तत्कालीन बेगूसराय AISF के जिला अध्यक्ष सजग सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। सजग सिंह साल 2008 में एआईएसएफ से जुड़े थे। 2015 में नगर अध्यक्ष बने थे। फिर 2017 के जनवरी में गया में आयोजित हुए राज्य सम्मेलन में उन्हें बेगूसराय के एआईएसएफ के जिलाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया था।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–06/ भ0प्र0औरंगाबाद/2025–26

शुद्धि पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक–2067 अनु0 दिनांक–03.12.2025 के द्वारा निर्गत अल्पकालीन आमंत्रण सूचना सं0–06/भ0प्र0औरंगाबाद/2025–26 जिसका पी0आर0नं0–019093 (BCD) 2025–26 है में निम्नांकित कार्यो में परिमाण विपत्र के मूल्य में निम्नांकित संशोधन किया जाता है:–

	कार्य का नाम	पूर्व में अंकित परिमाण विपत्र का मूल्य	संशोधित परिमाण विपत्र का मूल्य
1	Renovation of Library at High school Pathraru Haspura in Aurangabad	1250-00	750-00
2	Renovation of Library at Gandhi smark higher secondary school Goh in Aurangabad	1250-00	750-00
3	Renovation of Library at R.B.R High school Rafiganj in Aurangabad	1250-00	750-00
4	Renovation of Library at Satendra Narayan High School Nabinagar in Aurangabad	1250-00	750-00
5	Renovation of Library Rajajagnath Higher Secondary school Deo in Aurangabad	1250-00	750-00
6	Renovation of Library at upgraded high school salaiya in Aurangabad	1250-00	750-00

शेष सभी शर्तें पूर्ववत रहेगी।
PR. No. 020276 (BCD) 2025-26

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल, औरंगाबाद

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

रक्त की आवश्यकता पड़ने पर लाईसेंस प्राप्त ब्लड बैंकों से ही रक्त प्राप्त करें।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना संख्या:
RP/ECR/DNR/TRL/SEB/RETENDER-2

(1) कार्य का नाम एवं स्थान: Design, Supply, erection, testing & commissioning of 132KV D/C 3-phase transmission line from GSS Sonenagar (old) to Railway TSS Sonenagar and associated 02 nos. 132KV Line Bays at GSS Sonenagar (old) under Railway Project Danapur of East Central Railway. **(2) कार्य का अनुमानित लागत:** रूपये.– 184185890.18 **(3) निविदा फार्म की कीमत:** रूपये.– 0.00 **(4) आवश्यक बयाना राशि:** रूपये.– 1070900.00 **(5) निविदा प्रस्ताव जमा करने एवं निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** निविदा प्रस्ताव जमा करने की प्रारंभिक तारीख दिनांक–31.12.2025 निविदा खुलने की तारीख एवं समय–दिनांक 14.01.2026 को 15:00 बजे। **(6) बेवसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तें व विवरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है:** पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तें व विवरण निविदा प्रपत्र में है जिसे www.ireps.gov.in वेवसाइट पर देखा जा सकता है **(7) पता एवं अन्य जानकारी:** मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना/दानापुर कार्यालय जगजीवन स्टेडियम के निकट, खगौल पोस्ट–खगौल जिला–पटना, पिन–801105.

उप मुख्य विद्युत अभियंता
रेल परियोजना, दानापुर
पीआर/1510/प्रोजेक्ट/डीएनआर/ईएलईसीटी/टी/25–26/36

पूर्व रेलवे

निविदा सं. एलएस_डब्ल्यूसी _वीबी_व्हील_ड्रिलिंग25, दिनांक: 22.12.2025, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (एम), पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा, पिन–711204 के द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए **निविदा सं. एलएस_डब्ल्यूसी _वीबी_व्हील_ड्रिलिंग25** के प्रतिपक्ष ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** खुली निविदा के आधार पर कार्य अनुबंध के माध्यम से 250 वंदे भारत व्हील डिस्क की मशीनिंग, ड्रिलिंग एवं स्टैटिक बैलेंसिंग (एमसी के लिए आईसीएफ ड्राइंग नं. एएए02161 एवं टीसी के लिए एएए02173 के अनुसार रफ मशीन्ड)। **निविदा की किस्म:** खुली। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 14.01.2026 को 12.00 बजे। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 96,17,000/– **बयाना राशि:** रु. 1,92,300/–, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट प्रणाली। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 31.12.2025, **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 22.12.2025 को 16.00 बजे। **प्रस्ताव की वैधता :** 90 दिन। **समापन अवधि:** 18 माह। वेबसाइट जहां निविदा का संपूर्ण विवरण उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in** बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं जाती है एवं ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

MISC-337/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

मंदिर में चंदन के लकड़ी चोरी में पुलिस जांच तेज

बक्सर। बक्सर के नाथ बाबा मंदिर परिसर से सफेद मलयगिरी चंदन की कीमती लकड़ी चोरी के मामले में पुलिस की जांच तेज हो गई है। इस घटना से जुड़े नए पहलू हर दिन सामने आ रहे हैं। पुलिस ने घटनास्थल से एक जूता और एक चप्पल बरामद की है, जिन्हें महत्वपूर्ण साक्ष्य के तौर पर जब्त कर लिया गया है। इन साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने स्वान दस्ते की मदद ली। खोजी कुत्ते ने मंदिर परिसर से रानी घाट की ओर रास्ता दिखाया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, चोरों के इसी दिशा में भागने की आशंका है क्योंकि रानी घाट की ओर लकड़ी घसीटने के स्पष्ट निशान मिले हैं। इसके अलावा, खोजी कुत्ता गंगा घाट के पास पहुंचकर रुक गया, जिससे यह संभावना प्रबल हुई कि चोर गंगा नदी के रास्ते फरार हुए होंगे।

पुलिस टीम के साथ नाव से गंगा नदी के विभिन्न घाटों का गहन निरीक्षणः इस आशंका के बाद नगर थानाध्यक्ष ने पुलिस टीम के साथ नाव से गंगा नदी के विभिन्न घाटों का गहन निरीक्षण किया। नदी किनारे और घाटों पर काफी देर तक तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन चोरों का कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका। पुलिस का मानना है कि चोर नदी के रास्ते उत्तर प्रदेश की ओर निकल गए होंगे, जिसके मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है और संबंधित थानों को अलर्ट किया गया है।

मंदिर के ठीक बगल में अनुमंडल पदाधिकारी का आवासः इस मामले पर मंदिर के महंत शील नाथ महाराज का भी बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल उज्जैन स्थित नाथ मंदिर में हैं, जहां अगले वर्ष प्रस्तावित महाकुंभ के मद्देनजर नगर मंदिर के निर्माण कार्य का जायजा लेने गए हैं। महंत शील नाथ महाराज ने सवाल उठाते हुए कहा कि मंदिर के ठीक बगल में अनुमंडल पदाधिकारी का आवास है, ऐसे में वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

लगातार मंदिरों में हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में नाराजगीः उन्होंने आरोप लगाया कि चोरों ने जिस सीढ़ी का उपयोग किया, वह भी उसी परिसर से लाई गई है, लेकिन उस दिशा में गंभीर जांच नहीं हो रही है। लगातार मंदिरों में हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में नाराजगी है। गोपालगंज के थावे मंदिर में करोड़ों की चोरी के बाद बक्सर की इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि चोरों के लिए मंदिर अब सेफ जोन बनते जा रहे हैं। स्थानीय लोग मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, रात्रि गश्ती बढ़ाने और सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस का कहना है कि जांच हर पहलू से की जा रही है और जल्द ही इस चोरी का खुलासा किया जाएगा।

हाईकोर्ट के आदेश पर चला बुलडोजर

बक्सर। बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिकरौल गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब प्रशासन ने सार्वजनिक पोखरे को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी। यह कार्रवाई माननीय उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के अनुपालन में की गई। प्रशासन की सख्ती से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया, जबकि पूरे गांव में तनावपूर्ण शांति का माहौल बन गया।

भारी पुलिस बल के साथ पहुंचा प्रशासनः मंगलवार सुबह चौसा अंचलाधिकारी (सीओ) और राजपुर थाना की पुलिस सैकड़ों महिला-पुरुष पुलिस बल के साथ सिकरौल गांव पहुंची। प्रशासनिक अमले के पहुंचते ही पोखरे की भूमि पर सालों से किए गए अवैध निर्माण को हटाने के लिए बुलडोजर चलाया गया। सुरक्षा व्यवस्था इतनी कड़ी थी कि पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

अवैध घर, दीवारें और सीढ़ियां ध्वस्तः प्रशासन के निर्देश पर बुलडोजर ने पोखरे की जमीन पर बने अवैध घरों, बाउंड्री वॉल, दीवारों और घरों के सामने बनी सीढ़ियों को एक-एक कर तोड़ना शुरू किया। बुलडोजर की तेज आवाज सुनते ही लोगों में हड़कंप मच गया। कई परिवार अपने घरों के बाहर रखे घरेलू सामान, बर्तन, चारपाई, लकड़ी, पशुओं का चारा और अन्य उपयोगी वस्तुएं हटाने में जुट गए। कुछ लोग प्रशासन के सामने हाथ जोड़कर कार्रवाई रोकने की गुहार लगाते नजर आए, तो कुछ महिलाएं रोते-बिलखते हुए अपने घर उजड़ने की पीड़ा जाहिर करती दिखीं। हालांकि प्रशासन ने साफ कर दिया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के तहत की जा रही है और इसमें किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

'पोखरे की पूरी जमीन खाली होने तक चलेगा बुलडोजर': मौके पर मौजूद चौसा अंचलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक सिकरौल गांव के सार्वजनिक पोखरे की पूरी जमीन को अतिक्रमण मुक्त नहीं करा लिया जाता, तब तक बुलडोजर की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह पोखरा गांव का महत्वपूर्ण सार्वजनिक जलस्रोत है, जिसका संरक्षण बेहद जरूरी है। सीओ ने बताया कि वर्षों से हुए अतिक्रमण के कारण पोखरे का अस्तित्व लगभग समाप्त होने की कगार पर था। इससे न केवल वर्षा जल संचयन प्रभावित हो रहा था, बल्कि पर्यावरण संतुलन और ग्रामीणों की सामूहिक जरूरतों पर भी गंभीर असर पड़ रहा था।

26 परिवार चिन्हित, नोटिस के बाद भी नहीं हटाया गया अतिक्रमणः प्रशासनिक रिकॉर्ड के अनुसार, सिकरौल गांव में पोखरे की भूमि पर अवैध रूप से झोपड़ी और ईंट से बने कच्चे मकानों में रह रहे कुल 26 परिवारों को पहले ही चिन्हित किया गया था। इन सभी अतिक्रमणकारियों को नियमानुसार पूर्व में नोटिस जारी कर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने और स्थान खाली करने का निर्देश दिया गया था। लेकिन बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद मामला न्यायालय पहुंचा और माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के तहत प्रशासन को बलपूर्वक कार्रवाई करनी पड़ी।

चौधरी चरण सिंह जयंती पर किसान सम्मेलन

बक्सर। बक्सर के चुन्नी गांव में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर एक किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने किसानों के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई जारी रखने पर जोर दिया। सम्मेलन में किसानों की समस्याओं, कृषि संकट और केंद्र सरकार की नीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में सांसद सुधाकर सिंह के अलावा भाकपा माले के पूर्व विधायक अजीत कुशवाहा, विधान पार्षद लाल दास राय, शेषनाथ सिंह, संतोष भारती, शिवबचन सिंह, पूजा कुमारी, बृजबिहारी सिंह, हरिराम सिंह, प्रखंड अध्यक्ष आफताब आलम, बच्चालाल निषाद और बीरेंद्र सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और किसान नेता उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन मधुमंगल सिंह और भूवनेश्वर सिंह के नेतृत्व में किया गया था। सांसद सुधाकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों के मान-सम्मान और अधिकारों के लिए जो संघर्ष शुरू किया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेट ताकतें लंबे समय से किसानों को नुकसान पहुंचा रही हैं। सांसद के अनुसार, यह लड़ाई किसी एक समय की नहीं, बल्कि वर्चस्व की एक सदियों पुरानी लड़ाई है, जो आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था की चुनौतियों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। सांसद ने कहा कि निजीकरण के माध्यम से बहुसंख्यक आबादी के भरण-पोषण की गलत सोच अपनाई गई है। उन्होंने 2020 के कोरोना संकट का जिक्र करते हुए बताया कि जब पूरी अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी, तब कृषि क्षेत्र ही करोड़ों लोगों को भोजन और सम्मान देने का एकमात्र माध्यम बना था। सुधाकर सिंह ने आगे कहा कि लगभग आठ करोड़ लोग जो रोजगार के लिए शहरों और फैक्ट्रियों में गए थे, उन्हें मजबूरी में वापस खेती-किसानी की ओर लौटना पड़ा। उन्होंने बिहार के किसानों के संघर्ष पर भी बात की और कहा कि राज्य में समाजवादी सरकारों के दौरान किसानों को कुछ राहत मिली थी, लेकिन मौजूदा सरकार में उनकी दुर्दशा स्पष्ट है। किसान आज भी खाद, बीज, सिंचाई और फसल के उचित दाम जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

दो नए प्लेटफॉर्म के निर्माण को मंजूरी मिली

♦ प्लेटफॉर्म विस्तार को मंजूरी, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर रेलवे स्टेशन पर दो नए प्लेटफॉर्म के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। दानापुर रेल मंडल के शीर्ष आय वाले स्टेशनों में से एक बक्सर स्टेशन पर अब तक तीन प्लेटफॉर्म थे। इस विस्तार से यात्रियों को सुविधा मिलेगी और लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन में भी आसानी होगी। प्लेटफॉर्म संख्या चार और पांच का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 29.99 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है। ये नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म संख्या दो और तीन की तरह ही, दो रेलवे लाइनों के बीच एक साझा संरचना के रूप में विकसित किए जाएंगे, जिससे दोनों किनारों का उपयोग ट्रेनों के लिए हो सकेगा। नए प्लेटफॉर्म का निर्माण प्लेटफॉर्म संख्या तीन के दक्षिणी हिस्से में होगा।

नए प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 650 मीटर होगीः इस निर्माण के कारण स्टेशन के दक्षिणी छोर पर मौजूद साइडिंग ट्रैक की संख्या में कमी आ सकती है। वर्तमान में यहां तीन साइडिंग लाइनें हैं, जिनका उपयोग रात में बक्सर से चलने वाली मेमू ट्रेनों को खड़ा करने के लिए किया जाता है। संभावना है कि बीच वाली साइडिंग लाइन को हटाकर नया प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा, जबकि शेष दो साइडिंग लाइनों को लूप लाइन के रूप में विकसित किया जाएगा। नए प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 650 मीटर होगी, जो 24 कोच की LHB रैक वाली ट्रेन और इंजन को आसानी से समायोजित कर सकेगी।

गिट्टी रहित स्लैब आधारित ट्रैक में बदला जा रहाः बक्सर रेलवे स्टेशन के विकास से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण योजना पर पहले ही काम शुरू हो चुका है। इसके तहत प्लेटफॉर्म संख्या एक, दो और तीन से जुड़ी रेलवे लाइनों को गिट्टी रहित स्लैब आधारित ट्रैक में बदला जा रहा है। यह तकनीक ट्रैक को अधिक टिकाऊ बनाएगी, रखरखाव की आवश्यकता कम करेगी और स्टेशन परिसर की स्वच्छता में सुधार करेगी।

ट्रेनों की संख्या में वृद्धि के कारण प्लेटफॉर्म विस्तार आवश्यकः रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बक्सर स्टेशन से लंबी दूरी की ट्रेनों की संख्या में वृद्धि के कारण प्लेटफॉर्म विस्तार आवश्यक हो गया था। पिछले डेढ़ साल में टाटा-बक्सर एक्सप्रेस और बिलासपुर-बक्सर साप्ताहिक एक्सप्रेस जैसी कई नई लंबी दूरी की ट्रेनें यहां से शुरू हुई हैं।

नई रेल लाइन का निर्माण कार्य प्रगति परः इसके अलावा त्योहारों के समय विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया जाता है, जिनके लिए लंबे ठहराव की आवश्यकता होती है।

बर्थडे पार्टी में गोली चलाने वाला गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के सम्भल टोला गांव में हुए भांजे के बर्थडे पार्टी में नाच के दौरान हुए हर्ष फायरिंग में मामा को गोली लगने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीरो थाना क्षेत्र के लहराबाद गांव निवासी राजदेव सिंह के पुत्र लाल बाबू सिंह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी दर्ज के उपरांत त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी लाल बाबू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि हथियार बरामदगी को लेकर छापेमारी की जा रही है। इसके अलावा जख्मी लाल बाबू सिंह के द्वारा भी पार्टी में उसके साथ मारपीट कर उसे जख्मी करने का आरोप लगाते हुए तीन नामजद एवं 10-12 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसके पश्चात पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। जख्मी युवक पीरो थाना क्षेत्र के संभल टोला गांव वार्ड नंबर 1 निवासी हरी सिंह यादव का 29 वर्षीय पुत्र अखिलेश कुमार यादव है। जख्मी युवक को गली बाएं साइड सीने में लगी है। इधर जख्मी युवक अखिलेश कुमार यादव ने बताया कि हरेराम यादव के 3 वर्षीय पुत्र लवकुश कुमार का बर्थडे पार्टी उसके ननिहाल संभल टोला गांव में मनाया जा रहा था। जहां बर्थडे पार्टी में नाच प्रोग्राम कभी आयोजन किया गया था। सोमवार की देर रात जब नाच प्रोग्राम चल रहा था और सभी लोग नाच देख रहे थे। उसी दौरान वहां पर आए एक युवक ने नशे की हालत में हर्ष फायरिंग कर दी। जिसमें फायरिंग के दौरान उन्हें गोली लग गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लवकुश कुमार जिसका जन्मदिन था।

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

निज संवाददाता। आरा

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा स्टेशन और जमीर हाल्ट के बीच डाउन लाइन पर चलती ट्रेन से गिरने से एक शख्स की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

आइए जानते हैं घटना विस्तार सेः मृतक युवक की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के अहिरपुरवा मोहल्ला वार्ड नंबर 29 स्व. रामदेवरा राय का 38 वर्षीय पुत्र संजू कुमार राय के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को वह ट्रेन द्वारा पटना अपने रिश्तेदार के घर जाने के लिए घर से निकले थे। इसी बीच आरा स्टेशन एवं जमीरा हाल्ट के बीच चलती ट्रेन से वह गिर पड़े। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद रेल पुलिस द्वारा इसकी जानकारी उनके परिजनों को मिली। सूचना पाकर परिजन आरा रेल थाना पहुंचे।

परिजनों में कोहरामः जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां सुदमिया देवी, पत्नी मीरा देवी, तीन पुत्री अनुष्का,अमृता, रूही व दो पुत्र रॉकी एवं ऋषभ है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां सुदमिया देवी,पत्नी मीरा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा में तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान का शुभारंभ

निज संवाददाता। आरा/पटना।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), पटना की ओर से महाराजा महाविद्यालय, आरा के प्रांगण में बुधवार से तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 24 से 26 दिसंबर 2025 तक 'विकसित भारत @ 2047' विषय पर आयोजित किया जा रहा है। चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन बिहार सरकार के श्रम संसाधन, युवा रोजगार एवं कौशल विभाग के मंत्री संजय सिंह टाइगर ने किया। उद्घाटन अवसर पर सीबीसी, पटना के कार्यालय प्रमुख कुमार सौरभ, भोजपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव आदित्य विजय जैन, पद्मश्री से सम्मानित भीम सिंह भवेश, राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित अनिता गुप्ता, बिहार महादलित आयोग के पूर्व अध्यक्ष हुलेस मांझी, आरा के डाक अधीक्षक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीबीसी पटना के कार्यालय प्रमुख कुमार सौरभ ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना है, ताकि समाज के सभी वर्ग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से विकसित भारत की संकल्पना, सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है।

तीन दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत डाक विभाग की ओर से प्रतिदिन आधार सुधार, डाक बीमा सहित अन्य सुविधाएं मौके पर ही उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे लोगों को सीधे लाभ मिल सके। कार्यक्रम का संचालन सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी प्रकाश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभाग के नवल किशोर झा, राजू कुमार, राकेश कुमार सहित विभागीय लोक सांस्कृतिक कलाकार और अन्य कर्मी भी मौजूद रहे।

पीडीएसदुकानदार पर फायरिंग मामले में प्राथमिकी

♦ घायल बोला- रंगदारी के पुराने मामले में सुलह नहीं करने पर गोली मारी थी, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में रविवार की देर शाम पीडीएस दुकानदार मो. आफताब अली को गोली मारकर जख्मी किए जाने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। घायल के बयान पर गड़हनी थाना क्षेत्र के बड़ौरा गांव निवासी विकास यादव समेत दो अज्ञात लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि पुराने रंगदारी संबंधी मामले में सुलह नहीं करने पर मो. आफताब अली को गोली मारी गई।

वारदात के बाद फायरिंग का आरोपी फरारः घटना के बाद से मुख्य आरोपित विकास यादव फरार है। पुलिस के अनुसार, आरोपी करीब 7 महीने पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था। बताया जा रहा है कि ये विवाद साल 2019 से चले आ रहे रंगदारी के एक मामले से जुड़ा है, जिसमें सुलह को लेकर लगातार तनाव बना हुआ था। इसी विवाद के चलते पूर्व मुखिया के देवर और पीडीएस दुकानदार मो. आफताब अली को निशाना बनाए जाने की बात सामने आ रही है।

आरोपी पर हत्या, आर्म्स एक्ट, रंगदारी जैसे मामले दर्जः विकास यादव का आपराधिक इतिहास रहा है। मई 2024 में गड़हनी नगर स्थित एक मिष्ठान भंडार में मिठाई और समोसे का पैसा मांगने को लेकर हुए विवाद में उसने सरेशाम दुकानदार पर फायरिंग कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने उसे उसके साथी अभय यादव के साथ गिरफ्तार किया था। उस समय दोनों के पास से एक देसी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक बाइक और करीब दो किलो गांजा बरामद किया गया था। इसके अलावा अक्टूबर 2023 में भी गड़हनी पुलिस ने विकास यादव को देसी कट्टा, दो गोली और लगभग 203 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वह पूर्व में हत्या, आर्म्स एक्ट और रंगदारी जैसे गंभीर मामलों में जेल जा चुका है। चरपोखरी और गड़हनी थानों में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इधर, पीडीएस दुकानदार को गोली मारे जाने की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गड़हनी थाना पुलिस का कहना है कि जल्द ही मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घायल मो. अफताब अली का इलाज चल रहा है और उनकी हालत पर पुलिस नजर बनाए हुए है।

दो लूटकांड का हुआ खुलासा

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा–पटना फोरलेन पर डुमरा और बलबतरा के समीप चौकीदार व दुकानदार से हुई लूटपाट की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। दुकानदार से लूटा गया मोबाइल भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। यह सफलता पटना एसटीएफ और भोजपुर जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से मिली है। इसकी जानकारी भोजपुर एसपी राज ने दी।

दुकानदार से लूट के आरोपियों में ये शामिलः एसपी के अनुसार दुकानदार से लूटपाट के मामले में गिरफ्तार आरोपितों में संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव निवासी अनिल कुमार, नवादा थाना क्षेत्र के जवाहर टोला निवासी विकास कुमार उर्फ पीटन तथा कुंदन कुमार शामिल हैं। बताया गया कि 23 जुलाई 2025 को सुंदरपुर कुंड़िया गांव निवासी दुकानदार शत्रुघ्न प्रसाद आरा से बाजार कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बलबतरा के समीप आरा–पटना फोरलेन पर तीन अलग-अलग बाइक सवार अपराधियों ने उनकी बाइक रुकवाई। पिस्टल का भय दिखाकर बदमाशों ने 35 हजार रुपए नकद और मोबाइल लूट लिया तथा सर्विस लेन के रास्ते पटना की ओर फरार हो गए थे।

दुकानदार ने डकैती से संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थीः इस मामले में पीड़ित दुकानदार ने मुफस्सिल थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ डकैती अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। घटना के बाद एसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले अनिल कुमार को उसके गांव चिल्होस से लूटे गए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर विकास उर्फ पीटन को गड़हनी से और कुंदन कुमार को जवाहर टोला से गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष दीपक कुमार, दारोगा नीरज कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पूछताछ में दो अन्य बदमाशों के नाम सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

डुमरा पुल के पास से चौकीदार से लूट का आरोपी भी अरेस्टः इधर, डुमरा पुल के समीप चौकीदार मंतोष कुमार से हुई लूटपाट के मामले में भी पुलिस ने एक और वांछित आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान शुभकरगंज गांव निवासी चुन्नू चौधरी के रूप में हुई है, जिस पर लूटी गई बाइक की खरीद-बिक्री में सहयोग करने का आरोप है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लूटी गई बाइक और मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि लूटपाट की घटनाओं में शामिल अन्य अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

आग तापने के दौरान गर्भवती महिला झुलसी

♦ ठंड से बचने के लिए बेटी के साथ आग ताप रही थी, 60% जली

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के तीयर थाना क्षेत्र के कटाई बोझ गांव में मंगलवार को एक हादसा हो गया। घर में बोरसी पर आग तापने के दौरान नौ महीने की गर्भवती महिला बुरी तरह झुलस गई। गंभीर रूप से झुलसी महिला को पहले इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। झुलसी महिला कटाई बोझ गांव निवासी अप्पू महतो की 22 वर्षीय पत्नी पूजा कुमारी है।पूजा कुमारी घर में अपनी बेटी के साथ बोरसी में पुआल जलाकर ठंड से बचने के लिए आग ताप रही थी। इसी दौरान अचानक उसका कपड़ा आग की चपेट में आ गया और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कपड़ों में आग लगते ही पूजा घबरा गई और खुद को बचाने के लिए पास खड़ी बेटी से दूर जाकर बाल्टी से अपने शरीर पर पानी डाला।

परिजनों ने पहुंचाया अस्पतालः आग बुझाने के प्रयास के दौरान उसने जोर-जोर से चिल्लाकर परिजनों को आवाज दी, लेकिन तब तक आग से उसका शरीर बुरी तरह झुलस चुका था। महिला की चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद बेटी ने भी शोर मचाया, जिसके बाद परिजन दौड़कर वहां पहुंचे और किसी तरह बची हुई आग को बुझाया। इसके बाद परिजनों ने गंभीर रूप से झुलसी महिला को आनन-फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचाया। इधर, झुलसी महिला की मां चंद्रावती देवी ने बताया कि हादसा पूरी तरह से दुर्घटनावश हुआ है। उन्होंने बताया कि ठंड के कारण उनकी बेटी बोरसी पर आग ताप रही थी, तभी उसका कपड़ा आग पकड़ लिया। आग लगने के बाद पूजा ने खुद पर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। आरा सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी चिकित्सक सौरभ कुमार ने बताया कि इस हादसे में गर्भवती महिला करीब 60 प्रतिशत से अधिक झुलस गई है। उन्होंने बताया कि महिला का शरीर कमर के नीचे अधिक झुलसा हुआ है, जबकि चेहरा और हाथ भी आग की चपेट में आए हैं। इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक उपचार देने के बाद महिला की गंभीर स्थिति और नौ महीने की गर्भावस्था को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

तीन शराबियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

मसौढ़ी,पटना । लहसुना थाना की पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान थाना क्षेत्र के गणेश टोला गांव में शराब के नशे में हंगामा कर रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गणेश टोला गांव निवासी आकाश कुमार, कुंदन कुमार और श्रवण बिंद के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने मंगलवार देर रात इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गश्ती के दौरान सूचना मिली थी कि कुछ लोग शराब के नशे में उत्पात मचा रहे हैं और इलाके में अशांति फैला रहे हैं। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों को हिरासत में लिया और उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

केक काटकर पप्पू यादव का मनाया जन्मदिन स्कूली बच्चों के बीच पठन पाठन का सामग्री वितरण किया गया

मसौढ़ी,पटना। मधेपुरा सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का 58वां जन्मोत्सव बुधवार को प्राथमिक विद्यालय चंदा पर स्कूली बच्चों के बीच केक काट कर मनाया गया। इस मौके पर वार्ड नंबर 28के पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी विकास यादव ने स्कूली बच्चों के बीच पठन पाठन का सामग्री वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि पप्पू यादव गरीब वंचितों की आवाज को बुलंद करते रहे हैं। .एक ऐसे नेता जिन्होंने न कभी दिन देखा और न ही कभी रात, बिहार में जब-जब कोई विपदा की घड़ी आती है तब बिहार का यह नेता हमेशा लोगों के साथ खड़े रहते हैं। पप्पू यादव हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता देते हैं और उनका जीवन संघर्ष और सेवा की मिसाल रहा है।चाहे आपदा का समय हो या आम लोगों की समस्याएं, पप्पू यादव हर मौके पर लोगों के बीच खड़े नजर आते हैं। यही कारण है कि उनके जन्मदिन को सेवा और सामाजिक संकल्प से जोड़कर मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि पप्पू यादव आम जनता की आवाज बनकर आगे भी मजबूती से लड़ते रहेंगे.इस मौके पर सीपी कुमार निखिल कुमार सौरभ कुमार सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में नवविवाहिता की मौत, मायके वालों ने जलाकर मारने का आरोप लगाया

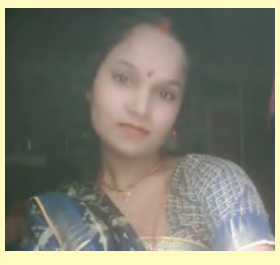

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र के दादर इलाके में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र निवासी रामविंद सहनी की पुत्री नेहा कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद नेहा के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना और हत्या का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। मृतका की बड़ी बहन संजू देवी ने बताया कि नेहा की शादी तीन साल पहले अहियापुर के दादर निवासी गुड्डू सहनी से हुई थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल वालों ने नेहा को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। प्रताड़ना से तंग आकर नेहा अपने मायके चली गई थी, जहां कथित तौर पर उसके पति गुड्डू ने पहुंचकर उसके साथ मारपीट की। मायके वालों का दावा है कि ससुराल पक्ष ने नेहा को रास्ते से हटाने की साजिश रची और उसकी हत्या कर दी। उनका कहना है कि ससुराल वाले इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह एक सोची-समझी हत्या है। घटना की सूचना मिलते ही अहियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस मृतका के पति और ससुराल के अन्य सदस्यों से पूछताछ की तैयारी कर रही है। इस मामले की पुष्टि थानेदार रोहन कुमार ने की है।

'यूपी के हिस्ट्रीशीटर के साथ विदेश घूमने गए हैं तेजस्वी'

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बिहार के पुलिस महानिदेशक (DGP) को लेटर लिखा है। जदयू ने आशंका जताई है कि तेजस्वी यूपी के हिस्ट्रीशीटर रमीज नेमत के साथ विदेश घूम रहे हैं। जदयू ने डीजीपी से मांग की है कि पुलिस तेजस्वी के विदेश यात्रा पर बारीकी से नजर बनाए रखे। क्योंकि हो सकता है कि तेजस्वी के साथ मोतिहारी के कुख्यात और एक लाख का इनामी देवा गुप्ता भी साथ हो।

यूपी का रहने वाला है रमीज: 14 नवंबर 1986 को जन्मे रमीज नेमत बलरामपुर जिले के भंगहा कलां गांव के निवासी हैं। उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल (मथुरा रोड) से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और जामिया मिलिया इस्लामिया से राजनीति विज्ञान में बीए तथा एमबीए की डिग्री हासिल की। इसके बाद वे चुनाव प्रबंधन और डिजिटल रणनीति के क्षेत्र में सक्रिय हो गए। उनके पिता नियामतुल्ला जामिया मिलिया इस्लामिया में सोशल वर्क के प्रोफेसर रहे हैं, जबकि उनकी मां जामिया स्कूल में शिक्षिका हैं। उनका परिवार लंबे समय से दिल्ली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में रहता है। गांव से उनका संपर्क मुख्य रूप से पारिवारिक आयोजनों तक ही सीमित रहा है। रमीज नेमत के पिता नियामतुल्ला और पूर्व सांसद रिज़वान जहीर चचेरे भाई हैं। इस पारिवारिक संबंध के चलते 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद रमीज का विवाह रिज़वान जहीर की बेटी जेबा से हुआ। इसके बाद रमीज बलरामपुर में पूर्व सांसद के आवास पर रहने लगे, जिससे स्थानीय स्तर पर उनकी पहचान बनी।

12 साल की उम्र में क्रिकेट खेला, अंडर 22 का कप्तान बने: रमीज ने 12 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया और दिल्ली के लिए अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-19 तक प्रतिनिधित्व किया। बाद में वह झारखंड चले गए, जहां 2008-09 में उन्हें अंडर-22 टीम का कप्तान बनाया गया और वहीं से उनके प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई। रमीज नेमत की राजनीतिक पहचान को मजबूत करने में उनके ससुर, पूर्व सांसद रिज़वान ज़हीर, की भूमिका अहम मानी जाती है। रिज़वान ज़हीर बलरामपुर लोकसभा क्षेत्र से दो बार सांसद रह चुके हैं और यूपी के सबसे कम उम्र के विधायकों में गिने जाते हैं। रमीज की पत्नी जेबा रिज़वान भी राजनीति में सक्रिय रही हैं और तुलसीपुर विधानसभा सीट से दो बार चुनाव लड़ चुकी हैं। एक बार कांग्रेस से और एक बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में। राजनीति विज्ञान और मैनेजमेंट की पढ़ाई के कारण रमीज नेमत चुनाव प्रबंधन और डिजिटल रणनीति में सक्रिय हो गए। माना जाता है कि वह तेजस्वी यादव के बेहद करीबी, उनके युवा टीम का हिस्सा और चुनाव प्रचार व संगठनात्मक गतिविधियों के अहम मैनेजर रहे हैं।

ऑटो लिफ्टर गिरोह का भंडाफोड़ सात शातिर गिरफ्तार

निज संवाददाता। पटना

पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑटो लिफ्टर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का नेटवर्क न केवल पटना तक सीमित था, बल्कि लूटे गए मोबाइल फोन नेपाल तक खपाए जा रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि अब तक नेपाल से करीब सात लाख रुपये का लेन-देन हो चुका है।

दो दिन पहले पुलिस ने मीठापुर बाईपास इलाके से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया था। उनकी पहचान वैशाली जिले के राघोपुर निवासी विनय कुमार और पटना के धनरूआ निवासी सूरज कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में दोनों की निशानदेही पर पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। इसके बाद दो नाबालिगों समेत कुल सात अपराधियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

नेपाल तक फैला मोबाइल लूट का नेटवर्क

पूछताछ के दौरान नाबालिगों ने बताया कि वे लूटे गए मोबाइल फोन की तस्वीरें संदेश सेवा के माध्यम से 'छोटू' नामक व्यक्ति को भेजते थे। सौदा तय होने के बाद मोबाइल आगे खपाए जाते थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छोटू को भी गिरफ्तार कर लिया। छोटू ने खुलासा किया कि वह नाला रोड स्थित एक चश्मा दुकान पर लूट के मोबाइल जमा करता था। इसके बाद चश्मा दुकानदार आदित्य, कदमकुआं निवासी शिवम को मोबाइल सौंप देता था। शिवम इन मोबाइलों को आगे नेपाल भेजने की व्यवस्था करता था। पुलिस पूछताछ में शिवम ने बताया कि मोबाइल फोन बस के जरिए नेपाल भेजे जाते थे और इसके बदले उसे बैंक खाते के माध्यम से लाखों रुपये का भुगतान किया गया। पुलिस ने उसके मोबाइल की जांच में नेपाल से जुड़े लेन-देन का पूरा ब्योरा बरामद किया है। मोबाइल में 'घोस्ट' नाम से सुरक्षित एक संदिग्ध नंबर भी मिला है, जिससे गिरोह के अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की पुष्टि हुई है। पूर्वी पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि नेपाल से जुड़े धन के स्रोत और पूरे नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह से जुड़े और भी शातिर अपराधी सक्रिय हैं, जिनकी तलाश जारी है।

मसौढ़ी में अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन मनाया

निज संवाददाता। मसौढ़ी

नगर मुख्यालय के तारेगना गोला मंडप में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन मनाया गया. उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।यह कार्यक्रम सुशासन सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किया गया.कार्यक्रम के दौरान नगरध्यक्ष ने सुशासन सप्ताह के महत्व अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि वाजपेयी न केवल एक महान राजनेता थे,बल्कि एक प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि और दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी भी थे,अटल जी का जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी और माता का नाम कृष्णा देवी था।उनके नेतृत्व में भारत ने राजस्थान के पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया.अटल जी का जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी और माता का नाम कृष्णा देवी था। उनके नेतृत्व में भारत ने राजस्थान के पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया.इस मौका पर जिला उपाध्याय माधुरी सिन्हा अभिमन्यु पटेल संजीव रवि अमृत रामजीवन मंडल अध्यक्ष अजीत कुमार पांडेय बूथ अध्यक्ष विवेकानन्द कुमार नरेश शर्मा मनोरजन कुमार जितेंद्र कुमार राधेश्याम शम्भू शरण महेश पांडेय राधामणी देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तारेगना स्टेशन पर बिहार दैनिक रेल यात्री संघ का प्रदर्शन, नौ सूत्री मांगें उठाईं

निज संवाददाता। मसौढ़ी, पटना

पटना–गया रेलखंड के तारेगना रेलवे स्टेशन पर बुधवार को बिहार दैनिक रेल यात्री संघ ने प्रदर्शन किया। संघ ने तारेगना और जहानाबाद स्टेशन को अमृत महोत्सव योजना के तहत बी श्रेणी में घोषित किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य की धीमी प्रगति और यात्रियों से जुड़ी नौ सूत्री मांगों को लेकर नाराजगी जताई।

संघ के सचिव नागेंद्र नाथ शर्मा ने बताया कि गया से शाम 6:45 बजे के बाद पटना जाने के लिए कोई पैसेंजर ट्रेन उपलब्ध नहीं है। पूर्व में रात 9:45 बजे गया से पटना के लिए ट्रेन चलती थी, जिसे कोरोना काल में बंद कर दिया गया था और अब तक पुनः शुरू नहीं किया गया है। उन्होंने इसे पूर्व निर्धारित समय के अनुसार शीघ्र चालू करने की मांग की। इसके साथ ही पटना–गया रेलखंड के नदवां स्टेशन पर पाटलिपुत्र मेमो स्पेशल ट्रेन तथा तारेगना स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को एक मिनट का ठहराव देने, चलती ट्रेनों में टिकट चेकिंग सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई, ताकि रेलवे की आय में वृद्धि हो सके। प्रदर्शन के दौरान तारेगना स्टेशन पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। बताया गया कि नवनिर्मित शौचालय बंद रहने से विशेषकर महिलाओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं पटना–गया रेलखंड पर अपराध नियंत्रण के लिए स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय करने की मांग की गई। संघ ने यह भी कहा कि डुमरी जंक्शन का दर्जा मिलने के बावजूद यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। वहां पेयजल, साफ-सफाई और प्रतीक्षालय में प्रकाश की समुचित व्यवस्था नहीं है, जिसे अविलंब दुरुस्त किया जाए। प्रदर्शन में बिहार दैनिक रेल यात्री संघ के अध्यक्ष बैजनाथ शर्मा, उपाध्यक्ष रामजयपाल सिंह, नगर अध्यक्ष आशीष देव, संयुक्त सचिव पलटन सिंह, मकसूद रजा, लाल मोहन सिंह, रंजीत पटेल, अभय कुमार सिंहा, रामश्रय प्रसाद, गुड्डू सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षक हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, गंडक नदी से बाइक बरामद

निज संवाददाता। सोनपुर, सारण

सारण जिले के सोनपुर प्रखंड अंतर्गत पहलेजा थाना पुलिस ने शिक्षक हत्याकांड में एक और अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुमन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है, जिसे आरोपियों ने सबूत मिटाने के उद्देश्य से गंडक नदी में फेंक दिया था। पहलेजा थाना प्रभारी अनुराधा कुमारी ने बताया कि यह सनसनीखेज घटना 25 नवंबर 2021 को हुई थी। खरिका गांव निवासी शिक्षक सनोज कुमार प्राथमिक विद्यालय मिर्जापुर में पढ़ाकर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान घर के पास पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी थी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले की गहन जांच करते हुए इस हत्याकांड का उद्भेदन कर लिया है। अब तक मुख्य आरोपी सहित कुल छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार सुमन कुमार ने मुख्य आरोपी साहिल कुमार उर्फ गोलू के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची थी और उसे अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के दौरान पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को गंडक नदी से बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शेष फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि शिक्षक की हत्या जैसे गंभीर अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

आरपीएस स्कूल में उत्साह के साथ आयोजित हुआ क्रिसमस कार्निवल

निज संवाददाता। पटना

आरपीएस स्कूल परिसर में क्रिसमस कार्निवल का आयोजन उल्लास और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की निदेशक विभा शर्मा तथा प्राचार्य एस.के. राहुल ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर पूरी तरह से क्रिसमस के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने प्रभु यीशु मसीह के जन्म से जुड़ी लघु नाटिका प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके साथ ही क्रिसमस से संबंधित गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को भक्तिमय और आनंदमय बना दिया। बच्चों की प्रस्तुति को उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने खूब सराहा। कार्निवल के समापन अवसर पर सांता क्लॉज ने बच्चों के बीच चॉकलेट और टॉफी का वितरण किया, जिससे बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। अंत में प्राचार्य के आशीर्वचन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे आयोजन में बच्चों के चेहरों पर खुशी और उल्लास साफ झलकता रहा।

बेतिया एटीएम कांड में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई, दो थानों की गश्ती टीम का वेतन रोका

निज संवाददाता। बेतिया

नए साल से पहले बेतिया में एटीएम चोरी की बड़ी वारदात के बाद पुलिस महकमे में सख्त कार्रवाई की गई है। दो एटीएम से करीब 24 लाख रुपये की चोरी के मामले में चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरकिशोर राय ने लापरवाही बरतने पर कड़ा रुख अपनाया है। नौतन थाना और नगर थाना की गश्ती टीम में शामिल सभी पुलिसकर्मियों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बावजूद त्वरित कदम नहीं उठाने को लेकर बेतिया के प्रभारी एसपी से भी जवाब तलब किया गया है। बताया गया कि 18 दिसंबर 2025 की देर रात आलोक भारती चौक और नौतन थाना क्षेत्र के गहरी चौक स्थित एटीएम को शातिर अपराधियों ने निशाना बनाया था। महज दो घंटे के भीतर कटर की मदद से दोनों एटीएम काटकर करीब 24 लाख रुपये निकाल लिए गए। इतनी बड़ी वारदात के बावजूद गश्ती दल की निष्क्रियता सामने आने पर यह सख्त फैसला लिया गया। डीआईजी

हरकिशोर राय ने बताया कि सदर एसडीपीओ विवेक दीप के नेतृत्व में मामले के खुलासे के लिए विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस की आठ टीमें अलग-अलग राज्यों में दबिश दे रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल तक छापेमारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गश्ती में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बीच एटीएम चोरी कांड में बड़ी सफलता भी मिली है। बेतिया पुलिस पश्चिम बंगाल के खड़गपुर पहुंची, जहां स्थानीय पुलिस ने चोरी की अन्य घटनाओं में शामिल कुछ अपराधियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया है कि इन्हीं बदमाशों ने बेतिया के दोनों एटीएम में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल बेतिया पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें हरियाणा के मेवात निवासी फारुख शेख, नूंह के जाखिर खान, पलवल के मुस्ताक, नूंह के मोहसिन खान, दिल्ली के जहांगीरपुरी निवासी दीपक पोद्दार और आंध्र प्रदेश निवासी रवि कृष्ण चौधरी शामिल हैं। इस गैंग का स्थानीय लाइनर बिहार के सिवान का टार्जन नट बताया जा रहा है। डीआईजी ने दावा किया है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर लिया जाएगा और एटीएम चोरी में शामिल सभी आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाया जाएगा। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप है और लापरवाह अधिकारियों-कर्मचारियों को सख्त संदेश गया है।

श्रवण कुमार ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा ,13 हजार श्रमिकों को तीन दिनों के भीतर उपलब्ध कराया काम

निज संवाददाता। पटना

ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री श्रवण कुमार ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि मनरेगा के तहत जिन 13 हजार श्रमिकों को काम की मांग के बावजूद रोजगार नहीं मिला है, उन्हें तीन दिनों के भीतर काम उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने साफ कहा कि तय समय में आदेश का पालन नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई तय है। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं सीधे गांव के गरीब और मजदूर वर्ग से जुड़ी हैं, इसलिए इनमें किसी भी तरह की लापरवाही या अपारदर्शिता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि काम में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को जवाबदेह बनाया जाएगा। समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि पांच से छह हजार ऐसे लाभार्थी हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान का निर्माण पूरा कर लिया है, लेकिन अब तक तीसरी किस्त का भुगतान नहीं हुआ है। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि चालू वित्तीय वर्ष के भीतर इन सभी लाभार्थियों को लंबित राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा करीब 6800 ऐसे मामले भी सामने आए, जहां

तीसरी किस्त जारी होने के बावजूद आवास को पूर्ण नहीं दिखाया गया है। मंत्री ने इन सभी आवासों का निर्माण नए साल से पहले पूरा कराने का आदेश दिया। बैठक में श्रवण कुमार ने फर्जी जॉब कार्ड को तत्काल रद्द करने का भी निर्देश दिया। साथ ही लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत बनाए जा रहे सामुदायिक स्वच्छता केंद्रों और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं का लाभ समय पर और सही पात्र तक पहुंचाना है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही को बख्शा नहीं जाएगा।

रेड क्रॉस ने गरीबों व असहायों को बांटे कंबल, सर्दी में मिली राहत

निज संवाददाता। मसौढ़ी, पटना

कड़ाके की ठंड और बढ़ते सर्दी के प्रकोप को देखते हुए भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से बुधवार को रेड क्रॉस भवन में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ठंड से ठिठुर रहे गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल बांटे गए, जिससे उन्हें काफी राहत मिली। अचानक कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सह रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष अभिषेक कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं 50 जरूरतमंद लोगों को कंबल प्रदान किया और रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी हमेशा मानव सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती रही है और जरूरतमंदों की सहायता के लिए हर समय तत्पर रहती है। एसडीएम ने कहा कि ठंड के इस मौसम में गरीब और असहाय लोगों के लिए कंबल एक बड़ी राहत है। रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य और पदाधिकारी निस्वार्थ भाव से समाज सेवा में लगे रहते हैं, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह सेवा कार्य जारी रखने की अपील की। कंबल

वितरण कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सचिव सह कंबल वितरण प्रभारी विश्वरंजन सिंह, डॉ विनोद कुमार, उमेश कुमार सिंह, यशवंत कुमार, विशाल कुमार, नवीन कुमार, अमित कुमार, ललन मांझी, रंजीत कुमार सहित अन्य सदस्य और स्वयंसेवक मौजूद रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। रेड क्रॉस की इस पहल से ठंड से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिली है और समाज में मानवता एवं सेवा भाव का संदेश गया है।

संक्षिप्त समाचार

वन्यजीव संरक्षण में मिसाल बना चक्रधरपुर रेलवे डिवीजन, किया गया सम्मानित

पश्चिमी सिंहभूम। चक्रधरपुर रेलवे डिवीजन को वन्यजीव संरक्षण की दिशा में की गई एक सराहनीय पहल के लिए बुधवार को सम्मानित किया गया। जिले के चक्रधरपुर स्थित डीआरएम सभागार में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान वन्यजीव ट्रस्ट ऑफ इंडिया की ओर से उन रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मान प्रदान किया गया, जिन्होंने हाथियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह सम्मान उस त्वरित, संवेदनशील और जिम्मेदार निर्णय के लिए दिया गया, जिसके तहत बिसरा और बोंदामुंडा केबिन 'ए' के बीच रेलखंड पर हाथियों के झुंड की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। इस निर्णय के कारण 22 हाथियों का झुंड बिना किसी बाधा के रेल ट्रैक को सुरक्षित रूप से पार कर सका और एक बड़ी वन्यजीव दुर्घटना टल गई। सम्मान समारोह में चक्रधरपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) तरुण हुरिया (डीआरएम/सीकेएपी), मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे कर्मचारी तथा वन्यजीव ट्रस्ट ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी ने इस पहल को रेलवे प्रशासन और वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। रेलवे अधिकारियों ने इस मौके पर कहा कि वन विभाग के साथ निरंतर समन्वय बनाकर समय रहते ट्रेन संचालन को नियंत्रित करना और त्वरित निर्णय लेना वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक प्रभावी और आवश्यक कदम है। उन्होंने इस पहल को भारतीय रेलवे की मानव–वन्यजीव सह-अस्तित्व के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि चक्रधरपुर रेलवे डिवीजन देश के अत्यंत व्यस्त हावड़ा–मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर स्थित है। यह इलाका झारखंड और ओडिशा के घने वन क्षेत्रों से सटा हुआ है, जहां हाथियों की आवाजाही अक्सर देखने को मिलती है। ऐसे में ट्रेन परिचालन के दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रेलवे प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनी रहती है, जिसे चक्रधरपुर डिवीजन ने सफलतापूर्वक निभाया है।

गैरेज में लगी भीषण आग, कार जलकर राख

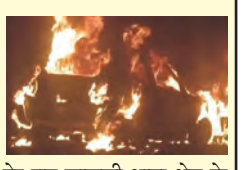

पूर्वी सिंहभूम। साकची थाना क्षेत्र अंतर्गत हाथी-घोड़ा मंदिर के पास मंगलवार देर रात एक गैरेज में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग डर के कारण घरों से बाहर निकल आए। मंगलवार देर रात साकची थाना क्षेत्र के हाथी-घोड़ा मंदिर के समीप स्थित एक गैरेज में अचानक आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में पूरा गैरेज उसकी चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गैरेज में खड़ी एक कार में पहले आग लगी, जिसके बाद लपटें तेजी से फैलती चली गईं और देखते ही देखते गैरेज जलकर खाक हो गया। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के लोग दहशत में आ गए और सुरक्षा के लिहाज से अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक गैरेज और उसमें खड़ी कार पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। इसके बाद साकची थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि आग लगी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मनरेगा और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में 27 को झामुमो का प्रदर्शन

पश्चिमी सिंहभूम। मनरेगा को कमजोर करने और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में 27 दिसंबर को जिला मुख्यालय चाईबासा स्थित पुराना डीसी कार्यालय के समक्ष सुबह 11 बजे से जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त बाते बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। उन्होंने कहा कि मनरेगा को समाप्त करना भाजपा की गरीब और मजदूर विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि उनकी आजीविका की सुरक्षा का मजबूत आधार रही है। इस आंदोलन में झामुमो पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी जिला एवं वर्ग संगठन, प्रखंड और नगर समितियों के पदाधिकारी, केंद्रीय सदस्य तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मनरेगा और प्रस्तावित "वीबी–जी रामजी बिल 2025" में काफी अंतर है। यह बिल बिना राज्यों से पर्याप्त सलाह और व्यापक चर्चा के शीतकालीन सत्र में जल्दबाजी में लाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार एक साजिश के तहत मनरेगा जैसी जनहितकारी योजना को समाप्त कर रही है। झामुमो जिला प्रवक्ता ने कहा कि मनरेगा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को साल में कम से कम 100 दिन का गारंटीकृत रोजगार उपलब्ध कराना था, जिससे ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। इसके माध्यम से जल संरक्षण, तालाब, नहर, सड़क और अन्य बुनियादी ढांचों का निर्माण हुआ है। साथ ही इस योजना ने महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित की, क्योंकि इसके तहत सामाजिक अंकेक्षण और ग्राम पंचायतों की भूमिका अहम रही। इसके विपरीत "वीबी–जी रामजी बिल 2025" ग्रामीण गरीबों के रोजगार के संवैधानिक अधिकार को कमजोर करता है और मजदूरों की सौदेबाजी की ताकत छीनने का प्रयास है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में हिंदू सेना का ज्ञापन, उपायुक्त से की हस्तक्षेप की मांग

पूर्वी सिंहभूम। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार के मामलों को लेकर हिंदू सेना के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा और इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। संगठन ने प्रशासन से इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार के माध्यम से केंद्र सरकार तक मामला पहुंचाने की मांग की। ज्ञापन में हिंदू सेना की ओर से कहा गया है कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार हो रही घटनाएं अत्यंत गंभीर और चिंताजनक हैं, जिन पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाया जाना आवश्यक है। संगठन ने आग्रह किया कि इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उठाने के लिए उचित पहल की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने इसके साथ ही जमशेदपुर में रह रहे विदेशी नागरिकों के नियमानुसार सत्यापन की मांग की। संगठन का कहना था कि जो लोग अवैध रूप से निवास कर रहे हैं, उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। हिंदू सेना के सदस्यों ने कहा कि हिंदुओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार के अत्याचार को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और इस दिशा में राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर शीघ्र व प्रभावी कदम उठाने चाहिए। इस मौके पर हिंदू सेना के अजीत सिंह (भीम सिंह), द्वीपल विश्वास, संजीव आचार्य, ललन चौहान, संजीव सिंह, राहुल दुबे, माधव सिंह, विकास शर्मा, उमेश ठाकुर सहित संगठन के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन और संकल्प का प्रतीक : राज्यपाल

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

- राज्यपाल ने दिया नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्व का संदेश

दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रतीक होता है। यह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन के एक नए चरण में प्रवेश का संकेत भी है। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को जमशेदपुर स्थित श्रीनाथ विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कही। राज्यपाल ने अपने संबोधन के दौरान विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व को भी समान रूप से महत्व दें। रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक का निर्माण करना भी है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने राज्य में स्थापित निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्धारित सभी मापदंडों का पूर्णतः पालन करें। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएं और अकादमिक अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रबंधन से सक्रिय एवं प्रभावी प्लेसमेंट व्यवस्था विकसित करने पर विशेष बल दिया, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को शिक्षा, उद्योग और समाज के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त हो सके। इसके साथ ही राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान करने तथा विश्वविद्यालय के आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को नवाचार, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता से जुड़ी शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, सृजनशील और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाना है। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, विश्वविद्यालय के अधिकारी और अभिभावक उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

पेड़ से लटका मिला किशोरी का शव

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिला के बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत मटिहाना पंचायत स्थित कोटशोल गांव में बुधवार को एक किशोरी का शव उसके घर के पास पेड़ से लटकता हुआ मिला। मृतका की पहचान गुलाब मांडी की 17 वर्षीय पुत्री जोवा मांडी के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, जोवा मांडी ने घर के समीप स्थित एक पेड़ पर अपने दुपट्टे के सहारे गले में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों और ग्रामीणों ने जब किशोरी को पेड़ से लटका देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। बहरागोड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला भेज दिया है। फिलहाल किशोरी की ओर से खुदकुशी किए जाने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हथियार के साथ चार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जिले के ओलीडीह क्षेत्र में पुलिस ने समय रहते एक बड़ी आपराधिक साजिश को विफल कर दिया। हत्या की योजना बनाकर जुटे चार युवकों को पुलिस ने हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में मोनी मोहंती उर्फ चितरंजन मोहंती, विकास मंडल, अंकित सिंह उर्फ बंगाली और प्रिंस कुमार शर्मा उर्फ बाबु उर्फ शूटर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी आदर्शनगर निवासी शिवम मिश्रा की हत्या की योजना बना रहे थे। बुधवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि पुलिस को मंगलवार देर रात गुप्त सूचना मिली थी कि ओलीडीह क्षेत्र के मुर्दा मैदान में कुछ युवक संदिग्ध स्थिति में एकत्र हैं और किसी बड़ी वारदात की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल इलाके की घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, झाड़ियों के पास बैठे चार युवक भागने लगे, जिन्हें पीछा कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान मोनी मोहंती के पास से एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया, जबकि दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि बरामद हथियार पूरी तरह इस्तेमाल के लिए तैयार था। पूछताछ के दौरान मोनी मोहंती ने स्वीकार किया कि आदर्शनगर निवासी शिवम मिश्रा ने उसकी भांजी से छेड़छाड़ की थी। इसी रंजिश में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर शिवम मिश्रा की हत्या की योजना बनाई थी। आरोपितों ने कई दिनों तक शिवम की रेकी की और पहले भी उसके घर जाकर धमकाने की कोशिश की थी। एक दिन शिवम घर पर नहीं मिला तो उसके परिजनों को डराया गया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार की रात आरोपित एक बार फिर हत्या की नीयत से मौके पर जुटे थे, तभी पुलिस ने कार्रवाई कर चारों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपित मोनी मोहंती उर्फ चितरंजन मोहंती पहले से कई गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ मारपीट, रंगदारी, जानलेवा हमला, आर्म्स एक्ट और पोक्सो एक्ट के तहत पहले भी मामले दर्ज हैं। अन्य आरोपितों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस पदाधिकारी शारीक अली, विष्णु चरण भोगता, विवेक पाल, विजय कुमार, अभिषेक कुमार और ओलीडीह ओपी के सशस्त्र बल शामिल थे।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो संदिग्ध माओवादी गिरफ्तार

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान के तहत नियमित गश्ती के दौरान पुलिस ने माओवादी गतिविधियों में संलिप्त होने के संदेह में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इसके पास से माओवादी संगठन से जुड़े पर्चे और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 23 दिसंबर को मनोहरपुर थाना पुलिस सशस्त्र बल के साथ क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि ग्राम नंदपुर के सुरिन टोला क्षेत्र में दो संदिग्ध व्यक्ति घूम रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एसपी अमित रेणु को अवगत कराते हुए तत्काल कार्रवाई की। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची और वाहन से उतरी, तो दोनों संदिग्ध खेत की ओर भागने लगे, लेकिन सशस्त्र बल के सहयोग से घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार युवकों की पहचान दुर्जन जाटे उर्फ दुर्गा जाटे (29) और विमल नाग (22 वर्ष) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान दुर्जन जाटे के पास से भाकपा (माओवादी) संगठन से संबंधित पर्चा बरामद किया गया, जबकि विमल नाग के पास से काले रंग का कीपैड मोबाइल फोन मिला। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अमित रेणु के अनुसार मामले की गहन जांच की जा रही है, ताकि इनके माओवादी नेटवर्क से जुड़े अन्य संपर्कों का भी पता लगाया जा सके।

झारखंड के 13 जिलों में बढ़ेगी ठंड, राजधानी रांची में शीतलहर का अलर्ट

रांची। झारखंड में ठंड ने अपना असर और तेज कर दिया है। मौसम विभाग ने गुरुवार को राज्य के 13 जिलों में शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 24 और 25 दिसंबर को राज्य के कई हिस्सों में ठंडी हवाओं के कारण तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग ने जिन जिलों में शीतलहर की संभावना जताई है, उनमें मध्यवर्ती जिले रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, सिमडेगा, बोकारो, कोडरमा और धनबाद शामिल हैं। इसके अलावा पश्चिमी झारखंड के जिले पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा भी शीतलहर की चपेट में रहेंगे। मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बर्फबारी के कारण वहां से निकलने वाली ठंडी हवाएं देश के मध्यवर्ती हिस्सों में प्रवेश कर रही हैं। इसी का असर झारखंड सहित कई राज्यों में देखने को मिल रहा है, जहां शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। शीतलहर के प्रभाव से राज्य के विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट की संभावना है। खासकर रांची और आसपास के इलाकों में कनकनी बढ़ने से लोगों को सुबह और रात के समय ज्यादा ठंड का सामना करना पड़ सकता है। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में तापमान में काफी अंतर देखा गया। चाईबासा में जहां सबसे अधिक तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं गुमला में सबसे कम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को रांची समेत कई जिलों में सुबह से ही मध्यम गति की ठंडी हवाएं चलती रहीं। इससे पूरे दिन लोगों को ठंड का अहसास होता रहा। हालांकि, राहत की बात यह रही कि मौसम साफ रहा, जिससे लोगों ने धूप का आनंद लिया और दिन में कुछ हद तक ठंड से राहत मिली। राज्य के प्रमुख शहरों के तापमान की बात करें, तो रांची में अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर में 26.2 और 12.6 डिग्री, डाल्टनगंज में 23.2 और 6.1 डिग्री, बोकारो में 22.5 और 8.2 डिग्री, चाईबासा में अधिकतम तापमान डिग्री 26.8 और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया इस बीच मौसम विभाग ने लोगों को शीतलहर के दौरान गरम कपड़े पहनने, सुबह-शाम अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा
E-mail - eercdgarhwa-jhr@nic.in, Ph.: 06561-223543
प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में गैर योजना मद से आवंटित कार्य से संबंधित संवेदकों को इस कार्यालय के विभिन्न पत्रों से पूर्व में औपबंधिक कार्यादेश निर्गत करते हुए अवशेष जमानत की राशि जमा कर एकरारनामा संपादन हेतु निर्देश/आदेश निर्गत किया गया था। परन्तु, वर्तमान अवधि तक निम्नांकित संवेदकों द्वारा अवशेष जमानत की राशि जमा नहीं किया गया है, न हीं, उनके द्वारा आवंटित कार्यों को निर्धारित अवधि में पूर्ण करने हेतु सार्थक पहल किया जा रहा है।

क्रम सं0	संवेदक का नाम	निर्गत आदेश का प्रसंग
1	मे0 माँ मुण्डेश्वरी इंटरप्राईजेज, ग्राम+पो0–करीवाडीह, खरौंधी, गढ़वा	पत्रांक 1197, दि0–28.11.25
2	अंकिता कुमारी, ग्राम–कुशीडीह, पो0–हल्का, थाना–हरिहरगंज, पलामू (02 अद्द कार्य)	पत्रांक 1043, दि0–26.09.25 पत्रांक 1196, दि0–28.11.25
3	सुमंत कुमार गुप्ता, बैतरे, पो0–अमरोरा, थाना–खरौंधी, गढ़वा	पत्रांक 1198, दि0–28.11.25

अतः प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि अवशेष जमानत की राशि के साथ प्रमण्डलीय कार्यालय में 03 दिनों के अंदर उपस्थित होकर एकरारनामा संपादित कराते हुए इस कार्यालय द्वारा निर्गत आदेश के आलोक में निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा निविदा शर्तों के आलोक में आपके द्वारा निविदा में जमा जमानत की राशि को जब्त कर आपके विरूद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी जायेगी।

इसे अतिआवश्यक समझें।

कार्यपालक अभियंता,
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल,
गढ़वा।

PR 369313 Road(25-26)D

Government of Jharkhand
Rural Works Department
JHARKHAND STATE RURAL ROADS DEVELOPMENT AUTHORITY (JSRRDA)
3rd Floor, F.F.P. Building, Dhurwa, Ranchi 834004

NOTICE INVITING TENDERS
(National Competitive Bidding Through e-Procurement)
Re-eTender **No.- 08/ 2025-26-987 (Encl)** **Ranchi, Dated: 24.12.2025**
PR No- 364457 dated 18.10.2025 (3rd Call)

The undersigned on behalf of Government of Jharkhand invites item rate bids through e-Procurement from the eligible bidders registered* in appropriate class with any State/Central Government/State /Central Government Organization for construction and maintenance for five years of the works (List of schemes shall be displayed in the website pmgsytendersjhr.gov.in) of Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna PM-JANMAN (Batch-1, 2025-26).

Sr. No	District Name	Block Name	Tendering Package	Road Name / Bridge Name	Road Length (Kms) (in lakhs)	Sanction Construction Cost (in lakhs)	Sanction Maintenace Cost	Total Sanction Cost with Maint. (in lakhs)	Total Package Cost (in lakhs)	Earnest Money (In Lakh)	Time of Completion (in month)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	Garhwa	Bhandaria	JH-07-PMJANMAN-GAR-01 (2025-26)	L021-Bathan Toli To Kochli (Barkol Kalan)	3.400	275.68	30.01	305.69	1,288.48	25.77	18
	Garhwa	Bhandaria		L023-Madgari Road To Totki	4.300	369.92	36.41	406.33			
	Garhwa	Chinia		L023-Pmgsy Uday More To Parsukhar Road	2.000	177.58	18.25	195.83			
	Garhwa	Ranka		L022-Pwd Main Road To Amhar	3.800	347.95	32.68	380.63			
2	Garhwa	Ramkanda	JH-07-PMJANMAN-GAR-03 (2025-26)	L021-Kuswar To Sarkahi Main Road	1.000	83.89	9.21	93.10	1,199.37	23.99	18
	Garhwa	Chinia		L025-Chapla Alias Chophlo More To Dogwa Khar	2.500	228.65	23.68	252.33			
	Garhwa	Chinia		L021-Rotohi mahua Tola To Chhateliya Road	4.040	365.74	36.92	402.66			
	Garhwa	Chinia		L024-Pmgsy Side To Piahiya village Road	4.750	411.77	39.51	451.28			
		Total			**25.79**	**2261.18**	**226.67**	**2487.85**	**2487.85**		

The bid should be submitted online in the website **pmgsytendersjhr.gov.in**. The bidders should have valid Digital Signature Certificate for online submission of bid.
Details of bid submission is as under:

Procurement Officer	Place of Opening	Availability of tender (on-line) for bidding		Last date & time of seeking clarification	Last date and time of bid submission	Date & time of opening (online) of tender	
		From	To			Technical bid	Financial bid
1	2	3	4	5	6	8	9
Engineer in Chief, JSRRDA, Ranchi	Engineer in Chief JSRRDA, Ranchi	**26.12.2025 at 10.00 AM**	**09.01.2026 upto 5.00 PM**	**02.01.2026 upto 2.00 PM**	**09.01.2026 upto 5.00 PM**	**09.01.2026 at 05.30 PM**	To be informed later

** Non-registered bidders may also submit bid, however the successful bidders must get registered in appropriate class with appropriate authority before signing the contract.*
*** Cost may change.*

Note :-
1. Amount of Bid Security should be taken as mentioned in the Bid Data Sheet of the Bidding Document.
2. Cost of Bid Document (Rs. 10000) and Bid Security (as mentioned in the Bid Data Sheet) shall be deposited **online** in form as mentioned in Bid Data Sheet failing which the bid will be treated non responsive and action shall be taken as per Sec. 2 of ITB clause 12.2 (d).
3. In case, it is found, even after the award of work that the bidder has submitted/ uploaded any false/erroneous/fraudulent statement/document, he/she is liable for blacklisting and forfeiture of Bid Security.
4. Bidders must submit GST registration certificate without which bid is liable to be rejected.
5. Bidders whose names appear in the Debar/blacklist of RWD or any department of GoJ/GoI (including JSRRDA) shall not be allowed to participate in the above bids.
6. Bids submitted by bidders, who have long pending ATR(s) made inordinate delay in execution of earlier allotted construction/ maintenance works of PMGSY, may be rejected summarily.
7. In case of any discrepancy/dispute about units in BOQ, units as mentioned in Current SOR on which BOQ has been prepared shall prevail.
8. Participating bidders are free to submit grievances, if any, against the decision of technical evaluation within five days from the date of uploading of decision of technical evaluation only through email at **jh-ce@pmgsy.nic.in** Grievance submitted after stipulated period shall not be considered.
9. Bidders must have valid registration with Employee Provident Fund organization under EPF and Miscellaneous Provisions Act 1952 failing which the bid shall be rejected.
10. Bidders must not quote rate for routine maintenance. The amount for routine maintenance as indicated in the Bill of Quantities must be acceptable to bidders.
11. For unbalanced bids, extra security will be required to be deposited by the bidder at the time of Agreement.
12. The undersigned reserves the right to cancel the tender at any stage without giving prior notice/reason.

All other details can be seen in the bidding document which is available in website **pmgsytendersjhr.gov.in** as per schedule mentioned above.

Sd/- Engineer-in- Chief
Rural Works Department- Cum- JSRRDA, Ranchi

PR.NO.369321 Rural Work Department(25-26):D

कांग्रेस नेतृत्व से नाराज हैं शरद पवार: उद्धव ठाकरे

एमवीए में खींचतान की इनसाइड स्टोरी क्या

मुंबई/नई दिल्ली , एजेंसी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका समेत महाराष्ट्र की 29 महानगर पालिकाकाओं के चुनाव अगले महीने 15 जनवरी को होने हैं लेकिन विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) आपस में ही बंटी नजर आ रही है। हालात ऐसे हैं कि एमवीए के दो घटक दल (शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना) तीसरे घटक दल यानी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से नाराज हो चले हैं। इसकी वजह कांग्रेस की वो महत्वाकांक्षा है, जिसके तहत कांग्रेस ने सबसे बड़ी महानगरपालिका के चुनावों में अकेला उतरने का ऐलान किया है और अब तक उस पर अड़ी हुई है।

कांग्रेस की तरफ से यह ऐलान तब किया गया था, जब ठाकरे बंधुओं (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) में नजदीकियां बढ़ी थीं। अब जाकर दोनों भाइयों के बीच बीएमसी चुनाव को लेकर सहमति बन चुकी है, जिस पर बातचीत काफी समय से चल रही थी। हालांकि, सीट बंटवारे का ऐलान बुधवार को होना है लेकिन उससे पहले कांग्रेस को मनाने का दौर शुरू हो चुका है। सेना गुट के सांसद संजय राउत ने कांग्रेस नेताओं से इस बावत बात की है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने के एकतरफा फैसले से शरद पवार और उद्धव ठाकरे खुश नहीं हैं। हालांकि, उनके सामने गठबंधन को बचाने की भी चुनौती है। लिहाजा, उन्हें मनाने के लिए कांग्रेस आलाकमान के साथ पर्दे के पीछे बातचीत अभी भी जारी है।

कांग्रेस क्यों भाग रही दूर: दरअसल, पिछले लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में विपक्ष ने महाविकास अघाड़ी के रूप में मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसमें शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) शामिल थे लेकिन बीएमसी चुनाव की बारी आई तो इस गठबंधन में दरार देखने को मिल रही है क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) दोनों एक नए पार्टनर, एमएनएस को शामिल करना चाहते हैं, जबकि कांग्रेस नहीं चाहती कि इस गठबंधन में एमएनएस शामिल हो। इसलिए कांग्रेस ने खुद को दूर कर लिया है।

शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के बीच गठबंधन का ऐलान बाकी: बता दें कि ठाकरे भाइयों ने हाल ही में हाथ मिलाया है। उन्हें राज्य में सत्ताधारी महायुति सरकार के खिलाफ कई मौकों पर एक साथ खड़े देखा गया है। बीएमसी चुनावों की घोषणा के बाद, शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के बीच गठबंधन की औपचारिक घोषणा होनी बाकी है। दरअसल, उद्धव ठाकरे का मानना है कि वोटों के बंटवारे से बचने के लिए भाजपा के खिलाफ सामूहिक रूप से चुनाव लड़ना चाहिए और इसी वजह से वह अपने चचेरे भाई राज ठाकरे से हाथ मिलाने को तैयार हुए हैं। उनका मानना है कि ठाकरे परिवार की एकजुटता ही बीएमसी पर कब्जा दिला सकता है लेकिन इस सियासी लड़ाई में उद्धव ठाकरे कांग्रेस को भी साथ रखना चाहते हैं ताकि सत्ता पक्ष एमवीए में बिखराव का फायदा न उठा सके।

संजय राउत ने राहुल गांधी को किया फोन: सूत्रों ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने सामूहिक लड़ाई के लिए हाथ मिलाने के मकसद से ही राहुल गांधी से फोन पर बात की है। ताकि बीएमसी चुनाव महाविकास अघाड़ी के रूप में लड़ा जा सके। शरद पवार और उद्धव ठाकरे भी इसीलिए कांग्रेस को मनाने में जुटे हैं क्योंकि हाल ही में हुए 288 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के स्थानीय निकाय चुनावों में, भाजपा 117 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना और एनसीपी) ने मिलकर 200 का आंकड़ा पार कर लिया है। इस चुनाव को बीएमसी चुनाव से पहले सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। इसलिए विपक्ष किसी भी सूरत में वोटों के बंटवारे का जोखिम नहीं उठाना चाहता।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के रूट से हटेंगे 4 अंडरपास, समय पर काम पूरा करने के लिए बड़ा फैसला

गुरुग्राम, एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण में चार अंडरपास शामिल नहीं होंगे। इस फैसले पर मंगलवार को गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) बोर्ड की बैठक में मुहर लग गई। जीएमआरएल फिलहाल बख्तावर चौक और कृष्णा चौक पर दो अंडरपास का निर्माण करवाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण में छह अंडरपास आ रहे हैं।

इनमें बख्तावर चौक, रेलवे रोड, सेक्टर-पांच से शीतला माता रोड, कृष्णा चौक, रेजांगला चौक और सुशील ऐमा मार्ग से ओल्ड दिल्ली रोड शामिल हैं। मंगलवार सुबह जीएमआरएल की अध्यक्ष डी तारा की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन हुआ। इसमें जीएमआरएल के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रशेखर खरे के अलावा एचएमआरटीसी, जीएमडीए और एचएसवीपी के अधिकारी शामिल हुए। जीएमआरएल ने इस बैठक में पक्ष रखा कि ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण दो चरणों में हो रहा है। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर से लेकर सेक्टर-नौ तक का टेंडर आवंटित किया जा चुका है।

पहले चरण में बख्तावर चौक अंडरपास शामिल है, जिसे इस टेंडर में शामिल किया है। दूसरे चरण के तहत सेक्टर-9से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी तक मेट्रो निर्माण प्रस्तावित है। रूट में पांच अंडरपास आ रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि गत 17 नवंबर को जीएमआरएल और जीएमडीए के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट का निरीक्षण किया था। इस दौरान पाया कि रेलवे रोड, सेक्टर-5 से शीतला माता रोड, रेजांगला चौक और सुशील ऐमा मार्ग से ओल्ड दिल्ली रोड पर प्रस्तावित अंडरपास मेट्रो रूट के बीच में नहीं आ रहे हैं।

कार्य तय समय पर होगा: अधिकारी ने बताया कि यदि इन सभी अंडरपास का निर्माण ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण के दौरान किया जाता है तो लोगों को यातायात संबंधी असुविधा होगी। इससे परियोजना को निर्धारित समयावधि में पूरा करने में दिक्कत आएगी। ऐसे में फैसला लिया कि जीएमडीए के खर्चे पर बख्तावर चौक और कृष्णा चौक अंडरपास का निर्माण जीएमआरएल की तरफ से किया जाएगा।

नमो भारत स्टेशन का डिजाइन तैयार किया जा रहा: एनसीआरटीसी ने दिल्ली के सराय रोहिल्ला से गुरुग्राम होते हुए बावल तक नमो भारत ट्रेन के संचालन के तहत डीएलएफ साइबर सिटी में एक स्टेशन प्रस्तावित है। इस स्टेशन का विरोध एचएसआईआईडीसी ने किया था। इसको लेकर एनसीआरटीसी की तरफ से इस स्टेशन का नया डिजाइन तैयार किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर : गुलमर्ग और पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे गिरा, श्रीनगर में बढ़ा

श्रीनगर , एजेंसी। जम्मू और कश्मीर में बुधवार को श्रीनगर शहर में रात का तापमान फ्रीजिंग पॉइंट से ऊपर रहा, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम हिल स्टेशनों पर यह शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। मौसम विभाग ने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस था, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम में यह क्रमशः माइनस 4.2 और माइनस 2.2 डिग्री था। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस, कटरा शहर में 9.4, बटोटे में 4.2, बनिहाल में 6.4 और भद्रवाह में 0.6 डिग्री रहा।

मौसम विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश में 31 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान लगाया है और कहा है कि साफ आसमान के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है।

कड़ाके की ठंड का 40 दिन का समय जिसे 'चिल्लई कलां' कहा जाता है, 21 दिसंबर को एक अच्छी शुरुआत के साथ शुरू हुआ, क्योंकि घाटी के सभी ऊंचे इलाकों में बहुप्रतीक्षित बर्फबारी हुई, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई।

इस बारिश ने 3 महीने के सूखे को खत्म कर दिया, जिससे घाटी में समस्याएं पैदा हो गई थीं, क्योंकि ज्यादातर लोगों ने सर्दी, फ्लू और सीने से संबंधित बीमारियों की शिकायत की थी।

बारिश और बर्फबारी ने होटल मालिकों, टूर और ट्रैवल ऑपरेटरों और पर्यटन उद्योग से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े अन्य लोगों में भी उम्मीद जगाई है। ये लोग अब क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर गुलमर्ग और अन्य हिल स्टेशनों पर पर्यटकों के आने का इंतजार कर रहे हैं।

स्कीयरों के भी गुलमर्ग आने की उम्मीद है क्योंकि यह रिसॉर्ट अपनी शानदार स्की ढलानों के कारण 'स्कीयरों के स्वर्ग' के रूप में जाना जाता है। सैकड़ों-हजारों प्रवासी पक्षी सर्दियों के दौरान घाटी के गर्म वातावरण में रहने आते हैं। ये पक्षी हाल की बारिश के बाद अब अपने सुरक्षित ठिकानों से बाहर निकलने लगे हैं। वे अब भोजन की तलाश में खुले खेतों और दलदली इलाकों की ओर जा रहे हैं।

सुबह और शाम के समय आसमान में कतार बनाकर उड़ते इन रंग-बिरंगे और चहचहाते पक्षियों को देखने का नजारा बहुत सुंदर होता है। यह खूबसूरत नजारा यहां के लोगों के लिए सैकड़ों सालों से एक परंपरा जैसा बन गया है। क्योंकि ये पक्षी घाटी में पर्यावरण और पारिस्थितिकी के सबसे भरोसेमंद संकेतकों में से भी एक हैं।

इन पक्षियों के आगमन, उनके स्वास्थ्य और चहचहाट से स्थानीय लोगों को भरोसा होता है कि पर्यावरण के मोर्चे पर अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है, और अगर सही देखभाल और सावधानी बरती जाए, तो 'धरती पर स्वर्ग' के रूप में कश्मीर की ख्याति बनी और बची हुई रह सकती है।

दिल्ली से भी ज्यादा जहरीली नोएडा की हवा, महीने में चौथी बार रहा सबसे प्रदूषित

नोएडा, एजेंसी। नोएडा मंगलवार को एक बार फिर देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां का एक्यूआई 424 दर्ज किया गया। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 388 रहा। इस महीने में चार बार नोएडा देश का सबसे अधिक प्रदूषित शहर रहा। नोएडा का एक्यूआई इस महीने में छह बार गंभीर श्रेणी में जा चुका है। नोएडा का एक्यूआई सोमवार के मुकाबले में मंगलवार को 60 अंक अधिक रहा। वहीं, ग्रेनो का एक्यूआई 56 अंक अधिक बढ़ा। जिले का सबसे वायु प्रदूषित स्थान सेक्टर-1 रहा। यहां का एक्यूआई 460 दर्ज किया गया। सभी स्थानों पर पीएम 2.5 का स्तर पीएम 10 के स्तर से अधिक था। मंगलवार को सुबह आठ बजे तक थोड़ा कोहरा था। इसके बाद धूप निकली। गौतमबुद्ध नगर में दिन में 13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चली। इसके बावजूद दिन में वायु प्रदूषण कम नहीं हुआ। नोएडा का अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले के मुकाबले तापमान दो डिग्री बढ़ा। अगले छह दिनों तक सुबह कोहरे का अनुमान है। लिहाजा हवा की गति कम होने की स्थिति में एक्यूआई 400 के आसपास रहने का अनुमान है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने निर्माण सामग्री न ढंकने पर मंगलवार को एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

हिंदू परिवार एक बच्चे तक सीमित रखने के बजाय 3-4 पैदा करने पर करें विचार: नवनीत राणा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी की नेता व पूर्व सांसद नवनीत राणा ने हिंदू समुदाय के लोगों से बड़ा परिवार रखने की अपील की। राणा ने कहा कि कुछ समूह भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को बदलने के इरादे से जानबूझकर अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने यह रेखांकित करते हुए कि हिंदू परिवारों को खुद को एक बच्चे तक सीमित रखने के बजाय तीन या चार बच्चे पैदा करने पर विचार करना चाहिए। नवनीत राणा ने महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति, विशेष रूप से शिवसेना (उद्धव) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बीच गठबंधन पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे का नेतृत्व कमजोर हुआ है। उन्होंने यह भविष्यवाणी भी की कि आगामी चुनावों में यह गठबंधन खराब प्रदर्शन करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन बृहन्मुंबई नगर निगम पर नियंत्रण हासिल करेगा।

कोई ताकत भाजपा को जनजातीय लोगों के लिए काम करने से नहीं रोक सकती: माणिक साहा

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) पर तीखा हमला बोला। टीएमपी ने कथित तौर पर बयान दिया था कि त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) में भाजपा को काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साहा ने जोर देकर कहा कि कोई भी ताकत भाजपा को जनजातीय क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करने और जनजातीय लोगों के लिए काम करने से नहीं रोक सकती। खोवाई जिले के बैजल बारी में एक पार्टी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा में ब्लैकमेल और धमकियों पर आधारित राजनीति अब नहीं चलेगी। हमें पार्टी कार्यक्रम आयोजित करने या जनता के लिए काम करने से कोई नहीं रोक सकता। ब्लैकमेल और

धमकी की राजनीति अब नहीं चलेगी। साहा ने कहा कि जनजातीय महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम को बाधित करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि हमारे संरक्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। हम संवाद और शांति चाहते हैं, अशांति नहीं। कानून व्यवस्था संवैधानिक तरीकों से सख्ती से कायम रखी जाएगी। भाजपा कभी भी अराजकता में विश्वास नहीं करती। बाहरी दबाव की रणनीति से तुलना करते हुए मुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तान परमाणु हमलों की धमकी देकर ब्लैकमेल करता था। इसी तरह, अब एक और पार्टी सीपीआई (एम) के सत्ता में आने की बात कहकर ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रही है, और सभी जानते हैं कि भाजपा 2018 में सत्ता में कैसे आई। साहा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सरकारों को महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए काम करने का निर्देश दिया है, और त्रिपुरा सरकार भी उसी राह पर चल रही है। उन्होंने कहा कि हम मिलकर एक नया त्रिपुरा बनाना चाहते हैं।

गाजियाबाद में धार्मिक नारे लगा शौचालय पर चिपकाए विवादित पोस्टर, माहौल बिगाड़ने की कोशिश

गाजियाबाद , एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय पर विवादित पोस्टर चस्पा कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवा धार्मिक नारे लगाते हुए पहुंचे और पोस्टर चस्पा किया। मामले का वीडियो वायरल होने पर तनाव बढ़ गया, जिसके बाद पुलिस ने चार नामजद और अन्य अज्ञात पर केस दर्ज किया है। हालांकि, 'हिन्दुस्तान' वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। घटना 20 दिसंबर की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, घंटाघर में गश्त के दौरान पुलिस टीम दिल्ली जूस कॉर्नर के पास पहुंची, जहां कुछ लोग मोबाइल पर वीडियो देखते हुए इकट्ठा थे। पुलिस ने जांच की तो उसमें रमतेराम रोड स्थित लेबर चौक के सार्वजनिक शौचालय की दीवार पर विवादित पोस्टर चस्पा करते हुए तीन-चार युवक दिखाई दिए। वीडियो में हरे रंग के कागज पर सफेद रंग से आपत्तिजनक शब्द लिखे होने की बात सामने आई। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, जहां दीवार पर वही पोस्टर चस्पा मिला। मौके पर मौजूद शौचालय की देखभाल करने वाले कर्मचारी ने पुलिस को बताया कि 19 दिसंबर की रात करीब साढ़े दस बजे पांच-छह युवक धार्मिक नारे लगाते हुए आए थे। मना करने के बावजूद उन्होंने शौचालय की दीवार पर कई पोस्टर चस्पा कर दिए और मौके से चले गए। वर्तमान में दीवार पर एक पोस्टर ही लगा हुआ था।

50 सीटों पर मानने को तैयार नहीं शिंदे सेना, भाजपा भी अडिग

बीएमसी चुनाव से पहले महायुति में घमासान

मुंबई, एजेंसी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों के लिए महायुति गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध बरकरार है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना भाजपा के 50 सीटों के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर रही है। शिंदे सेना खुद 80 से 90 सीटों की मांग कर रही है। बीएमसी की कुल 227 सीटों में भाजपा 150 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रख रही है, शिंदे सेना को 50 सीटें और अल्पसंख्यक बहुल इलाकों की अधिकतर 27 सीटें अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को देने की योजना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, शिंदे ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उनका तर्क है कि उनके पास लगभग 100 योग्य उम्मीदवार हैं, जिनमें कई पूर्व पार्षद शामिल हैं। शिंदे ने भाजपा नेतृत्व से कहा- शिवसेना मुंबई की मुख्य पार्टी है, इसलिए कम से कम 80 से 90 सीटें मिलनी चाहिए। यदि कम सीटें दी गईं तो बीएमसी चुनाव की उम्मीद में शिवसेना में शामिल हुए लोगों को समायोजित करना मुश्किल होगा।

शिंदे ने चेतावनी दी कि इससे असंतोष बढ़ सकता है और नाराज उम्मीदवार उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) में वापस लौट सकते हैं, जो महायुति के लिए नुकसानदेह होगा। साथ ही, इससे मराठी मतदाताओं को गलत संदेश जाएगा, जो बीएमसी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

हालांकि, भाजपा अपनी स्थिति पर अड़ी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा- शिवसेना को 80 सीटें भी नहीं दे सकते। अधिकतम 60 सीटों का प्रस्ताव दे सकते हैं। यदि शिंदे अपनी मांग पर अड़े रहे तो हम उन्हें अलग चुनाव लड़ने के लिए कह सकते हैं। ऐसे में शिवसेना की मांग वाली 27 सीटें अजित पवार की एनसीपी को दे दी जाएंगी और भाजपा करीब 200 सीटों पर लड़ेगी। 50 प्रतिशत स्ट्राइक रेट से भी हम सत्ता में आ सकते हैं, लेकिन कम सीटें लड़ने से भाजपा को कोई फायदा नहीं होगा। भाजपा अपने रुख पर कायम दिखाई दे रही है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि शिंदे के 90 सीटों की मांग पर अड़े रहने के बाद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बीएमसी चुनावों के लिए अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को मजबूती से गठबंधन में शामिल करने का फैसला किया है।

फिलहाल, महायुति के घटक दलों के बीच सहमति न बनने से बीएमसी चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सीट बंटवारे का यह विवाद आने वाले दिनों में गठबंधन की एकता और चुनावी रणनीति दोनों के लिए बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।

1 जनवरी से 15 दिन बंद रहेंगे स्कूल, कड़ाके की ठंड देखते हुए हरियाणा राज्य का फैसला

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए राज्य सरकार ने शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। राज्य के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूल 1 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे। इसके बाद 16 जनवरी से सभी स्कूल पहले की तरह नियमित रूप से खुल जाएंगे। इस संबंध में विद्यालय शिक्षा निदेशालय, पंचकूला की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड मौलिक शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रभारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अवकाश संबंधी निर्देशों की सख्ती से पालन सुनिश्चित की जाए। शीतकालीन अवकाश के दौरान सीबीएसई, आईसीएसई सहित अन्य बोर्डों के मानकों के अनुसार अगर आवश्यक हो, तो 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को निर्धारित शेड्यूल के तहत प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए विद्यालय बुलाया जा सकता है। यह व्यवस्था केवल बोर्ड कक्षाओं के लिए लागू होगी। सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके। सभी शिक्षा अधिकारियों को अपने अधीनस्थ विद्यालयों में आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्रिसमस से ही शुरू हो जाएगा छुट्टियों का सिलसिला: शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, राज्य के सभी स्कूल 1 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे। नए साल से पहले क्रिसमस के मौके पर ही छुट्टियों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी रहेगी। इसके बाद 26 को उधम सिंह जयंती और 27 दिसंबर को गुरु गोबिंद सिंह जयंती की छुट्टी रह सकती है और फिर 28 दिसंबर को रविवार होगा। 1 जनवरी से फिर विंटर ब्रेक शुरू हो जाएगा। इसके बाद 16 जनवरी 2026 से स्कूल पहले की तरह नियमित रूप से खुलेंगे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

क्या किसी दबाव और तनाव से गुजर रहे हैं पायलट

यह किसी भी सार्वजनिक जगह पर एक सामान्य अपेक्षा है कि लोग नागरिक बोध और संवेदनशीलता का परिचय दें और दूसरों का भी खयाल रखें। मगर हवाईअड्डे जैसी जगह पर कोई पायलट अगर खुद ही सुरक्षा जांच पंक्ति तोड़ने की ओर ध्यान दिलाए जाने पर बेकाबू और हिंसक हो जाए, तो यह एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति है।गौरतलब है कि दिल्ली हवाईअड्डे पर छोटा बच्चा साथ होने की वजह से एक यात्री और उसके परिवार को कर्मचारियों के लिए निर्धारित सुरक्षा जांच गेट से जाने को कहा गया था। मगर वहां कुछ कर्मचारी आगे निकलने की होड़ में थे।खबर के मुताबिक, जब यात्री ने ऐसा करने पर टोका तो एक व्यक्ति ने उससे बदतमीजी की और उस पर हमला कर दिया। विडंबना यह है कि अपना आपा खोकर यात्री पर हमला करने वाला व्यक्ति पायलट है, जो उस वक्त ड्यूटी पर नहीं था।यह सही है कि घटना के वक्त हमलावर हो जाने वाला पायलट उस वक्त ड्यूटी पर नहीं था, लेकिन उससे किस तरह के बर्ताव की उम्मीद की जाती है। अगर विमान में कभी बेहद विषम और उथल-पुथल से भरे हालात पैदा हो जाएं, तो ऐसे में भी ड्यूटी पर मौजूद पायलट को शांति और धीरज से काम लेना पड़ता है, परेशान यात्रियों की बातों को सुनना और उन्हें समझाना होता है।संभवत- यह पक्ष पायलट बनने के प्रशिक्षण में भी शामिल होगा। हैरानी की बात है कि एक मामूली बात पर ऐसा व्यक्ति नाहक ही हिंसक हो गया, जो खुद पायलट है और विमान उड़ाने जैसी बेहद संवेदनशील जिम्मेदारी भी निभाता है।घटना सामने आने के बाद संबंधित पायलट को ड्यूटी से हटा देने की खबर आई। मगर इस पहलू पर भी विचार करने की जरूरत है कि पायलट और विमानन कंपनियों से जुड़े कर्मचारी अव्यवस्था के बीच क्या किसी तरह के दबाव और तनाव से गुजर रहे हैं और ऐसे में कई बार आपा भी खो रहे हैं! हाल के दिनों में विमानों की उड़ान में जिस तरह की व्यापक अव्यवस्था देखी गई, उसमें यह वाकया एक और नकारात्मक संदेश देता है।

बचपन को किधर ले जा रहा एआई? आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से लैस खिलौने जीत रहे बच्चों का दिल

(अभिषेक पाण्डेय) इस क्रिसमस पर बच्चों को एआई-संचालित खिलौने मिलेंगे जो बातचीत करेंगे और सिखाएंगे। चीन, जो वैश्विक खिलौना बाजार का बड़ा हिस्सा है, एआई को बढ़ावा दे रहा है। शहरों के स्कूल चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बच्चों के लिए नए अवसर खुल रहे हैं, लेकिन इसके जोखिम भी हैं। सांस्कृतिक तौर पर भारतीयता की वापसी के दौर के बावजूद क्रिसमस की धूम कम नहीं होने जा रही। इस बार क्रिसमस पर जब बच्चे हैरतभरी उत्सुकता से गिफ्ट पैक खोलेंगे तो उन्हें ऐसे उपहार मिल सकते हैं, जो उनसे बातचीत करें, उनकी पढ़ाई में काम आएं या फिर सीखने के मोर्चे पर नए सिरे से जुटने की सीख दें। इस बार आखिर ऐसे सरप्राइज की उम्मीद क्यों है? इसका जवाब है, चीन के खिलौना निर्माताओं की सोच। चीनी खिलौना उद्योग की धमक। चीनी खिलौना उद्योग ने साल 2025 को कृत्रिम बुद्धिमता यानी एआई वर्ष घोषित कर रखा है। इसके तहत वहां ऐसे रोबॉट और टेडी बियर बन रहे हैं, जो बच्चों को सिखा सकते हैं, उनके साथ खेल सकते हैं और उन्हें कहानियां सुना सकते हैं। ध्यान रहे, वैश्विक खिलौना बाजार में चीन की भारी हिस्सेदारी है। दुनिया के 70-80 फीसदी खिलौने चीन में ही बनते हैं और उनका दुनियाभर को निर्यात होता है। भारत के खिलौना बाजार में भी चीन की हिस्सेदारी 65 से 75 प्रतिशत तक है। स्कूलों में चैट जीपीटी। देश के ग्रामीण इलाकों में एआई का शिक्षा में सीधा उपयोग भले ही कम हो, लेकिन शहरों के तमाम स्कूलों में बच्चों को चैट जीपीटी से बनाई सामग्री से पढ़ाया जा रहा है। कई जगह चैटबॉट-ट्यूटर्स के साथ बच्चे सीख रहे हैं। एआई जिस तरह बढ़ रहा है, उसे देखते हुए आश्चर्य नहीं कि आने वाले दिनों में बच्चे खुद के बारे में बने गाने सुनें और ऐसी कहानियां पढ़ें जिनमें वे स्टार हों। बच्चों के लिए खास अवसर। एआई ने बच्चों के लिए ऐसी दुनिया के दरवाजे खोल दिए हैं, जिसमें उनके लिए अवसरों की भरमार है। अभी तक बेहतर और ज्यादा अवसर संपन्न परिवारों के बच्चों को मिलते रहे हैं, लेकिन एआई आम बचपन को भी राजसी सुविधाएं उपलब्ध रहा रहा है। तकनीकी कंपनियां बता रही हैं कि जिन स्कूलों में अध्यापकों और पढ़ाई के लिए जरूरी उपकरणों की कमी है।

पश्चिमी देशों को भारत का बुलंदियों पर यूं परवाज होना पसंद न आया, जिसके लिए उन्होंने भारत पर कई तरह की पाबंदी लगा दीं, लेकिन अटल जी 'अटल' थे, उन्होंने दृढ़तापूर्वक भारत के फौलादी इरादों को कायम रखा और दुनिया को दिखाया कि भारत शांति और शक्ति का सामंजस्य बनाना जानता है। अटल जी का सादा जीवन, सरल स्वभाव की दुनिया कायल है, उनके शब्दों का जादू पड़ोसी देश पाकिस्तान पर भी खूब चढ़ा। पाकिस्तान से संबंध बनाए रखने में उन्होंने बहुत उदारता दिखाई।

नए भारत की नींव रखने वाले अटल बिहारी वाजपेयी

(डॉ. नाज परवीन)

अटल जी का सपना भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का था, ताकि कोई भी देश भारत की तरफ आंख उठाकर न देख सके। इसके लिए उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाने का सपना देखा, जिसे उन्होंने शिद्दत से पूरा भी किया। एक ऐसे भारत की परिकल्पना जो आत्मनिर्भर और सशक्त हो, विकास की ओर अग्रसर हो साथ ही मानवीय मूल्यों के साथ खड़ा हो, तकनीक से लबरेज हो और लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक बने, तैयार करना चाहते थे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी। जिन्होंने जीवन में बड़ी से बड़ी बाधा को पार कर सबका साथ सबका विकास के नारे को सही मायने में चरितार्थ किया और नए भारत की नींव रखने वाले महानायक बने। अटल जी एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनहोंने लोगों को भरोसा दिलाया कि न्याय और सामाजिक समरसता पर सबका अधिकार है। भारतीय की बात भारतीय अंदाज में सुनी भी जाएगी और कही भी जाएगी। फिर चाहे वो सदन हो या सड़क, भारतीयों का आंतरिक मामला हो या विदेशी सरजमीं पर परचम लहराने की बात हो हर भारतीय की आस्था को अटूट विश्वास से बांधा जाएगा। उनके प्रेम और विश्वास की पराकाष्ठा संपूर्ण भारतवासियों के प्रति रही इसीलिए वे पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के भी लोकप्रिय नेता में शामिल रहे। श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने 25 दिसम्बर सन 1924 को पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी (पिता) और कृष्णा वाजपेयी(माता) जी के घर जन्म लिया। पिता पेशे से एक अध्यापक और कवि थे, इसलिए बालपन से ही शिक्षा और साहित्य प्रेम के वातावरण में पले बढ़े, अटल जी युवा अवस्था तक आते आते, देश भक्ति एवं साहित्य में पारंगत हो चुके थे।

विजय पताका ने बदल दी जीवन की दिशा : महात्मा रामचंद्र वीर द्वारा रचित अमर रचना विजय पताका से अटल जी बहुत प्रभावित हुए, कहते हैं इस रचना को पढ़ने के बाद अटल जी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। बचपन से देश भक्ति की जो लौ लगी, उसने इन्हें छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक बना डाला। कानपुर के डी ए वी कॉलेज से एम.ए. करने के बाद वकालत की पढ़ाई प्रारम्भ की लेकिन बीच में ही पढ़ाई को विराम देकर संघ के कार्यों में लग गए। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के सानिध्य में राजनीति में महारथ हासिल की। एक साधारण परिवार में जन्म लेने के बाद भी दो बार अल्पकालिक और एक बार पूर्णकालिक प्रधानमंत्री बनने का गौरव हासिल किया। अटल जी का सपना भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का था, ताकि कोई भी देश भारत की तरफ आंख उठाकर न देख सके। इसके लिए उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाने का सपना देखा, जिसे उन्होंने शिद्दत से पूरा भी किया। ये वो दौर था जब पश्चिम की महाशक्तियां भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न होता नही देखना चाहती थी, इसलिए यह मिशन दुनिया के कुछ चुनिंदा सीक्रेट मिशनों की तर्ज पर पूरा किया गया। विश्व के चौधरी के नाक के नीचे अटल बिहारी वाजपेयी जी ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में एक के बाद एक पांच भूमिगत परमाणु परीक्षण करके दुनिया को अचंभित कर दिया। भारत ने एक बार फिर दिखा दिया कि वो शांति और शक्ति का बेहतर तरीके से उपयोग करना जानता है। हालांकि पश्चिमी देशों को भारत का बुलंदियों पर यूं परवाज होना पसंद न आया, जिसके लिए उन्होंने भारत पर कई तरह की पाबंदी लगा दीं, लेकिन अटल जी 'अटल' थे, उन्होंने दृढ़तापूर्वक भारत के फौलादी इरादों को कायम रखा और दुनिया को दिखाया कि भारत शांति और शक्ति का सामंजस्य बनाना जानता है। अटल जी का सादा जीवन, सरल स्वभाव की दुनिया कायल है, उनके शब्दों का जादू पड़ोसी देश पाकिस्तान पर भी खूब चढ़ा। पाकिस्तान से संबंध बनाए रखने में उन्होंने बहुत उदारता दिखाई। 19 फरवरी सन 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर बस सेवा की न केवल शुरुआत की बल्कि स्वयं प्रथम यात्री के रूप में पाकिस्तान जाकर नवाज शरीफ से मुलाकात की और नए संबंधों की नींव डाली।

राजनेता के साथा बेहतरीन कवि भी : अटल जी एक बेहतरीन कवि थे, उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से सदन में अपने विरोधियों को कई बार परास्त किया। उनके शब्दों के तीर इतने सहज और सरल रहते कि उनके विरोधी परास्त होने के साथ साथ उनकी कविताओं के कायल बन जाते। हिंदी,हिंदू, हिन्दुस्तान का जो सुंदर परिचय अटल जी ने कराया वह विरले ही देखने को मिलता है। आपकी रचनाओं में भारत की भावी पीढ़ी को प्रेरणा और त्याग का गहरा संदेश है। जब आप कहते हैं।

बाधाएं आती हैं आएं,
घिरें प्रलय की घोर घटाएं,
पावों के नींचे अंगारे,
सिर पर बरसे यदि ज्वालाएं,
निज हांथो में हंसते हंसते,
आग लगाकर जलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

तब आभास होता है जैसे भारत को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास किया जा रहा हो। आपके विचारों में तथा व्यवहार में राष्ट्र के प्रति समर्पण सर्वोपरि रहा। अटल जी हर भारतीय के दिल में रियल हीरो के रूप में सदैव जीवित रहेंगें। अटल जी जाने से पहले अपनी अनगिनत रचनाएं हम भारतवासियों के लिए छोड़ गए, जिन्हें हम पढ़ कर सदैव उन्हें अपने नज़दीक पाते रहेंगें। उनकी रचनाओं में, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, मृत्यु या हत्या, अमर बलिदान(लोकसभा में अटल जी के वक्तव्यों का संग्रह), संसद में तीन दशक, अमर आग है,कुछ लेख-कुछ भाषण, सेक्यूलरवाद, राजनीति की रपटीली राहें, बिंदु बिंदु विचार, मेरी इक्यावन कविताएं इत्यादि हैं, जो देश की बेशकीमती धरोहरों में से एक हैं। अटल जी ने अपने कार्यकाल के दौरान अनगिनत ऐसे काम किये जिससे हमारे देश की एकता और अखंडता को शक्ति मिले। उन्होंने सौ वर्षों से अधिक पुराने कावेरी विवाद को सुलझाने का प्रयत्न किया, राष्ट्रीय सुरक्षा समिति, आर्थिक सलाह समिति, व्यापार एवं उद्योग समिति का गठन करना, ग्रामीण रोजगार सृजन एवं विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के लिए बीमा योजना शुरू करना, सॉफ्टवेयर विकास के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी कार्यदल, विद्युतीकरण में गति लाने के लिए केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग का गठन करना, सामाजिक सद्भाव को बरकरार रखने के लिए सरकारी खर्चे पर रोज़ा इफ्तार शुरू करना आदि असंख्य कार्यों को करने का श्रेय अटल जी को ही जाता है। उनके द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर उनके जन्मदिन को (25 दिसम्बर) भारत में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने ज्ञान का उपयोग भारत में सामाजिक न्याय और राजनीतिक सुधार लाने के लिए किया, साथ ही सामाजिक सौहार्द को बनाये रखने में अपना अहम योगदान दिया इसलिए भारत के इस बेटे को भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व नमन करता है। विकसित और सशक्त भारत जिसमें सभी को बराबरी का अवसर मिले जो भारत की कामयाबी का आधार बने ताकि नए भारत का निर्माण किया जा सके भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के जीवन प्रयासों में शामिल था इसलिए यदि हम यह कहें कि नए भारत की नींव रखने वाले अटल बिहारी वाजपेयी जी हैं।

360 डिग्री कैसे पलटे ट्रंप? भारत आया अमेरिकी हथियारों का जखीरा

(अभिनय आकाश)

भारत और अमेरिका के रिश्ते सुधर रहे हैं। भले ही धीरे-धीरे सुधर रहे हैं लेकिन अब जो गाड़ी है वो पटरी पर लौट रही है। सबसे पहले भारत अमेरिका से तेल खरीदना शुरू करता है। दूसरे नंबर पर रूस से तेल की खरीद कम करता है। खत्म नहीं करता है, बल्कि कम करता है। उसके बाद भारत बड़ी एलपीजी की डील अमेरिका के साथ करता है। अपनी जरूरत का 10 प्रतिशत हिस्सा अब भारत अगले महीने से अमेरिका से खरीदेगा। उसके बाद सैन्य लेवल पर भी भारत जो है एक डील करता है। ये सारी चीजें चल ही रही होती हैं कि खबर आती है कि दिसंबर के आखिर तक भारत की और अमेरिका की जो ट्रेड डील है वो लगभगल लगभग पूरी तरीके से फाइनल हो जाएगी और दोनों देशों ने जो एक सपना देखा था कि 2030 तक 500 बिलियन डॉलर का व्यापार पहुंचाएंगे। द्विपक्षीय व्यापार होगा उस तरफ चीजें आगे बढ़ने वाली हैं। दरअसल, भारत अमेरिका ने एक साथ आकर एक बड़ा खेल कर डाला है। भारत अमेरिका के नए एक्शन से पाकिस्तान और चीन दोनों के होश उड़ चुके हैं। पाकिस्तान पहले ही भारत से डरा हुआ है। हर पल उसे यही डर सोने नहीं दे रहा कि कब भारत पहले की तरह रात में सूरज उगा दे और उसी टेंशन को और भी ज्यादा बढ़ाने का काम कर दिया है। अब अमेरिका से सामने आई इस चिट्ठी ने। दरअसल पाकिस्तान को तगड़ा झटका अब अमेरिका ने दे दिया। जिसकी गोद में वो बैठने के ख्वाब हर दिन हर रात देख रहा था। उसी पाकिस्तान को अब भारत के साथ मिलकर जमीन में गाड़ने का काम अमेरिका ने कर दिया। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 9.3 करोड़ डॉलर के हथियार की बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि अमेरिका ने भारत को दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम में से एक जैवलिन मिसाइल देने का ऐलान कर दिया है जो कि पाकिस्तान के टैंकों के लिए काल है। भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है। अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी। अमेरिका ने कहा है कि इस बिक्री से 'बड़े डिफेंस पार्टनर' की सुरक्षा में सुधार होगा, जो दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और शांति के लिए महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने अमेरिकी संसद को बताया है कि भारत ने 216 एक्सकैलिबर टैक्टिकल प्रोजेक्टाइल और 100 एफजीएम-148 जैवलिन राउंड, एक जैवलिन एफजीएम-148 मिसाइल, फ्लाई-टू-बाय और 25 जैवलिन लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स या जैवलिन ब्लॉक 1 कांड लॉन्च यूनिट्स खरीदने की इच्छा जताई है। भारत को इन हथियारों और डिफेंस सिस्टम को सेना में शामिल करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। साथ ही इन रक्षा उपकरणों और सपोर्ट सिस्टम की बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा। बता दें कि भारत और अमेरिका ने हाल ही में 10 साल के लिए डिफेंस पार्टनरशिप डील के विभिन्न मुद्दों पर समझौता किया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5955

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5954

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

आज का राशिफल

मेष
नये लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें साधने का प्रयास करेंगे। घर का वातावरण बहुत ही शान्तिपूर्ण रहेगा। आपकी दिनचर्या अत्यन्त सन्तुलित रहेगी। पूर्व में किये गये वादों पर खरे उतरेंगे। विद्यार्थी अध्ययन के प्रति एकाग्र रहेंगे। पैतृक व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी।

वृष
रिश्तेदारों के माध्यम से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लोग आपकी सोच और कार्यप्रणाली से काफी सहमत रहेंगे। मन में विचारों की अधिकता रहेगी। दूसरों को लेकर अधिक उम्मीद रखना उचित नहीं है। पूर्व में किये गये वादों पर खरे उतरेंगे।

मिथुन
आज आपके काम थोड़े मन्द गति से होंगे। शरीर में आलस्य और सुस्ती हो सकती है। परिजनों का पर्याप्त सहयोग नहीं मिलेगा। कानूनी मामलों में उलझ सकते हैं। बच्चों की सेहत को लेकर चिन्ता हो सकती है।

कर्क
नजदीकी सम्बन्धियों के सहयोग से अभिभूत होंगे। अपनी परेशानियों को दोस्तों के साथ शेयर करें, आपको बहुत अच्छा लगेगा। फाइनेन्स से जुड़े लोगों के लिये दिन विशेष रूप से शुभ है। आज खाली समय में पसंदीदा संगीत का आनन्द उठा सकते हैं। वरिष्ठ पदों पर बैठे लोग भी आपसे सलाह लेने को उत्सुक रहेंगे।

सिंह
कार्यक्षेत्र में योग्यता और कुशलता का परिचय देंगे। उच्च पदों पर आसीन लोगों के लिये दिन राहत भरा रहने वाला है। पूर्व में किये गये वादों पर खरे उतरेंगे। घरेलू खर्चों में कमी आयेगी। परिवार में आपसी सहयोग और सौहार्द का वातावरण रहेगा। फैशन और फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों को प्रसिद्धि मिल सकती है।

कन्या
विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को लाभ मिलेगा। प्रबल इच्छाशक्ति से नये कार्यों का आरम्भ कर सकते हैं। अधिकारी आपका उत्साहवर्धन कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। नये क्लाइन्ट्स के साथ आपके सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी दूर होगी।

तुला
कारोबार के विस्तार की योजना बना सकते हैं। घर के लिये नयी वस्तुयें खरीद सकते हैं। समय का सार्थक उपयोग कर पायेंगे। रचनात्मक कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी। आज तले हुये भोजन का सेवन न करें। विपरीत लिंगी जातकों के प्रति आपका व्यवहार काफी अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
आज आप सन्तान की शिक्षा पर अत्यधिक ध्यान देंगे। सही रणनीति के साथ कार्य करने से आपको लाभ मिलेगा। खर्चों पर नियन्त्रण करने का प्रयास करेंगे। प्रेमी जन के साथ घनिष्ठता का आनन्द लेंगे। मन में प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। दूसरों के भरोसे बैठकर काम न करें।

मकर
पारस्परिक सम्बन्धों को दूसरों के कारण प्रभावित न होने दें। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। छात्र पढ़ाई को लेकर लापरवाह न रहें। उच्च अधिकारी आपके स्थानान्तरण को लेकर विचार कर सकते हैं। मन में वैचारिक उथल-पुथल चलती रहेगी। महिलाओं को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक प्रयोग करना चाहिये।

कुंभ
कार्यक्षेत्र में नये तरीकों को अपना सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहेगा। घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहने वाला है। भावनात्मक सम्बन्ध काफी गहरे होंगे। छोटी कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। व्यावसायिक रिश्ते काफी मजबूत हो सकते हैं।

धनु
अपनी बातों को लेकर अड़ियल रवैया अपनाने से बचना चाहिये। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त होगा। हल्की-फुल्की बीमारियाँ आपको परेशान कर सकती हैं। जीवनसाथी आपसे कुछ उपहार की अपेक्षा रख सकता है। धन सम्बन्धित मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। सम्पत्ति के मामले अटक सकते हैं।

मीन
आपके मनोबल में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। एसिडिटी जैसी समस्या हो सकती है। अविवाहित लोगों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। व्यापार में आप विस्तार करने का विचार बना सकते हैं। बड़े भाई-बहनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

वर्ग पहेली 5955

1	2	3	4	■	5	6	7
8				9	■	10	
11		■	12		13		
	■	14	■	15		■	■
16	17		■	18		19	
20			■		■		■
■		■	■	21	22		■
23		■	24			■	■

संकेत: बाएं से दाएं
1. ऑक्सीजन के बिना माउंड एवरेस्ट पर चढ़ने वाला प्रथम व्यक्ति (4)
5. नवजात शिशु, गौतम बुद्ध के पूर्वजन्म की कहानी (3)
8. प्रेम संबंध को यह भी कहा जाता है (5)
10. मित्र, दोस्त, प्रेमी, स्नेह रखने वाला (2)
11. गंदे पानी को बहने के लिए बनाया गया कृत्रिम जलमार्ग (2)
12. दीवार में छेद करके चोरी करने वाला (5)
15. लुआब, लासा, लार (2)
16. पक्षाघात, अंग का सुन्न या बेकार हो जाना (3)
18. सैनिको का अभ्यास, ड्रिल, विधि संहिता (4)
20. ये सिख संप्रदाय के आदि गुरू थे (3)
21. वापस देना, पलटना (3)
23. कोलाहल, हल्ला-गुल्ला (2)
24. हिमालय पर बसा दक्षिण एशिया का एक छोटा देश है इसका स्थानीय नाम ड्रुग-युल है जिसका अर्थ होता है अझदहा का देश जिसकी राजधानी थिम्फू है (3)

ऊपर से नीचे
1. फल-फूल युक्त होना, सुख-सौभाग्ययुक्त होना (6)
2. वर्णसंकर बांस की कीमचियों का बना गोलाकार पात्र (3)
3. क्रिकेट से संबंधित एक शब्द (2)
4. जन्म से लगाकर मृत्यु तक का समय (3)
6. शिष्टता, विवेक, सभ्यता (3)
7. तकली को यह भी कहा जाता है (3)
9. प्रतिनोदित, पलटा, आवृत्त (7)
13. उपद्रव, फसाद, बगावत, विप्लव (3)
14. मौन, निरूत्तर, अमुखर, खामोश (3)
17. वह जो ताम्रपत्र पर लेख खोदता हो (4)
19. कलिंद पर्वत से निकलने वाले के कारण इस नदी का एक नाम कालिंदी भी है, यह संज्ञा के गर्भ से उत्पन्न सूर्य की पुत्री है (3)
22. आखेट मंच, टांड, शिकार मंच (2)

वर्ग पहेली 5954 का हल

वि	नो	द	ख	न्ना	■	श	म
क	क	ह	रा	■	से	ह	त
लां	■	ल	ब	रे	ज	■	ल
ग	ह	ना	■	व	■	क	ब
■	र	■	मो	ती	ला	ल	■
बे	ता	ब	■	■	मा	म	ला
■	लि	या	क	त	■	जी	वा
ड	का	र	■	■	रा	वी	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

मैं हमेशा अपने खिलाड़ियों के समर्थन में खड़ा रहूंगा: बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौजूद इंग्लैंड क्रिकेट टीम मैदान पर लगातार निराशाजनक प्रदर्शन की वजह से आलोचना का सामना तो कर ही रही है, दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच कुछ खिलाड़ियों के ज्यादा शराब पीने की वजह से भी विवादों में है। विवादों के बीच इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स अपनी टीम के समर्थन में आए हैं। मेलबर्न टेस्ट से पहले बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं इस पल को अभी कैसे संभालता हूं, यह मेरे लिए सबसे जरूरी है। वहां मौजूद सभी लोगों और शायद कुछ खास लोगों की भलाई मेरे लिए अभी इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर सबसे जरूरी है। इस तरह की चीजें, मुझे नहीं पता कि मेरे करीब सही शब्द हैं या नहीं, लेकिन कुछ ऐसा है जिसका मुझे खुद अनुभव है कि यह लोगों पर कैसे असर डाल सकता है। इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा काम अपने खिलाड़ियों को जितना हो सके उतना बचाना है।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें पता चले कि उन्हें मेरा समर्थन है क्योंकि मेरे लिए सबसे जरूरी चीज, अभी यहां बैठे हुए, खिलाड़ियों का एक ग्रुप है जिन्हें मैं इस देश और इस ट्रिप के बाकी हिस्से के लिए बाहर जाकर परफॉर्म करने की कोशिश करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में ला सकूं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई थी। इसे 'स्टैग डू' के नाम से प्रचारित किया गया है। इसमें कुछ खिलाड़ी शराब पीते हुए दिखे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अभी इंग्लिश टीम के शराब पीने के कल्चर के दावों की जांच कर रहा है, जब बेन डकेट का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे नशे में दिख रहे थे। इंग्लैंड क्रिकेट टीम एशेज 2025-26 के शुरुआती तीन टेस्ट गंवाकर सीरीज हार चुकी है। इंग्लैंड के खेलने के तरीके पर सभी सवाल उठे हैं। इंग्लैंड के कप्तान का अगला लक्ष्य सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना है।

जोफ्रा आर्चर एशेज से बाहर, मेलबर्न टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित

मेलबर्न, एजेंसी । एशेज सीरीज हार चुकी इंग्लैंड को सीरीज के बाकी दो टेस्ट मैचों से पहले बड़ा झटका लगा है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में गस एटकिंसन को जगह दी गई है। मेलबर्न में 26 दिसंबर से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। जोफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण सीरीज के बाकी दोनों टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। जोफ्रा ने एडिलेड में गेंदबाजी के साथ-साथ बेहतरीन बल्लेबाजी भी की थी और पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। उनका बाहर होना निश्चित तौर पर इंग्लैंड की मुश्किलों को और बढ़ाने वाला है। मेलबर्न टेस्ट के लिए गस एटकिंसन की इंग्लैंड के प्लेइंग इलेवन में वापसी हो गई है।

खेल पेशेवरों के लिए नई इंटर्नशिप नीति लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। नई नीति के तहत, युवा मामले और खेल मंत्रालय और इसके प्रमुख संस्थानों में सालाना 452 इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी। इनमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) शामिल हैं। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को खेल ईकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए संरचित, बड़े पैमाने का मंच बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक इंटर्नशिप नीति लॉन्च की। केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा, 'भारत के खेल ईकोसिस्टम में बदलाव के लिए कुशल पेशेवरों और युवा प्रतिभाओं की ओर से समर्थित मजबूत संस्थागत समर्थन की जरूरत है। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के जरिए हम युवाओं के लिए खेल शासन और प्रशासन के द्वार खोल रहे हैं, जिससे वे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें और खेलों के जरिए राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकें। 'डॉ. मांडविया के अनुसार, यह कार्यक्रम पेशेवर रूप से प्रशिक्षित लोगों की बढ़ती जरूरत को पूरा करता है। भारत अपने स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर रहा है, गवर्नेंस सुधारों को मजबूत कर रहा है और खेल की दुनिया में अपनी पहचान बढ़ा रहा है।

यह पहल युवाओं को भारत की खेल यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाएगी। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खेल नीति और खेलो भारत नीति 2025 के उद्देश्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, जिसमें युवा सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण और खेल प्रशासन के व्यवसायीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह नीति भारत के उस दूरगामी दृष्टिकोण का समर्थन करती है.

बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने रचा इतिहास

लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज भारतीय शतक लगाया

रांची, एजेंसी। रांची के जेएससीए ओवल ग्राउंड में विजय हजारे ट्रॉफी के अंतर्गत बिहार और अरुणाचल प्रदेश के बीच मुकाबले में बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गनी ने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा।

पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सकिबुल गनी ने मात्र 32 गेंद पर शतक लगाया। लिस्ट ए क्रिकेट का ये सबसे तेज भारतीय शतक है। सकिबुल गनी ने 40 गेंदों पर 12 छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 128 रन की पारी खेली। ईशान किशन ने भी बुधवार को कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंद पर शतक लगाया। किशन ने 39 गेंद पर 14 छक्कों से सजी 125 रन की पारी खेली।

लिस्ट ए क्रिकेट में अनमोलप्रीत सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 21 दिसंबर 2024 को 35 गेंद में शतक लगाया था। वैभव सूर्यवंशी ने इसी मैच में 36 गेंद पर शतक लगाया है। युसूफ पठान ने 2010 में महाराष्ट्र के खिलाफ 10 गेंदों पर शतक लगाया है।

बिहार ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 6 विकेट पर 574 रन बनाए। कप्तान सकिबुल गनी के अलावा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए आयुष लोहारुका ने भी शतक लगाया। पारी की शुरुआत करने आए वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 84 गेंदों पर 15 छक्के और 16 चौकों की मदद से 190 रन की पारी खेली। वैभव के पास दोहरा शतक लगाने का पूरा मौका था, लेकिन वह 27वें ओवर की चौथी गेंद पर आउट हो गए। वहीं आयुष ने 56 गेंदों पर 8 छक्के और 11 चौकों की मदद से 116 रन बनाए। इसके अलावा पीयूष सिंह ने 66 गेंदों पर 77 और मंगल महरोर ने 43 गेंदों पर 33 रन बनाए। लिस्ट ए क्रिकेट में पूर्व का सबसे बड़ा स्कोर तमिलनाडु के नाम था। तमिलनाडु ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 2022 में 2 विकेट पर 506 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड है। नीदरलैंड के खिलाफ 2022 में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 498 रन बनाए थे। सरे ने ग्लौक्स के खिलाफ 2007 में 4 विकेट पर 496 रन बनाए थे।

लिस्ट ए में अब सरे चौथे नंबर पर चली गई है। इंग्लैंड पांचवें नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड ने 2018 में 6 विकेट पर 481 रन बनाए थे।

भारत-न्यूज़ीलैंड:

भारत दौरे के लिए न्यूज़ीलैंड टीम का ऐलान, केन विलियमसन को आराम

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी 2026 में भारत दौरे पर आने वाली न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। ब्लैककैप्स इस बार तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेलने भारत आएंगे। हालांकि टीम में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, क्योंकि स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन इस सीरीज में आराम पर रहेंगे। इसके साथ ही टीम में चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल कर न्यूजीलैंड ने युवा प्रतिभाओं को मौका दिया है, जो इस दौरे को और रोमांचक बनाने वाले हैं।

न्यूजीलैंड ने अनकैप्ड लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर जेडन लेनॉक्स को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। इसके अलावा क्रिस्टियन क्लार्क, आदी अशोक, जोश क्लार्कसन और निक केली को भी वनडे स्क्वॉड में जगह दी गई है। हाल ही में टेस्ट डेब्यू करने वाले माइकल रे को भी टीम में शामिल किया गया है।

केन विलियमसन क्यों नहीं हैं टीम में

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन भारत के खिलाफ इस व्हाइट-बॉल सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दरअसल, वह ₹20 लीग में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण उपलब्ध नहीं हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने स्पष्ट किया कि विलियमसन वनडे चयन के लिए अनुपलब्ध रहे।

कोच रॉब वॉल्टर ने क्या कहा

हेड कोच रॉब वॉल्टर ने जेडन लेनॉक्स को लेकर कहा कि टीम मैनेजमेंट काफी समय से उन पर नजर

रखे हुए था। उन्होंने घरेलू व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और न्यूज़ीलैंड 'ए' टीम के लिए भी अहम अनुभव हासिल किया है। वॉल्टर के मुताबिक, लेनॉक्स में ब्लैककैप्स के लिए नियमित प्रदर्शन करने की पूरी क्षमता है।

अन्य अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी

चोट के चलते नाथन स्मिथ (साइड स्ट्रेन), ब्लेयर टिकनर (कंधा) और मार्क चैपमैन (टखना) को वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, मार्क चैपमैन के टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। वहीं, बेन सियर्स भी अभी रिकवरी में हैं, जिस वजह से उन्हें वनडे स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की वनडे टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदी अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम–

पहला वनडे: 11 जनवरी 2026
दूसरा वनडे: 14 जनवरी 2026
तीसरा वनडे: 17 जनवरी 2026

वनडे के बाद टी20 सीरीज–

पहला टी20: 20 जनवरी 2026
दूसरा टी20: 22 जनवरी 2026
तीसरा टी20: 24 जनवरी 2026
चौथा टी20: 26 जनवरी 2026
पांचवां टी20: 28 जनवरी 2026

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप:

रमिता-हिमांशु का शानदार प्रदर्शन

भोपाल, एजेंसी। रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने मंगलवार को भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से हराकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत के साथ ही ढिल्लों का दबदबा कायम रहा, जिन्होंने सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड बनाया था। दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 की जीत के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

रोहित-कोहली के बाद अब शुभमन गिल भी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के बाकी हिस्से में घरेलू क्रिकेट में व्यस्त नजर आएंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम से बाहर किए जाने और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का बड़ा हिस्सा मिस करने के बाद गिल को पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 टीम में शामिल किया गया था। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पंजाब के लिए रणजी ट्रॉफी 2025-26 के शेष दो मुकाबले भी खेलेंगे।

विजय हजारे के दो मैच, फिर रणजी में वापसी

एक रिपोर्ट के अनुसार, गिल अगले साल विजय हजारे ट्रॉफी के दो मैच खेलेंगे–3 जनवरी को सिक्किम और 6 जनवरी को गोवा के खिलाफ, दोनों मुकाबले जयपुर में होंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। वहीं, जब भारत टी20ढ्ढ सीरीज खेलेगा, तब गिल पंजाब के लिए सफेद जर्सी में रणजी ट्रॉफी के ग्रुप मैच खेलते दिखेंगे। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फिर से आगाज 22 जनवरी से होगा, जब पंजाब ग्रुप-बी में राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में सौराष्ट्र से भिड़ेगा। इसके बाद 29 जनवरी से मल्लनपुर में कर्नाटक के खिलाफ मुकाबला होगा। फिलहाल पंजाब 5 मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है और सिर्फ एक जीत दर्ज कर सका है। अगर टीम अपने बचे दोनों मैच जीतती है, तो क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बनी रह सकती है। नॉकआउट चरण 6 फरवरी से शुरू होना है–ऐसे में गिल का टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी रणजी खेलना संभव है। टेस्ट में 2025 के टॉप रन-स्कोरर बनने की दहलीज पर गिल

शुभमन गिल 2025 में टेस्ट क्रिकेट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की ओर बढ़ रहे हैं। 9 टेस्ट में उन्होंने 70.21 की औसत से 983 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और एक अर्धशतक शामिल है। कप्तान के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर उनका प्रदर्शन खास रहा। हालांकि बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद जो रूट, ट्रैविस हेड, एलेक्स केरी, हैरी ब्रूक और बेन डकेट उनके आंकड़े के करीब पहुंच सकते हैं, लेकिन फिलहाल बढ़त गिल के पास है।.

वैभव सूर्यवंशी का 36 गेंद पर शतक

विजय हजारे ट्रॉफी में 14 साल के बल्लेबाज ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 कमाल का साबित हो रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी ही एक ऐसा प्लेटफॉर्म था जहां उनका शतक आना बाकी था इस साल। अब यह भी 14 साल के बल्लेबाज ने कर दिखाया है। बिहार के लिए खेलते हुए वैभव ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पहले मुकाबले में 36 गेंद पर शतक ठोक दिया। यह लिस्ट ए में किसी भी भारतीय का दूसरा सबसे तेज शतक है। वैभव ने 84 गेंद पर 190 रन बनाए जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। ओवरऑल लिस्ट ए में सबसे तेज शतक लगाने के मामले में वैभव सूर्यवंशी शाहिद अफरीदी से आगे निकल गए हैं। इस लिस्ट में दिग्गज एबी डिविलियर्स दूसरे स्थान पर हैं और टॉप पर हैं ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क जिन्होंने 29 गेंद पर लिस्ट ए में अब तक का सबसे तेज शतक ठोका था। वैभव लिस्ट ए में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने जिन्होंने 14 साल 272 दिन की उम्र में यह कारनामा किया।

वैभव सूर्यवंशी के लिए लाजवाब 2025

14 साल के भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 किसी सपने से कम नहीं रहा है। आईपीएल में पहला एक्सपोजर मिला वहां उन्होंने आतिशी शतक ठोक सुर्खियां बटोरीं। उसके बाद यूथ वनडे, यूथ टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की और इस दौरे पर भी शतक ठोका। फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यूथ सीरीज में शतक लगाया। इंडिया ए के लिए एशिया कप में शतक ठोका, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शतक लगाया उसके बाद अंडर 19 एशिया कप में भी उन्होंने शतक लगाया, उसके बाद अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ यह पारी खेलते हुए अपना नाम खास रिकॉर्ड की लिस्ट में शामिल कर लिया।

सूर्यकुमार यादव के लिए 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं न्यूजीलैंड सीरीज, बयानों से नहीं बल्ले से देना होगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। यह वह लाइन है, जिस पर सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से बार-बार भरोसा जताते रहे हैं.

मानो इसे ज़ोर से कहने से उनके पैरों के नीचे की ज़मीन स्थिर हो जाएगी. उन्होंने पहली बार यह बात सितंबर में एशिया कप की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी, जब बातचीत का रुख पहले ही बदलने लगा था. इसके बाद उन्होंने धर्मशाला में दक्षिण अफ़्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद भी यही दोहराया. हर बार संदेश एक जैसा और थोड़ी राहत देने वाला था. मेहनत सही है, इरादा नहीं बदला है और रन अपने समय पर आ जाएंगे.

पहले सूर्या ने कहा, 'मैं नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहा हूं. जो मेरे नियंत्रण में है, वह सब कर रहा हूं.' फिर उन्होंने कहा, 'जब रन आने होंगे, तो ज़रूर आएंगे. मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं, लेकिन रन नहीं बन रहे हैं.' आखिरकार रविवार को उनका लहजा और तीखा हो गया. जब उन्होंने कहा, 'मेरे 14 सैनिक फिलहाल मुझे कवर कर रहे हैं. उन्हें पता है, जिस दिन मैं फट पड़ा, क्या होगा.'

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

डीएम ने की समग्र विकास व खेलकूद से संबंधित योजनाओं की समीक्षा

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। औरंगाबाद समाहरणाल सभाकक्ष में बुधवार को जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट इनीशिएटिव सेक्टर के तहत पर्यटन, नगर विकास, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), उद्योग, समग्र विकास एवं खेलकूद से संबंधित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले में संचालित सभी संबंधित योजनाओं की क्रमवार एवं बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट इनीशिएटिव सेक्टर का मुख्य उद्देश्य जिले की स्थानीय विशेषताओं, प्राकृतिक संसाधनों एवं मानव संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर आर्थिक विकास को गति देना, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करना तथा जिले की एक विशिष्ट पहचान स्थापित करना है।

अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी संपन्न

मदनपुर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। मदनपुर प्रखंड के सलैया स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में बुधवार को प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में प्रधानाध्यापक ने बताया कि शिक्षा विभाग के आदेशानुसार प्रत्येक माह अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस बार हरेक बच्चा श्रेष्ठ बच्चा थीम पर आधारित संगोष्ठी आयोजित है। बैठक में अभिभावकों के साथ सभी बच्चों की सीखने की क्षमता और प्रगति को उसकी अपनी गति के अनुसार पहचानना, अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा में सक्रिय सहभागी बनाते हुए उसके घर और विद्यालय के बीच सार्थक सहयोग और सशक्त बनाने, बच्चों में आत्मविश्वास का विकास तथा सीखने के लिए सकारात्मक समावेशी वातावरण का निर्माण करने, बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण पर चर्चाएं की गई।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना से महिलाओं को मिला आर्थिक संबल

15 पीड़ित एवं जरूरतमंद महिलाओं को प्रदान की गयी आर्थिक सहायता

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अभिलाषा शर्मा, जिला पदाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के अंतर्गत चयनित 15 पीड़ित एवं जरूरतमंद महिलाओं को प्रति महिला 10,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह सहायता सामाजिक पुनर्वास कोर्स के तहत दी गई, जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ठोस आधार मिल सके। सहायता राशि लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की गई। इससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित हुई। इस अवसर पर लाभान्वित महिलाओं ने बताया कि वे इस राशि का उपयोग स्वरोजगार और लघु उद्योग शुरू करने में करेंगी। महिलाओं ने सिलाई कार्य, ब्यूटी पार्लर, छोटी दुकान, सब्जी-फल विक्रय, अगरबत्ती निर्माण और हस्तशिल्प जैसे कार्यों की योजनाएं साझा कीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य महिलाओं को सम्मानजनक जीवन, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे इस राशि का सही और योजनाबद्ध उपयोग करें तथा अपने व्यवसाय को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से भविष्य में भी आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन की ओर से पीड़ित महिलाओं को कंबल का वितरण भी किया गया, ताकि शीतकाल में उन्हें राहत मिल सके। यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस मौके पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधन केंद्र के प्रशासक और अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने महिलाओं को योजना के उद्देश्य, लाभ और क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें अन्य सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के तहत औरंगाबाद जिले में किया गया यह प्रयास महिला सशक्तिकरण और सामाजिक पुनर्वास की दिशा में सराहनीय और प्रेरणादायी कदम माना जा रहा है। इससे न केवल महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी, बल्कि वे समाज में आत्मसम्मान के साथ अपनी नई पहचान भी स्थापित कर सकेंगी।

घर का ताला तोड़कर 15 लाख की चोरी, श्राद्धकर्म में गए दंपती के सूने मकान को बनाया निशाना

- मेन गेट सहित घर के अंदर सभी कमरों के ताले तोड़े गए
- गोदरेज अलमारी, बक्सा और अटैची से सामान निकाला गया

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला औरंगाबाद शहर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या चार, रामाबांध सोमरू बिगहा मोहल्ले का है, जहां अज्ञात चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़कर करीब 15 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और 60 हजार रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने घने कोहरे का फायदा उठाते हुए वारदात को अंजाम दिया, जिससे आसपास के लोगों को भनक तक नहीं लगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला निवासी शिव शंकर विश्वकर्मा अपनी पत्नी के साथ श्राद्धकर्म में शामिल होने गांव गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके सूने मकान को निशाना बनाया। चोरों ने पहले मेन गेट का ताला तोड़ा और फिर घर के अंदर घुसकर अलग-अलग कमरों में रखी गोदरेज अलमारी, बक्सा और अटैची के ताले तोड़ दिए। इसके बाद घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए।

बुधवार की सुबह जब पड़ोसियों ने घर का मुख्य गेट खुला और ताला टूटा देखा, तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने तुरंत गृहस्वामी को फोन कर घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही शिव शंकर विश्वकर्मा अपने शहर स्थित आवास पहुंचे। घर के अंदर का दृश्य देखकर वे हैरान रह गए—कमरों के ताले टूटे थे और सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित के अनुसार चोरी गए आभूषण उनकी बहू के थे, जिनकी कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है, जबकि 60 हजार रुपये नकद भी गायब मिले।

सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ भी की गई। पीड़ित ने नगर थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका पैतृक घर माली थाना क्षेत्र के सिमरी गांव में है और मंगलवार को वे पत्नी के साथ वहीं गए थे, रात गांव में ही रुक गए थे। इसी दौरान घर पूरी तरह बंद था। इस संबंध में नगर थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित का आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले की गंभीरता से छानबीन की जा रही है। जांच के बाद दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस गश्ती बढ़ाने और रात्रि निगरानी सख्त करने की मांग की है।

मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, रेल परिचालन रहा सामान्य

निज संवाददाता | फेसर (औरंगाबाद)

दीनदयाल उपाध्याय रेल खंड पर मंगलवार की देर रात एक रेल घटना सामने आई, जब फेसर रेलवे स्टेशन के पास लूप लाइन में प्रवेश के दौरान मालगाड़ी के पीछे के तीन डिब्बों के पहिये पटरी से उतर गए। यह घटना रात करीब 11 बजकर 55 मिनट की बताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि हादसे के बावजूद मुख्य लाइनों पर ट्रेनों का आवागमन पूरी तरह सामान्य बना रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी डाउन मेन लाइन से लूप लाइन में एंट्री कर रही थी। इसी दौरान स्टेशन के पश्चिम केबिन के पास पीछे की तीन बोगियों के पहिये अचानक पटरी से उतर गए, जिससे लूप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया और अधिकारी तथा तकनीकी टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई।

सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सबसे पहले प्रभावित बोगियों को मालगाड़ी से अलग किया गया, ताकि शेष रेक को सुरक्षित निकाला जा सके। इसके बाद रेलवे की तकनीकी टीम ने मरम्मत कार्य शुरू किया। रात भर चले कार्य के बाद बुधवार को पटरी से उतरी बोगियों के पहियों को दोबारा पटरी पर चढ़ा दिया गया और लूप लाइन की मरम्मत पूरी कर ली गई। इसके साथ ही संबंधित लाइन को भी सुचारू रूप से चालू कर दिया गया।

डीएम ने की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में धान अधिप्राप्ति की समीक्षा

निज संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद समाहरणालय सभाकक्ष में बुधवार को जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के तहत धान अधिप्राप्ति से संबंधित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले में किसानों से अधिप्राप्त धान की स्थिति एवं किसानों को किए जा रहे भुगतान की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया में तेजी लाने का स्पष्ट निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में यह पाया कि ओबरा, नवीनगर एवं हसपुरा प्रखंडों में धान क्रय की प्रगति अपेक्षाकृत कम है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि धान क्रय में शीघ्र अपेक्षित सुधार नहीं हुआ, तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि आगामी बैठकों में राज्य स्तरीय बैठकों के अनुरूप सम्यक एवं अद्यतन प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। साथ ही, अधिक से अधिक किसानों के निबंधन सुनिश्चित करने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, औरंगाबाद, सहकारिता विभाग से संबंधित जिला सहकारिता बैंक के अध्यक्ष सहित सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारी शामिल रहे।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर आयोग के सदस्य ने कहा, क्रय-विक्रय का रसीदें अवश्य लें उपभोक्ता

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद स्थित जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में मंगलवार को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस समारोह मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता जिला उपभोक्ता अदालत के सदस्य बद्री नारायण सिंह ने की। कार्यक्रम में उपभोक्ताओं को जागरूक करने पर बल दिया गया। साथ ही उपभोक्ताओं को क्या क्या अधिकार है और मामले का त्वरित निष्पादन कैसे करें, इस पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि वह व्यक्ति जो किसी वस्तु या सेवा का प्रत्यक्ष या डिजिटल रूप से अंतिम उपभोगकर्ता है, वह उपभोक्ता हैं। आज ही के दिन 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को राष्ट्रपति से मंजूरी मिली थी। उपभोक्ताओं को अधिकार और शोषण के खिलाफ सुरक्षा मिली थी।

कहा कि प्रशासन द्वारा ग्राम और विद्यालय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिला उपभोक्ता अदालत में अभी 700 मामलों की सुनवाई चल रही है।

नीतीश कल भी थे, आज भी हैं और आगे भी रहेंगे मुख्यमंत्री : आनंद मोहन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

नबीनगर विधानसभा सीट से बेटे चेतन आनंद की जीत के करीब एक माह बाद बिहार के चर्चित राजपूत नेता एवं पूर्व सांसद आनंद मोहन मंगलवार को औरंगाबाद पहुंचे। इस दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व, महिला रोजगार योजना, राजद से अलग होने के कारणों, बुलडोजर कार्रवाई, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बयानों और बेटे चेतन आनंद की चुनावी जीत से जुड़े तमाम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। आनंद मोहन ने नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्ष कल भी कह रहा था कि नीतीश मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, आज भी वही कह रहा है और आगे भी यही कहेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद भी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने और आगे भी रहेंगे। एनडीए में नीतीश कुमार के कथित "एग्जिट प्लान" की बात पूरी तरह बेबुनियाद है। जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया है और तय कर दिया है कि 2025 से 2030 तक भी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। विपक्ष के पास अब कहने के लिए कुछ नहीं बचा है, इसलिए वह अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहा है, जिसका सरकार या मुख्यमंत्री पर कोई असर नहीं पड़ने वाला।

महिला रोजगार योजना को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर आनंद मोहन ने कहा कि जीविका दीदियों को दी गई राशि को चुनावी रिश्वत बताना सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि जो लोग आज सवाल उठा रहे हैं, वे खुद भी सत्ता में रह चुके हैं, लेकिन तब उन्हें महिलाओं के हित की चिंता नहीं हुई। चुनाव के समय अचानक माई-बहिन योजना, मुफ्त बिजली और पेंशन बढ़ाने जैसे वादे किए जाने लगे। सरकार को जो उचित लगा, उसने किया—125 यूनिट बिजली मुफ्त की, सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाई और महिला रोजगार योजना लागू की। इससे कुछ लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली है और आने वाले समय में जब महिलाओं को दो-दो लाख रुपये तक की सहायता मिलेगी, तब इसका असर साफ दिखेगा।

सत्यमेव जयते
राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

बिहार लोक भवन
पटना–800022
BIHAR LOK BHAVAN
PATNA-800022

संदेश

क्रिसमस के पावन अवसर पर मैं समस्त बिहारवासियों व देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

प्रभु ईसा मसीह प्रेम, क्षमा और त्याग की प्रतिमूर्ति थे। उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाया जानेवाला यह त्योहार शांति, सद्भावना और करूणा का संदेश देता है।

आईए, इस अवसर पर हम ईसा मसीह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने एवं शांतिपूर्ण, समरस और समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प लें।

आरिफ मोहम्मद खां

PR No.- 020282 (Governor Secretariat)D. 2025-26